दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, बुधवार, 7 जनवरी 2026 शुक्ल पक्ष-चतुर्थी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 259 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति का नोबल पुरस्कार नहीं मिला तो वे गुस्से में आकर डोनाल्ड ट्रंप की जगह डान ट्रंप बन गए हैं। लगता है वे अब अशांति का विशेष नोबल पुरस्कार घोषित कराकर उसे हथिया लेंगे। भाईगिरी पर उतारू डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सपत्नीक उठवा लिया। अब उनके निशाने पर कोलंबिया, क्यूबा, ग्रीनलैंड और ईरान है। इनके राष्ट्राध्यक्षों का किडनैप कराकर वे इन देशों में तख्ता पलट करा सकते हैं और अपने पिट्ठुओं की सरकार बनवा सकते हैं। फिर वे गा सकते हैं - अरे दीवानों मुझे पहचानो मैं हूं डान मै हूं डान....।

ब्रिज से रेलवे पटरी पर गिरे दो युवक, इमरजेंसी ब्रेक ने बचाई जान

■ **बाइक समेत 40 फीट नीचे गिरने पर टूटे दोनों के पैर**

बालोद/नवप्रदेश। बालोद जिले में एक बड़ा हादसा हुआ, जब बाइक सवार दो युवक लगभग 40 फीट नीचे रेलवे पटरी पर गिर पड़े। नीचे से गुजर रही मालगाड़ी के लोको पायलट ने तत्काल ब्रेक लगाकर उनकी जान बचाई। दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र में बने रेलवे अंडरब्रिज पर बाइक सवार दो युवक अनियंत्रित होकर सीधे नीचे रेल पटरी पर जा गिरे। एक युवक पटरी पर गिरा, जबकि दूसरा नाली में जमे पानी में जा गिरा। दोनों के पैर टूट गए।

लोको पायलट ने दिखाई सतर्कता, ट्रेन रोककर बचाई जान

इसी दौरान उसी ट्रैक पर मालगाड़ी आ रही थी। लोको पायलट ने युवकों को अचानक नीचे गिरते देखा और तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाया। कुछ ही दूरी पर ट्रेन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

घायल युवक बोले- 'प्लीज उठा दो, मम्मी को फोन करना है'

लोको पायलट के मुताबिक युवक बार-बार कह रहे थे कि- प्लीज उठा दो, मेरे दोनों पैर टूट गए, बाहर निकाल दो मम्मी को फोन करना है। इसके बाद लोको पायलट ने 112 में कॉल कर एंबुलेंस बुलाई।

112 टीम ने अस्पताल पहुंचाया, वीडियो वायरल

सूचना मिलते ही पुलिस और 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल ले जाया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है।

सोनिया गांधी तबीयत खराब सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस की संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को तबीयत खराब होने के चलते दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफकी शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया था। फिलहाल उन्हें चेस्ट फिजिशियन की निगरानी में रखा गया है। सर गंगा राम अस्पताल ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में बताया कि सोनिया गांधी को सोमवार रात करीब 10 बजे अस्पताल में भर्ती किया गया। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने कहा कि जांच में पाया गया कि ठंड और प्रदूषण के कारण उनका ब्रॉन्कियल अस्थमा हल्का बढ़ गया था।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेश कलमाड़ी का निधन

पुणे (वार्ता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेश कलमाड़ी का मंगलवार को निधन हो गया। वह 81 साल के थे। पुणे के पूर्व सांसद श्री कलमाडी राजनीति और खेल जगत में एक जानी-मानी हस्ती थे। उनका पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में इलाज चल रहा था। वह काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका पार्थिव शरीर दोपहर दो बजे तक जनता के दर्शन के लिए एरंडवाने में कलमाड़ी हाउस में रखा जाएगा, जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार पुणे के नवी पेठ में वैकुंठ स्मारक भूमि पर किया जाएगा।

दिल्ली में घने कोहरे के कारण 280 से अधिक उड़ानों में देरी

नई दिल्ली, (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी और देश के दूसरे हिस्सों में मंगलवार सुबह घने कोहरे के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 280 से अधिक उड़ानों में देरी की सूचना है और कुछ उड़ानें रद्द हैं। दिल्ली हवाई अड्डे पर सुबह चार बजे के बाद दृश्यता घटने लगी और 150 मीटर तक गिर गयी। चार बजे के बाद से ही कैट-3 प्रक्रिया के तहत उपकरण की मदद से परिचालन शुरू कर दिया गया। अमृतसर, भोपाल, चंडीगढ़, गुवाहाटी, वाराणसी, रांची, हिंडन (गाजियाबाद) और धर्मशाला में भी दृश्यता कम होने के कारण उड़ानों के परिचालन में देरी हो रही है। दिल्ली से जाने वाली कम से कम 20 और दिल्ली आने वाली कम से कम 260 उड़ानों में देरी की सूचना है।

जापान में 6.2 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो (वार्ता)। जापान के पश्चिमी चुगोकू क्षेत्र के शिमाने प्रांत में मंगलवार को भूकंप के कई झटके महसूस किये गये। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.2 मापी गयी, हालांकि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। गौरतलब है कि भूकंप के केंद्र से मात्र 32 किमी दूरी पर 'शिमाने परमाणु ऊर्जा केंद्र' है। जापान के परमाणु नियामक प्राधिकरण ने कहा कि संयंत्र में किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं पायी गयी है।

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की दो-टूक

हम सुपर एक्सपर्ट नहीं

नई दिल्ली/वार्ता। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार से सुनवाई शुरू कर दी। कोर्ट ने साफकहा कि वो खुद को 'सुपर एक्सपर्ट' नहीं मानता, लेकिन इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा के लिए एक मंच जरूर देगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने बताया कि कोर्ट के एमिकस क्यूरी ने एक नोट सौंपा है, जिसमें प्रदूषण से निपटने के लिए कई सुझाव दिए गए हैं। इनमें कुछ सुझाव ऐसे हैं, जिन पर तुरंत काम किया जा सकता है, जबकि ज्यादातर समाधान लंबे समय की योजना से जुड़े हैं।

कोर्ट का केंद्र से सवाल: पहले वजहें तो बताइए

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी से कहा कि वह बताए कि आगे की रणनीति क्या होगी। इस पर एएसजी ने कहा कि सरकार इस पर एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी। इस पर चीफजस्टिस ने कहा कि मामलों को 'इश्यू-वाइज' यानी एक-एक मुद्दे के आधार पर देखा जाना चाहिए, ताकि हर पहलू पर ठीक से विचार हो सके। कोर्ट ने दो टूक कहा कि वह खुद विशेषज्ञ बनने की कोशिश नहीं करेगा, लेकिन बहस और समाधान के लिए मंच जरूर उपलब्ध कराएगा।

'किसानों पर ठीकरा न फोड़ें, असली वजह बताएं'

कारणों को सार्वजनिक करने पर जोर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विशेषज्ञ संस्थाएं प्रदूषण के कारणों की पहचान करें और ये भी बताएं कि सबसे ज्यादा योगदान किन वजहों का है। ये सभी कारण सार्वजनिक डोमेन में लाए जाएं, ताकि आम लोग भी जान सकें कि प्रदूषण की असली वजहें क्या हैं। इसके बाद लोगों से सुझाव भी मांगे जा सकते हैं।

सीजेआई ने ये भी कहा कि किसी तरह पूरे प्रदूषण का दोष किसानों पर डाल दिया जाता है, जो सही नहीं है। कोर्ट ने महामारी के समय का उदाहरण देते हुए कहा कि उस दौर में पराली जलाने की घटनाएं ज्यादा थीं, फिर भी दिल्ली की हवा साफ थी और लोगों ने नीला आसमान देखा था।

बस-ट्रक रोकने से हल नहीं निकलेगा: कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि यह कहना आसान है कि बसें और ट्रक प्रदूषण फैला रहे हैं, लेकिन अगर बसें बंद कर दी जाएं तो आम आदमी कैसे चलेगा? इसलिए तात्कालिक फैसलों के बजाय वैकल्पिक और दीर्घकालिक योजनाओं की जरूरत है।

सीजेआई की सख्त टिप्पणी: कारण पहचानना पहली जिम्मेदारी

सीजेआई ने केंद्र और विशेषज्ञ संस्थाओं से साफसवाल पूछा, 'क्या आपने वाकई प्रदूषण के कारणों को ठीक से पहचाना है? समाधान तो दूसरा चरण है, पहले ये बताइए कि असली वजहें क्या हैं।' कोर्ट ने कहा कि उदाहरण के तौर पर निर्माण कार्य को ही ले लीजिए। देश में आवास की जरूरत है, इसलिए निर्माण तो रुकेगा नहीं। लेकिन अगर निर्माण प्रदूषण का बड़ा कारण है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए क्या किया जा रहा है?

कोर्ट का निर्देश: पहले वजहें, फिर समाधान

सुप्रीम कोर्ट ने साफकहा कि पहले प्रदूषण के ठोस कारण सामने लाए जाएं, फिर यह बताया जाए कि सरकार और विशेषज्ञ संस्थाएं उन्हें कैसे हल करेंगी। अगर किसी विशेषज्ञ रिपोर्ट में टोल प्लाजा या कोई और कारण सामने आता है, तो उस पर भी गंभीरता से काम करना होगा।

इंदौर: 17 मौतों पर हाईकोर्ट बोला-जवाब असंवेदनशील

शहर की छवि देशभर में धूमिल की

■ **इंदौर में भागीरथपुरा की घेराबंदी, कांग्रेसियों को रोकने वज्र तैनात**

इंदौर/नवप्रदेश। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल से हुई मौतों के मामले में मंगलवार (6 जनवरी) को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में चार से पांच याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हुई। इसमें दूषित पानी से जुड़ा मामला प्रमुख रूप से उठाया गया। कोर्ट ने कहा- इस घटना ने शहर की छवि को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है, लेकिन अब दूषित पेयजल की वजह से यह पूरे भारत में चर्चा का विषय बन गया है।

पूरे प्रदेश में स्वच्छ पानी जनता का मौलिक अधिकार: कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में स्वच्छ पानी जनता का मौलिक अधिकार है। इस अधिकार से किसी भी हाल में समझौता नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में जरूरत पड़ी तो दोषी अधिकारियों पर सिविल और क्रिमिनल लायबिलिटी तय की जाएगी। कोर्ट ने संकेत दिए कि यदि पीड़ितों को मुआवजा कम मिला है तो ■ शेष पृष्ठ 6 पर

याचिकाकर्ता बोले-सप्लाई हो रहा पानी दूषित

31 दिसंबर 2025 को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को यह निर्देश दिया था कि नागरिकों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस पर एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की गई है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी है कि प्रभावित क्षेत्र में अब भी जो पानी सप्लाई किया जा रहा है, वह दूषित है, न कि स्वच्छ और पीने योग्य।

मादुरो बोल-'मैं निर्दोष हूं और आज भी राष्ट्रपति हूं'

■ **अमेरिकी कोर्ट में मादुरो ने नार्को-टेररिज्म के आरोपों को नकारा**

वाशिंगटन/वार्ता। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिका की एक अदालत में खुद पर लगे नार्को-टेररिज्म और ड्रग तस्करी के गंभीर आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। न्यूयॉर्क में चल रही इस ऐतिहासिक कानूनी कार्यवाही के दौरान मादुरो ने न केवल अपनी बेगुनाही का दावा किया, बल्कि अपनी संवैधानिक स्थिति को दोहराते हुए कहा कि वे अभी भी वेनेजुएला के वैध राष्ट्रपति हैं। इस मामले ने न केवल कानूनी गलियारों में बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है, क्योंकि पहली बार किसी मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष पर इस तरह के आपराधिक मुकदमे का दबाव बनाया जा रहा है।

न्यूयॉर्क की अदालत में बहस: सुनवाई के दौरान अदालत का माहौल काफी गंभीर रहा। निकोलस मादुरो ने न्यायाधीश के सामने स्पष्ट ■ शेष पृष्ठ 6 पर

यूपी एसआईआर: 2.89 करोड़ नाम कटे, अब 12.55 करोड़ वोटर बचे

लखनऊ/ए.। यूपी में एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट जारी हो गई है। इसमें 2.89 करोड़ (18 फीसदी) नाम कट गए हैं। इनमें 46.23 लाख मृत, 2.17 करोड़ लोग शिफ्टेड और 25.47 लाख डुप्लीकेट वोटर शामिल हैं। पहले प्रदेश में 15.44 करोड़ वोटर थे, अब 12.55 करोड़ मतदाता बचे हैं। लखनऊ में सबसे ज्यादा 12 लाख, जबकि ललितपुर में सबसे कम 95 हजार लोगों के नाम कटे। वोटर चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। जिन लोगों के नाम नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक दावे-आपत्तियां कर सकते हैं। फॉर्म 6 या 7 भरकर नाम जुड़वा सकते हैं। दावे के लिए फॉर्म 6 और आपत्ति के लिए फॉर्म 7 भरे जाएंगे। इसकी फीस नहीं लगेगी। आयोग ने हेल्पलाइन नंबर- 1950 जारी किया है, जहां से सहायता ली जा सकती है।

प्रदेश में फिर शीतलहर, 5 डिग्री गिरा पारा

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में एक बार फिर कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। सरगुजा संभाग में ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है। बलरामपुर में कड़ाके की ठंड और शीतलहर के कारण कलेक्टर ने आज (6 जनवरी) सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। यह आदेश शासकीय, अशासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों पर भी लागू होगा। शिक्षक और अन्य सभी कर्मचारी अपने-अपने विद्यालयों में निर्धारित समय पर उपस्थित रहेंगे। कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र जिनकी प्रैक्टिकल परीक्षाएं चल रही हैं, उनके लिए अवकाश लागू नहीं होगा और वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मैनपाट का पारा 1 डिग्री

शीतलहर के प्रभाव से पठारी क्षेत्रों का बुरा हाल है तथा पठारी क्षेत्रों का पारा 1 डिग्री पहुंच गया है। सोमवार को मैनपाट स्थित आलू अनुसंधान केन्द्र में इस साल पहली बार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। पारा में तेज गिरावट होने के कारण घास के मैदानों में पाला की सफेद चादर बिछ गई थी। पठारी क्षेत्र सामरी पाट एवं लहसून पाट में भी पाला का व्यापक असर देखा गया।

गरमा-गरम

महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक *गृह विभाग के बजट निर्माण के लिए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों की बैठक*

बजट निर्माण में मितव्ययता और प्राथमिकताओं का संतुलन आवश्यक

■ **गृह विभाग का बजट राज्य की कानून-व्यवस्था, आपदा तैयारी और न्यायिक प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगा**

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तीसरे बजट की तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में गृह विभाग के बजट निर्माण को लेकर मंत्रालय में सोमवार को उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में गृह विभाग से संबद्ध पुलिस, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन, नगर सेना एवं एसडीआरएफ, जेल एवं सुधारात्मक सेवाएँ, लोक अभियोजन, राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, सैनिक कल्याण, संपदा संचालनालय, छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज, मेडिको-लीगल संस्थान तथा छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकार इकाइयों के विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। सभी विभागों से प्राप्त बजट अनुदान प्रस्तावों पर बिंदुवार और विस्तृत चर्चा की गई।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए कहा कि बजट निर्माण में मितव्ययता और प्राथमिकताओं का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि अनावश्यक व्ययों पर नियंत्रण रखते हुए कानून व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, पुलिस बल की क्षमता वृद्धि, आवास एवं आधारभूत संरचना, आपदा प्रबंधन, फॉरेंसिक सुविधाओं का आधुनिकीकरण, जेल सुधार तथा अभियोजन की प्रभावशीलता जैसे आवश्यक मदों के लिए पर्याप्त और समयोचित प्रावधान सुनिश्चित किए जाएँ।

8 को रायपुर आएंगे कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट

■ **मनरेगा आंदोलन की करेंगे समीक्षा, नवनियुक्त जिलाध्यक्षों से भी होगी मुलाकात**

रायपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट 8 जनवरी को एक दिन के दौरे पर रायपुर आने वाले हैं। पार्टी के मुताबिक, इस दौरान वे प्रदेशभर में मनरेगा को लेकर चल रहे आंदोलन की समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही हाल ही में नियुक्त किए गए जिलाध्यक्षों ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पिछला दौरे में एसआईआर

इससे पहले, कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट 26 नवंबर को दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ आए थे। उस दौरान उन्होंने प्रदेशभर में चल रहे SIR अभियान की समीक्षा की थी और संविधान बचाओ दिवस से जुड़े प्रमुख कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। पायलट 26 नवंबर को रायपुर पहुंचे थे और वहां से सीधे धमतरी के लिए रवाना हुए थे। धमतरी में उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अंबिकापुर समेत मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री से नीचे,बलरामपुर में स्कूलों की छुट्टी

शीतलहर की चपेट में सरगुजा संभाग, जमकर पड़ रहा पाला

सरगुजा/नवप्रदेश। सरगुजा संभाग में उत्तरी शीतलहर के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मंगलवार को अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान गिरकर 3.8 डिग्री दर्ज किया गया है। पाट इलाके में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री तक गिर गया है और जमकर पाले पड़े। मैदानी इलाकों में भी ओंस की बूंदें जमने लगी हैं। मौसम विभाग ने शीतलहर के लिए अलर्ट जारी किया है। संभाग में न्यूनतम तापमान और गिर सकता है।

पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होने के बाद सरगुजा में कड़ाके की ठंड की वापसी हो गई है। शीतलहर के तेजी से संभाग में प्रवेश करने के कारण उत्तर छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सोमवार के बाद मंगलवार को भी पाट क्षेत्रों में जमकर पाले पड़े हैं। मैनपाट, सामरीपाट और सोनहत में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री के बीच रहा है।

शीतलहरों से ठिठुराया, और गिरेगा तापमान

मौसम विभाग ने सरगुजा संभाग में शीतलहर के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञानी एएम भट्ट ने बताया कि, शीतलहर के कारण सरगुजा में कड़ाके की ठंड का असर जारी रहेगा। सोमवार को मौसम में नमी और देर तक कोहरे के कारण अधिकतम तापमान भी गिरकर 19.1 डिग्री पहुंच गया था। हालांकि मंगलवार को ज्यादा ठंड के कारण कोहरा नहीं पड़ा। एएम भट्ट ने बताया कि आगामी दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आ सकती है। आसमान साफहोने के बाद तेजी से शीतलहरें संभाग में प्रवेश कर रही हैं।

बलरामपुर में स्कूलों की छुट्टी, सरगुजा में भी मांग

सरगुजा संभाग में पड़ रही कड़ाके की ठंड के कारण सुबह बच्चों को ठिठुरते हुए स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। बलरामपुर जिले में कड़ाके की ठंड को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर डीईओ ने प्री-प्रायमरी, प्रायमरी, मिडिल स्कूल व हाईस्कूल के लिए मंगलवार को एक दिन की छुट्टी कर दी है।

सरगुजा में भी अभिभावक संघ ने ठंड को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी करने की मांग रखी है। अभिभावक संघ के नीलेश सिंह एवं धनंजय मिश्रा ने कहा कि, बच्चे ठंड में ठिठुरते हुए स्कूल पहुंच रहे हैं। इससे उनकी सेहत बिगड़ रही है। ग्रामीण इलाकों में बच्चों के पास पर्याप्त गर्म कपड़े भी नहीं होते, इस कारण ठंड को देखते हुए स्कूलों को बंद किया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की चेतावनी

सरगुजा में कड़ाके की ठंड को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी जारी कर लोगों से ठंड से बचने की अपील की है। सीएमएचओ ने जारी चेतावनी में लोगों को सुबह एवं शाम पर्याप्त गर्म कपड़े पहनने, अलाव से ठंड दूर करने एवं जब तक जरूरी न हो, बाहर न निकलने की सलाह दी है।

न्यूज गैलरी

बदलेगी पहचान: नक्सली भय से भंवरडीह नदी के किनारे पर कोई नहीं जाता था, अब बनेगा टूरिज्म सेंटर

कोंडागांव/नवप्रदेश। परोदा और मर्दापाल के जंगलों के बीच भंवरडीह नदी किनारे का यह मनमोहक दृश्य पर्यटकों को अब लुभाने लगा है। नक्सली दहशत के कारण कई दशकों तक यहां कोई नहीं पहुंच पाया था। अब क्षेत्र में शांति कायम होते ही यह उभरकर सामने आया है। पर्यटन विभाग अब इस स्थान को ईको टूरिज्म के रूम में विकसित करने की योजना बना रहे हैं।

अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग नहीं लगा पा रहा रोक, 24 घंटे निकाल रहे डंकिनी से रेत

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। जिले में रेत के अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग रोक नहीं लगा पा रहा है। 24 घंटे डंकिनी नदी से रेत का अवैध उत्खनन नियमों को दरकिनार कर किया जा रहा है। दिन में छोटे जेसीबी और रात को चैन माउंटेन से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। रविवार और सरकारी छुट्टियों के दिन खुलेआम अवैध रेत खनन कर बिना पिटपास के ट्रांसपोर्टिंग भी की जाती है। खनिज विभाग के अधिकारी खानापूर्ति के लिए महीने में एकाध बार कार्रवाई करते हैं, जबकि डंकिनी नदी में बालूद से लेकर पोंदुम तक अवैध रेत का कारोबार चल रहा है, हजारों की रोज रायल्टी चोरी का खेल दंतेवाड़ा में चल रहा है जिसको लेकर विभाग गंभीर नहीं है।

सुकमा में सीएससी केंद्रों पर गिरी गाज नियमों की अनदेखी पर 73 सीएससी आईडी तत्काल प्रभाव से निरस्त

सुकमा/नवप्रदेश। कॉमन सर्विस सेंटर दिल्ली मुख्य कार्यालय ने जिले में मानक विहीन और नियमों के विरुद्ध चल रहे केंद्रों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए सुकमा जिले के 73 सीएससी आईडी को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। इस कार्रवाई से जिले के सीएससी संचालकों में हड़कंप मच गया है।

जांच में खुली पोल: न ब्रांडिंग, न रेट चार्ट

सीएससी के जिला प्रबंधक शेख शाहरुख ने बताया कि, जिले में लंबे समय से केंद्रों की कार्यप्रणाली की निगरानी की जा रही थी। जांच के दौरान पाया गया कि कई केंद्र निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर रहे थे। प्रमुख अनियमितताओं में बिना किसी स्थायी कार्यालय/केंद्र के संचालन, अनिवार्य 'कॉमन ब्रांडिंग' और बैनर का अभाव, केंद्रों पर रेट चार्ट का प्रदर्शित न होना, सीएससी आईडी के बजाय अन्य माध्यमों से लेनदेन शामिल हैं।

संचालन के लिए अब ये नियम होंगे अनिवार्य

जिला प्रशासन और सीएससी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि, भविष्य में केवल वही केंद्र चलेंगे जो इन शर्तों को पूरा करेंगे। केंद्र का एक निश्चित और स्थायी स्थान होना अनिवार्य है। मानक ब्रांडिंग-बैनर केवल लटकाना या चिपकाना पर्याप्त नहीं होगा, उसे फ्रेम कराकर सही तरीके से लगाना होगा। इसमें स्टेट लोगो और सीएससी आईडी स्पष्ट होनी चाहिए। पारदर्शिता-केंद्र पर सरकार द्वारा निर्धारित रेट चार्ट प्रमुखता से लगा होना चाहिए। सुरक्षा मानक-सभी वीएलई के लिए पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया गया है।

बंद आईडी कैसे होंगी शुरू?

जिन संचालकों की आईडी बंद की गई है, उन्हें निर्देशित किया गया है कि वे उपर्युक्त सभी मानकों को पूरा करें और साक्ष्यों के साथ तुरंत जिला प्रबंधक से संपर्क करें। सभी मानकों के भौतिक सत्यापन और पूर्ण अनुपालन के बाद ही आईडी को पुनः सक्रिय करने पर विचार किया जाएगा।

पूर्व सीएम भूपेश पहुंचे जेल: पूर्व आबकारी मंत्री लखमा से की मुलाकात बोले-बीजेपी के लोग सच कह रहे, निर्दोष को एक साल से रखा है बंद

- **मैं बेटे को छुड़ा सकता तो जेल जाने ही क्यों देता**

रायपुर/नवप्रदेश। शराब घोटाले मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से मिलने के लिए पूर्व सीएम भूपेश बघेल रायपुर सेन्ट्रल जेल पहुंचे। जहां उन्होंने पिछले एक साल से जेल में बंद कवासी लखमा से मुलाकात की। शराब घोटाले में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था। जिसके बाद से वे जेल में बंद हैं।

मुलाकात के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि, भाजपा के मंत्री नेता आज गलती से सच बोल रहे हैं। निर्दोष लखमा को 1 साल ईडी ईओडब्ल्यू ने जेल में बंद किया हुआ है। भाजपा के नेता भी इस बात को मान रहे है। सवाल यह है तो कार्रवाई क्यों? एफआईआर क्यों? कुछ बोलते हैं कि बेटे को छुड़ा लिया। अगर मेरा चलता तो वह जेल क्यों जाता? ईडी ने कवासी लखमा रिप्लाई फाइल ही नहीं किया है। बीजेपी के लोग घड़ियाली आंसू बहाना बंद करें।

16 जनवरी को हुई थी लखमा की गिरफ्तारी: आपको बता दें कि, 16 जनवरी को शराब घोटाला केस में ईडी ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को गिरफ्तार किया था। वे ईडी दफ्तर पूछताछ के लिए पहुंचे थे। कोर्ट ने उन्हें 7 दिन के लिए ईडी की रिमांड में भेज दिया था। वहीं ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने दावा किया है कि, कवासी लखमा को हर महीने दो करोड़ रुपये कमीशन के तौर पर दिए जाते थे।

भाजपा ने उठाए सवाल

उल्लेखनीय है कि, पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल बीते दिन रिहा हो गए हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सत्यमेव जयते के पोस्टर लगाए थे। जिसके बाद बीजेपी ने प्रश्न पूछा था कि, शराब घोटाले जैसे गंभीर मामले में भूपेश के बेटे को जमानत मिल जाती है, लेकिन उसी केस में पूर्व मंत्री कवासी लखमा अभी भी जेल में हैं। भूपेश ने लखमा की पूछपरख नहीं की। कांग्रेस सरकार के दौरान चुनिंदा नेताओं को राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया। लखमा को जानबूझकर निशाना बनाया गया। उनके अनपढ़ होने का फायदा उठाकर उनके खिलाफसाजिश रची गई। अगर जांच निष्पक्ष है तो फिर बेटे को राहत और आदिवासी नेता अभी तक सलाखों के पीछे क्यों हैं?

4 लाख रूपये की चोरी का खुलासा, 3 गिरफ्तार

डोंगरगांव/नवप्रदेश। नगर सहित क्षेत्र में होने वाली चोरियों को लेकर डोंगरगाँव पुलिस इस बार गंभीर नजर आयी और मटिया वार्ड में हुए सेंधमारी कर चोरी का खुलासा महज 24 घंटे में कर दिया। शहर के अंदर दिनदहाड़े चोरी मामले में पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, अति। पुलिस अधीक्षक मुकेश ठाकुर व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगांव दिलीप सिसोदिया के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी डोंगरगांव निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर की टीम ने अपराध विवेचना किया गया और चोरों पूरे माल के साथ पकडकर क्षेत्र में एक अच्छा संदेश दिया।

चोरों का एक ग्रुप बनाकर सूने मकान को टारगेट कर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। डोंगरगांव के मटिया वार्ड में हुए चोरी के मामले में भी यह ग्रुप शामिल था, जिसका खुलासा डोंगरगांव पुलिस ने चंद घंटों में कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार एक 15 वर्षीय नाबालिक युवक और उसके साथी पूर्णानंद सोनकर पिता स्व0 बबला सोनकर 32 वर्ष, निवासी बोधीटोला वार्ड नं। 11 डोंगरगांव और रेशम मरकाम पति जगेशर मरकाम 35 वर्ष, निवासी वार्ड नं। 12 बोधीटोला डोंगरगांव लगातार सूने मकान की तलाश में थे।

वहीं मटिया स्थिति बीपीएस पैरेन्ट्स प्राईड स्कूल के समीप एक सूना मकान जहाँ ताला लगा हुआ था में सेंधमारी करते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया। इस मामले में धारा 305 (ए), 331 (1) बीएनएस में अपराध पंजीबद्ध होने के बाद डोंगरगाँव पुलिस की टीम तुरन्त हरकत में आयी और रात्रि में ही आरोपियों की पतासाजी करने में लग गई। इसके लिए बकायदा अजय वर्मा डॉग स्क्वाड प्रभारी मय स्क्वाड बुलवाया गया तथा आस-पास लगे सी। सी।टी।व्ही। कैमरों के फुटेजों का अवलोकन किया गया। वहीं दूसरे दिन मुखबीर की सूचना पर जानकारी मिली कि दो व्यक्ति राजीव गांधी चौक के पास सोने का सामन बेचने के फिराक में घूम रहे थे।

महाराष्ट्र से छत्तीसगढ़ लाया जा रहा 250 क्विंटल धान जब्त

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिलेभर में धान के अवैध परिवहन और महाराष्ट्र सहित अन्य प्रदेशों से आ रही धान पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसी के तहत आज महाराष्ट्र से जिले में लाई जा रही 250 क्विंटल अवैध धान को जब्त कर लिया गया है। अधिकारियों की माने तो धान की जब्ती तुमड़ीबोड डोंगरगांव में की गई है। ज्ञात हो कि कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान के परिवहन की रोकथाम के लिए सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत राजस्व विभाग की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। महाराष्ट्र से जिले में लाई जा रही है 250 क्विंटल अवैध धान परिवहन करते वाहन को जब्त किया गया है। इसके पहले भी 1 जनवरी की रात्रि महाराष्ट्र सीमा से लगे क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान दो ट्रकों को अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए पकड़ा गया था।

रेप कर 11 साल की लड़की को कुल्हाड़ी से काटा

- **खेत में फटे कपड़ों संग मिली लाश, सल्फी लेने आने वाले युवक ने की हत्या**

जगदलपुर/ नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 11 साल की नाबालिग से रेप-मर्डर का मामला सामने आया है। 31 दिसंबर की शाम आरोपी युवक नाबालिग को अपने साथ खेत ले गया, वहां उसने दुष्कर्म किया फिर लड़की किसी को बता ना दें इस डर से खेत में रखे कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर दिया। मामला जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र का है। आरोपी संजू कुमेटी (22 साल) ने हत्या के बाद शव को गांव के ही खेत में फेंक दिया था। 4 दिन बाद गांव वालों ने लाश देखी। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

31 दिसंबर से नाबालिग घर से लापता थी

जानकारी के मुताबिक, नाबालिग नारायणपुर जिले के एक गांव की रहने वाली थी। लड़की के घर वाले सल्फी बेचते थे, आरोपी संजू कुमेटी अक्सर घर में सल्फी लेने आया करता था। इस दौरान ही लड़की से उसकी पहचान हुई थी। 31 दिसंबर से नाबालिग घर से लापता थी। परिवार के सदस्य उसे यहां-वहां ढूंढते रहे। उसका पता नहीं चला। फिर 4 जनवरी को गांव के ही एक खेत में नाबालिग की लाश मिली।

आरंग क्षेत्र का जागृति पंथी दल गणतंत्र दिवस समारोह में देगा प्रस्तुति

प्रदेश के पंथी नृत्य को मिलेगी राष्ट्रीय पहचान

आरंग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर एक बार फिर गौरव मिलने जा रहा है। आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बहनाकाड़ी की टीम राष्ट्रीय पंथी नर्तक वेद प्रकाश माहेश्वरी और उनकी टीम को भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण मिला है। यह छत्तीसगढ़ की पंथी नृत्य कला के लिए बड़ा सम्मान है, जो गुरु घासीदास जी की शिक्षाओं से प्रेरित है।

पंथी नर्तक वेद प्रकाश माहेश्वरी ने इस आमंत्रण पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर हमारी टीम की प्रस्तुति देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने होगी। इस भव्य आयोजन में यूरोपीय संघ की प्रमुख नेता यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति प्रस्तुत करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।

इन लोगों ने टीम को दी बधाई

इस खुशी के अवसर पर ग्राम बहनाकाड़ी के जागृति पंथी दल 1996 स्वर्ण पदक विजेता के डॉ. सी.एल. रात्रे, हिरेंद्र माहेश्वरी, अशोक देवहरे, मोती, ग्रीत लहरे, बसंत देवहरे और गुरु घासीदास सम्मान प्राप्त उत्तम देवहरे, ग्राम बहनाकाड़ी के सरपंच अशोक बंजारे, युवा नेता राजेंद्र माहेश्वरी, प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश अध्यक्ष एल.एल. कोशले, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रदीप सारंगी, बबलू त्रिवेंद्र आदि ने टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। यह आमंत्रण छत्तीसगढ़ की लोक कला पंथी नृत्य को राष्ट्रीय पटल पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला है। राज्यवासियों ने भी टीम की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है।

सभी सदस्यों ने केन्द्र का जताया आभार

टीम 7 जनवरी को रायपुर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली के लिए रवाना होगी। इस आमंत्रण के लिए माहेश्वरी ने दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक एवं अधिकारियों का हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। टीम के सदस्यों में शामिल है अध्यक्ष वेद प्रकाश माहेश्वरी के साथ सुरेंद्र, गिरधारी, संजय, हेमंत, चंद्रशेखर, योगेश, सूरज, तुषार, रामकुमार, धर्मेंद्र, हितेश, मनमोहन, राहुल, संजय, भुनेश्वर, मोना, अमन, समीर, गोकुल, संतोष, डायमंड लहरिया आदि। इन सभी सदस्यों ने भी केंद्र के अधिकारियों का आभार जताया है।

पंथी नृत्य के माध्यम से देश की विभिन्न परिस्थितियों को दर्शाएगी

उन्होंने आगे बताया कि, उनकी 35 सदस्यीय टीम पंथी नृत्य एवं गीत के माध्यम से देश की विभिन्न परिस्थितियों को दर्शाएगी। वीर जवानों का जोश बढ़ाएगी और सरकार की योजनाओं को प्रोत्साहित करेगी। साथ ही बाबा गुरु घासीदास जी के बताए मार्गों और छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का प्रयास किया जाएगा। टीम देशभर के लगभग 5000 कलाकारों के साथ 22 दिनों तक परेड ग्राउंड में रिहर्सल कर अपनी प्रस्तुति देगी।

पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म, न्यूनतम तापमान में गिरावट

शीतलहर चलने की संभावना, मौसम वैज्ञानिकों ने घने कोहरे का जारी किया अलर्ट

बिलासपुर/नवप्रदेश। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ की ठंड शीतलहर के रूप में वापसी होगी। अगले तीन दिन के लिए मौसम विभाग ने कई इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। ठंड का प्रकोप राज्य के उत्तरी के साथ मध्य हिस्से में होगा। इस दौरान कुछ इलाकों में गहरा धुंध और कोहरा छाने की उम्मीद भी है। पिछले तीन दिन से राज्य में आने वाली नमी युक्त हवाओं के प्रभाव स न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो गई थी। विक्षोभ आगे बढ़ चुका है जिसकी वजह से रात के तापमान में गिरावट होने और ठंड का दौर शुरू होने की उम्मीद है।

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक अगले तीन-चार दिनों तक राज्य में ठंड का जोरदार असर रहेगा। इस दौरान राज्य के उत्तरी और मध्य हिस्से में शीतलहर की संभावना है। विभाग की ओर से मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर जिलों के कई पैकेट में अगले तीन दिन तक शीतलहर जैसी स्थिति रह सकती है। हवा में नमी कम होने की वजह से पिछले चौबीस घंटे में ज्यादातर शहरों का न्यूनतम तापमान अपनी सामान्य स्थिति में आ गया है. वहीं पेंड्रा और अंबिकापुर में जोरदार ठंड का दौर प्रारंभ हो चुका है. पिछले चौबीस घंटे में अंबिकापुर का न्यूनतम पारा 4 डिग्री सेल्सियस और रायपुर का 14.3 हो चुका है। राजधानी रायपुर में आज धुंध छाए रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान तापमान 13 से 27 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। उत्तर से आ रही हवा से सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सरगुजा जिले में आज सुबह घना कोहरा छाया रहा, कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर से कम थी। हालात ऐसे रहे कि वाहन चालकों को दिन में भी लाइट ऑन कर वाहन चलाने पड़े। यहां रात का पारा 4.8 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अगले तीन दिनों के भीतर न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। इससे रात और सुबह के समय ठंड का असर बढ़ेगा। वहीं सरगुजा और बिलासपुर संभाग के एक-दो जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा। इसे देखते हुए सुबह और रात के समय सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। हालांकि इसके अलावा अगले 24 घंटे में मौसम कोई विशेष बदलाव होने की संभावना मौसम विभाग ने नहीं जताई है। वहीं पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में रिकॉर्ड किया गया। पेंड्रा-अमरकंटक क्षेत्र शीतलहर की चपेट में है।

सरगुजा संभाग में पड़ रही कड़ाके की ठंड

दो दिन की राहत के बाद छत्तीसगढ़ में फिर कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। सरगुजा संभाग में ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है। बलरामपुर में कड़ाके की ठंड और शीतलहर के कारण कलेक्टर ने 6 जनवरी को सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। यह आदेश शासकीय, अशासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों पर भी लागू होगा। शिक्षक और अन्य सभी कर्मचारी अपने-अपने विद्यालयों में निर्धारित समय पर उपस्थित रहेंगे। कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र जिनकी प्रैक्टिकल परीक्षाएं चल रही हैं, उनके लिए अवकाश लागू नहीं होगा और वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा में शामिल होंगे। अंबिकापुर में रात का तापमान 4.8 डिग्री पहुंच गया, जबकि पेंड्रा में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सुबह और शाम के समय लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में शीतलहर चल सकती है। उत्तरी हिस्सों में एक-दो जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

न्यूज गैलरी

11 हजार मतदाताओं को नोटिस 48 हजार नाम हटाए गए

तखतपुर/नवप्रदेश। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र तखतपुर में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से कटने का मामला सामने आया है। निर्वाचन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार तखतपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 65 हजार मतदाताओं को प्रपत्र वितरित किए गए थे, जिनमें से 48 हजार प्रपत्र मतदाताओं द्वारा निर्धारित समय-सीमा में जमा नहीं किए गए। इसके परिणामस्वरूप इन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित कर दिए गए हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि इस पुनरीक्षण प्रक्रिया में सी श्रेणी के लगभग 11 हजार ऐसे मतदाता चिन्हित किए गए हैं, जिनके माता-पिता का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैप नहीं हो पाया है। नियमों के अनुसार ऐसे मामलों में मतदाता की पहचान एवं पात्रता की पुष्टि आवश्यक होती है। इसी क्रम में इन सभी मतदाताओं को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण के लिए तलब किया गया है। निर्वाचन विभाग के अनुसार 5 जनवरी से 31 जनवरी तक संबंधित मतदाताओं की सुनवाई की जाएगी। इस दौरान मतदाताओं को अपने पहचान संबंधी दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता से संबंधित प्रमाण तथा अन्य आवश्यक कागजात प्रस्तुत करने होंगे।

एसईसीएल ने 11.87 करोड़ की समझौते पर किया हस्ताक्षर

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को मिले 3.49 करोड़ स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगी मजबूती

बिलासपुर/नवप्रदेश। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं, प्रारंभिक बाल विकास तथा परियोजना-प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्धता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लगभग 11.87 करोड़ की कुल लागत वाले विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर आज एसईसीएल मुख्यालय में निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास के मार्गदर्शन में किए गए। स्वास्थ्य अवसंरचना सुदृढ़ीकरण स्वास्थ्य क्षेत्र में सीएसआर हस्तक्षेप के तहत, एसईसीएल द्वारा अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर आधारित एयर स्टेरिलाइजेशन तकनीक के माध्यम से प्रमुख शासकीय अस्पतालों में संक्रमण नियंत्रण, इनडोर एयर क्वालिटी एवं रोगी सुरक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, कोरबा में 2.81 करोड़ की लागत से 62 सेमीकंडक्टर एयर स्टेरिलाइजर यूनिट्स स्थापित की जाएंगी। ये यूनिट्स ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, एमआईसीयू, SONGTERN

CO परियोजना-प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल सामुदायिक कल्याण की दिशा में, एसईसीएल ने सीपेट, रायपुर के साथ गेवरा क्षेत्र के परियोजना-प्रभावित गांवों में 30 लीटर क्षमता के 3,989 घरेलू वाटर फिल्टर सेट एवं वाटर ट्रीटमेंट किट के वितरण हेतु 84.73 लाख की लागत से एमओयू किया है। सभी समझौते एसईसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर) सी. एम. वर्मा द्वारा निष्पादित किए गए। इस अवसर पर सीएसआर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एनआईसीयू, पीआईसीयू संवेदनशील क्षेत्रों में लगेगी

एनआईसीयू, पीआईसीयू, लेबर रूम, टीबी वार्ड, बर्न वार्ड सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में लगाई जाएंगी, जिससे स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण एवं चिकित्सा कर्मियों की कार्यस्थल सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसी क्रम में स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर में 3.49 करोड़ की लागत से 77 सेमीकंडक्टर एयर स्टेरिलाइजर यूनिट्स स्थापित की जाएंगी। जिससे ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, एमआईसीयू, डायलिसिस यूनिट्स सहित अन्य उपचार कक्षों में रोगी सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों को और सुदृढ़ किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली ममता की जिंदगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। मंगला धूरीपारा की रहने वाली ममता कौशिक का जीवन कभी कठिनाइयों से भरा था। सीमित आय में घर चलाना और ऊपर से कच्चे मकान की परेशानियाँ, बरसात में टपकती छत, गर्मी में तपता कमरा और हर मौसम में असुरक्षा का एहसास। परिवार की आय इतनी नहीं थी कि वे पक्का मकान बनवा सकें। पक्का घर उनके लिए सिर्फ एक सपना था। यह सपना तब हकीकत में बदला जब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का लाभ मिला। योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता से उनका वर्षों पुराना सपना साकार हुआ। आज ममता कौशिक अपने पक्के घर में सुरक्षित, सम्मानजनक और सुकूनभरा जीवन जी रही हैं। जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री का आभार जताया है। ममता बताती हैं, 'पहले हर बरसात अपने साथ डर लेकर आती थी, कच्चे घर की मुश्किलें

बारिश में और बढ़ जाती थी। पक्का घर बनने के बाद अब अपने घर की मजबूत छत के नीचे बच्चों और परिवार के साथ चैन की नींद सो पाती हूँ। यह सिर्फ घर नहीं, बल्कि मेरे जीवन की नई शुरुआत है।' वे मानती हैं कि अगर यह योजना न होती तो पक्का घर बनवाना उनके परिवार के लिए असंभव ही रहता, और वे रोजाना कच्चे घर की मुश्किलों से जूझते रहते। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल गरीब परिवारों को सम्मान की छत के साथ आत्मसम्मान और स्थिरता भी दे रही है।

आईटीआई में न्यू ईयर पार्टी: क्लास बंद शिक्षक-कर्मचारियों का कैंपस में जश्न

■ एनएसयूआई और आईटीआई छात्रों ने प्राचार्य से की कार्रवाई की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। एनएसयूआई और आईटीआई कोनी के छात्रों ने आईटीआई परिसर में नए साल के जश्न के नाम पर हुए कार्यक्रम पर गंभीर आपत्ति जताते हुए प्राचार्य को लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायत में कहा गया है कि 2 जनवरी को कक्षाएं अचानक बंद कर छात्रों को छुट्टी दे दी गई, जबकि उसी दौरान शिक्षकों और कर्मचारियों ने परिसर के भीतर ही न्यू ईयर पार्टी का आयोजन किया। शिकायत में उल्लेख है कि पार्टी के दौरान तेज़ आवाज़ में गाने बजाए गए और डांस किया गया, जिससे हॉस्टल और कक्षाओं में पढ़ाई कर रहे छात्रों की तैयारी पर सीधा असर पड़ा। कई छात्रों का कहना है कि सिलेबस पहले ही अधूरा है, ऐसे में शिक्षकों द्वारा पढ़ाई छोड़कर पार्टी करना शिक्षा के साथ खिलवाड़ है। छात्रों ने आरोप लगाया है कि विरोध करने पर नंबर और हाजिरी का दबाव बना रहता है, इसलिए अधिकांश छात्र खुलकर बोलने से डरते हैं। अभिभावकों ने भी इस पूरे मामले को अनुशासनहीनता बताते हुए कहा है कि जहां संस्थान में बच्चों को अनुशासन सिखाया जाना चाहिए, वहीं शिक्षक खुद नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

आंदोलन की चेतावनी

एनएसयूआई ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार शिक्षकों/कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाए। भविष्य में इस तरह के गैर-शैक्षणिक कार्यक्रमों पर सख्त रोक लगाई जाए। छात्रों की पढ़ाई और परीक्षाओं को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि पर तत्काल नियंत्रण किया जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो छात्र संगठन चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

हिंदू सम्मेलन आज

बिलासपुर/नवप्रदेश। शताब्दी वर्ष का उत्साहराष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देवरी में कल 7 जनवरी को सकल हिंदू सम्मेलन आयोजित होगा। नगर में तैयारियां जोरों पर हैं और उत्साह चरम पर है। सम्मेलन में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हर वार्ड में रोज शाम-रात को मंदिरों, सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक जगहों पर भारत माता की आरती हो रही है। आरती के दौरान देशभक्ति भजन गूंज रहे हैं, माहौल भक्तिमय हो गया है। महिलाएं, युवा, बुजर्ग सहित सभी वर्ग सक्रिय भाग ले रहे हैं।

---

24 खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, 15 पदक जीते

बिलासपुर/नवप्रदेश। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं झारखण्ड ताइक्वांडो संघ के सयुंक्त तत्वावधान मे बोकारो में 26 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक आयोजित प्रथम दिशोंम गुरु शिबू सोरेन मेमोरियल ट्राफी राष्ट्रीय महिला ताइक्वांडो प्रतियोगिता बोकारो झारखण्ड में छत्तीसगढ़ राज्य की 24 महिला खिलाड़ियों ने सहभागिता कर राज्य का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की महिला खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 15 पदक हासिल किए, जो राज्य के

लिए गर्व की बात है।उपरोक्त जानकारी देते हुये छत्तीसगढ़ राज्य ताइक्वांडो संघ के महासचिव रामपुरी गोस्वामी ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन और खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इन पदकों में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक शामिल हैं।ये सभी खिलाडी बिलासपुर जिले से है और पुलिस स्टेडियम ताइक्वांडो क्लब एवं गजानन ताइक्वांडो क्लब के खिलाडी है। निम्नांकित खिलाड़ियों ने जो पदक प्राप्त किये है उसका नाम इस प्रकार है- प्रिंसी सिंह - स्वर्ण पदक, अल्बिना शकील - स्वर्ण पदक, नेहल सकट - स्वर्ण पदक, कशफ़ शकील - स्वर्ण पदक, अव्या द्विवेदी - रजत पदक, वान्या श्रीवास - रजत पदक, शुभ्रा कश्यप - रजत पदक, प्रकृति जांगड़े - रजत पदक, अनुष्का चौकसे - रजत पदक, रिया पांडे - रजत पदक, अमायरा राठौड़ - कांस्य पदक, श्रेया मिश्रा - कांस्य पदक दमिक्षी दीप - कांस्य पदक, दीया गोस्वामी - कांस्य पदक।

डीसीटीआई की सजगता से ट्रेन में दो बच्चों का रेस्क्यू

नागपुर मंडल की सराहनीय प्रयास

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के अंतर्गत ट्रेन संख्या 12101 में ड्यूटी के दौरान उप मुख्य टिकट निरीक्षक मृणाल चाफले ने दिनेश आर. पांडेय के साथ मिलकर कोच एस/1 में दो बच्चों को संदिग्ध अवस्था में पाया। बच्चों की स्थिति को देखते हुए तत्काल सतर्कता बरती गई तथा कोच में उपस्थित यात्रियों से पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान यह तथ्य सामने आया कि दोनों बच्चे कल्याण (महाराष्ट्र) के निवासी हैं तथा वे बाल तस्करी के एक प्रयास से बचकर निकले थे। बच्चे अत्यंत भयभीत अवस्था में थे और उनके साथ कोई वैध अभिभावक उपस्थित नहीं था। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए रेलवे स्टाफ द्वारा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई, उन्हें सांत्वना दी गई तथा आवश्यक सहायता प्रदान की गई। घटना की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दी गई। इसके पश्चात दोनों बच्चों को सुरक्षित रूप से शासकीय रेल पुलिस, गोंदिया को सौंप दिया गया, ताकि आगे की पूछताछ, आवश्यक कानूनी कार्रवाई एवं बच्चों के पुनर्वास की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। नागपुर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता ने इस सतर्क एवं मानवीय कार्रवाई के लिए संबंधित कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों की सजगता एवं संवेदनशीलता के कारण एक गंभीर घटना को समय रहते टाला जा सका।

उपलब्धि

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल को ऊर्जा संरक्षण व ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में उत्कृष्ट, नवाचारी व सतत प्रयासों के लिए मिला सम्मान

मोतीबाग विद्युत आपूर्ति कार्यालय को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2025 से किया सम्मानित

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (आपूर्ति), मोतीबाग के कार्यालय को ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में उत्कृष्ट, नवाचारी एवं सतत प्रयासों के लिए वर्ष 2025 का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (NEC-2025) प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि नागपुर मंडल के लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन कार्यरत ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (BEE) द्वारा प्रदान किया गया है।

यह पुरस्कार उन संस्थानों को दिया जाता है, जिन्होंने ऊर्जा संरक्षण, विद्युत खपत में कमी, दक्ष ऊर्जा प्रबंधन तथा पर्यावरण-

अनुकूल उपायों को प्रभावी रूप से अपनाकर उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हों। नागपुर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में मोतीबाग विद्युत आपूर्ति कार्यालय द्वारा ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग, विद्युत खपत का सतत निगरानी तंत्र, अनावश्यक ऊर्जा अपव्यय को रोकने हेतु प्रभावी उपाय तथा ऊर्जा संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया गया। इन समन्वित प्रयासों के फलस्वरूप उल्लेखनीय ऊर्जा बचत सुनिश्चित की गई, जिसने इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उपलब्धि नागपुर मंडल की ऊर्जा-संवेदनशील एवं ऊर्जादक्ष कार्य प्रणालियों को अपनाने की प्रतिबद्धता, सतत विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों तथा राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण लक्ष्यों में सक्रिय योगदान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2025 की यह उपलब्धि न केवल मोतीबाग विद्युत आपूर्ति कार्यालय बल्कि संपूर्ण नागपुर मंडल के लिए प्रेरणा स्रोत है और भारतीय रेल में ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को नई दिशा एवं प्रोत्साहन प्रदान करती है।

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम करने बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण शिविर

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम एवं स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के प्रथम चरण में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कर्मचारियों के परिवारों के 9 से 16 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। यह टीकाकरण सुविधा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर स्थित केंद्रीय चिकित्सालय में स्त्रीरोग ओपीडी, कक्ष क्रमांक 19 में प्रदान की जा रही है। यह शिविर प्रत्येक शनिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसका समय प्रातः 10 बजे से दोपहर 01 बजे तक निर्धारित है। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु समय पर टीकाकरण प्रदान करना एवं जन-जागरूकता बढ़ाना है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए रेलवे का वैध उमीद कार्ड एवं पंजीकृत मोबाइल नंबर अनिवार्य है। रेलवे प्रशासन द्वारा सभी रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों से अपील की जा रही है कि वे इस जनहितकारी पहल का अधिकतम लाभ उठाएँ।

सुविचार

जब भी तुम्हारा हौसला आसमान तक जाएगा सावधान हो जाना कोई न कोई तुम्हारे पंख काटने जरूर आएगा।

अब डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर ईरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला का किला फतह करने के बाद अब ईरान पर निशाना साधने की तैयारी शुरू कर दी है। जहां के सुप्रीम लीडर खामेनेई के खिलाफवहां की आवाम सड़कों पर उतर आई है। छात्र, व्यापारी और महिलाएं पिछले दस दिनों से ईरान के सत्तर शहरों में खामेनेई के विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कहीं कहीं यह प्रदर्शन उग्र हो रुप धारण कर रहा है। प्रदशनकारी खामेनेई के खिलाफ और शाह के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। इस प्रदर्शन को रोकने खामेनेई सरकार बल प्रयोग कर रही है। जिससे स्थिति विस्फोटक होती जा रही है। कभी तक झड़प में पच्चीस प्रदर्शनकारियों की मौत हो चुकी है फिर भी विरोध प्रदर्शन बदस्तूर जारी है। यह अमेरिका के लिए ईरान पर हमला करने का अनुकूल समय है जिसे डोनाल्ड ट्रंप नहीं चूकने वाले हैं। यही वजह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि यदि ईरान के लोगों के प्रदर्शन को कुचलने के लिए ईरान सरकार उनकी हत्या करना जारी रखेगी तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा और ईरान को सबक सिखाएगा। डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद जाहिर है कि ईरान में प्रदर्शन और तेज होगा। डोनाल्ड ट्रंप की देखा देखी इजराइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू ने भी बयान दिया है कि इजराइल ईरान के प्रदर्शनकारियों के साथ है। इसका मतलब साफहै कि अमेरिका और इजराइल दोनों ईरान में खामेनेई सरकार का तख्ता पलट करने की योजना बना चुके हैं। किंतु ऐसा करना इतना आसान भी नहीं है। ईरान कोई वेनेजुएला नहीं है जहां डोनाल्ड ट्रंप के लिए वहां के राष्ट्रपति को बंधक बनाना चुटकी बजाने जैसा आसान काम साबित हुआ था। ईरान में खामेनेई के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अमेरिका और इजराइल को मैदानी जंग लड़नी होगी जो कठिन काम है। इसके लिए अगर पाकिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है तो बात अलग है। बहरहाल डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफकार्रवाई करने का मन बना चुके हैं जो लंबे समय से उनकी आंखों के लिए किरकिरी बना हुआ है। वैसे वेनेजुएला के बाद अमेरिका के निशाने पर कंबोडिया, क्यूबा और ग्रीनलैंड भी हैं किंतु डोनाल्ड ट्रंप पहले ईरान को ही निशाने पर लेंगे इसकी संभावना ज्यादा है। पिछले साल जब इजराइल और ईरान के बीच जंग छिड़ी थी तब अमेरिका भी इस जंग में कूदा था लेकिन खामेनेई ने हथियार नहीं डाले थे। बाद में अमेरिका की पहल पर ही ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष विराम हुआ था। अब यह सीज फायर कभी भी टूट सकता है और जंग छिड़ सकती है। जो विश्व युद्ध के रुप में तब्दील हो जाए तो कोई ताज्जुब नहीं होगा।

रोजगार गारंटी में सुधार : भावनाओं के बजाय तथ्यों पर आधारित हो बहस

शैलेश कुमार सिंह

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रशासनिक खर्च को 6त्न से बढ़ाकर 9त्न कर दिया गया है जिससे राज्य अपनी जमीनी क्षमता को कार्यक्रम की विशालता के अनुरूप मजबूत बना सकें। किसी राज्य विशेष की अपनी चुनौतियाँ उस राष्ट्रीय सुधार को गलत साबित नहीं करतीं, इसका उद्देश्य पूरी व्यवस्था की कमजोरियों को ठीक करना है। आलोचक यह भी कहते हैं कि पहले के फ्रेमवर्क के तहत कई ज़रूरतमंद राज्यों में रोज़गार के सबसे कम दिन मिले, और बहुत कम परिवार ही कानूनी सीमा तक पहुँच पाए। यह बात सुधार के तर्क को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे और भी मजबूत बनाती है। नया फ्रेमवर्क, दर्ज की गई मांग को मंजूर किए गए कामों, तय समय सीमा में पूरा करने और बेरोजगारी भत्ते को सुनिश्चित करेगा। इसका मकसद सीधा है: कानूनी हक को असल और भरोसेमंद रोज़गार के दिनों में बदलना, खासकर उन इलाकों में जहाँ पहले सुविधाओं की कमी थी।

लोकतंत्र में लोकनीति पर सार्वजनिक बहस स्वाभाविक ही नहीं, बल्कि जरूरी भी है। आजीविकाओं (खास तौर से ग्रामीण परिवारों के लिए) को आकार देने वाले कानूनों की कड़ाई से समीक्षा की ही जानी चाहिए। लेकिन इस तरह की समीक्षा नए कानून के प्रावधानों के सावधानी पूर्वक अध्ययन पर आधारित होनी चाहिए। यह पिछले फ्रेमवर्क से निकाले गए अनुमानों या नुकसान के भय पर आधारित नहीं होनी चाहिए। मगर विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) कानून 2025 की ज्यादातर आलोचनाएं इस जाल में फंस जाती हैं। इनमें जल्दबाजी में पिछली नाकामियों का विश्लेषण कर उनका ठीकरा सुधार पर ही फोड़ दिया जाता है।

दो दशक पहले बनाए गए रोजगार गारंटी कानून ने ग्रामीण आय को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संकट के वक्त सुरक्षा प्रदान की। कोविड की वैश्विक महामारी जैसे संकट के समय में इसके योगदान को स्वीकार किया गया है। लेकिन समय के साथ अनुभव से इसकी दीर्घकालिक ढांचागत कमियां भी उजागर हुई हैं। मजदूरी के भुगतान में बार-बार देरी हो रही थी। प्रक्रियात्मक अवरोधों ने बेरोजगारी भत्ते को अप्रभावी बना दिया था। विभिन्न राज्यों में इस योजना तक पहुंच में काफी अंतर था। प्रशासनिक क्षमता असमान थी तथा फर्जी जॉब कार्ड, उपस्थिति के रजिस्टर में हेरफेर और खराब गुणवत्ता वाली संपदाओं के सृजन से बड़े पैमाने पर धन की बर्बादी हुई। ये छोटी नहीं, बल्कि प्रक्रियात्मक खामियां थीं। इसलिए मुख्य मुद्दा यह नहीं है कि क्या सुधार की जरूरत थी। मुद्दा यह है कि क्या नए फ्रेमवर्क में इन खामियों को सार्थक ढंग से दूर किया गया है। आम दावा है कि नए कानून में बुनियादी कमियां तो बनीं रहीं और समूची बहस को संक्षिप्ताक्षरों की होड़ में समेट दिया गया। लेकिन हकीकत में इसका उलट ही सच के ज्यादा करीब है। नया कानून डिलीवरी की उन कमियों को दूर करने पर केंद्रित है जिनकी वजह से पिछले फ्रेमवर्क की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा था। कमजोर परंपरागत प्रणालियों की जगह सत्यापित कामगार पंजीकरण ने ले ली है। देरी के लिए स्वतः मुआवजे के प्रावधान के साथ मजदूरी भुगतान की वैधानिक समय सीमाएं तय की गई हैं। अयोग्यता के उन प्रक्रियात्मक प्रावधानों को खत्म कर दिया गया है जिनकी वजह से बेरोजगारी भत्ता अप्रभावी बन गया था। स्पष्ट समयसीमा और जवाबदेही के साथ शिकायत निवारण को मजबूत किया गया है। ये दिखावटी बदलाव नहीं हैं। ये उन खामियों को दूर करते हैं जिनसे कामगारों का विश्वास टूटता था।

एक अन्य आलोचना यह है कि रोजगार गारंटी को खत्म

कर दिया गया है। इनके अनुसार नई योजना में पुरानी कमजोरियां बनी हुई हैं। इस तरह की आलोचना सही नहीं है। वेतन रोजगार के कानूनी अधिकार को बरकरार और न्यायसंगत रखा गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह कि रोजगार की वैधानिक पात्रता को 100 दिनों से बढ़ाते हुए 125 दिन कर दिया गया है। बदलाव क्रियान्वयन की संरचना में किया गया है। पुराने कानून का मॉडल टुकड़ों में बंटा हुआ और प्रतिक्रियात्मक था। यह अक्सर संकट शुरू हो जाने के बाद ही हरकत में आता था। नए कानून का फ्रेमवर्क योजनाबद्ध और लागू करने योग्य है। इसे पूर्वानुमान के आधार पर कार्य सौंपे जाने के लिए डिजाइन किया गया है। वैधानिक सुधार के जरिए क्रियान्वयन की नाकामियों को दूर किए जाने को दोहराव नहीं, बल्कि संशोधन माना जाना चाहिए।

बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे अधिक गरीब आबादी वाले राज्यों को पहले के फ्रेमवर्क के तहत सबसे कम लाभ मिलने के सम्बन्ध में जो चिंताएं जताई गई हैं, वे सही हैं लेकिन यह बात सुधार की जरूरत को और मजबूत करती है, न कि उसे कमजोर करती है। इन राज्यों में मनरेगा का लाभ कम पहुंचा यह योजना की एक बड़ी विफलता थी। बिना किसी ठोस योजना के सिर्फमांग के आधार पर चलने वाला मॉडल उन राज्यों के पक्ष में रहा जिनकी प्रशासनिक क्षमता बेहतर थी, जबकि अधिक जरूरत और पलायन वाले राज्य पिछड़ गए। नया फ्रेमवर्क सीधे तौर पर इस असंतुलन को दूर करता है, यह रोजगार पैदा करने के काम को 'विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं' से जोड़ता है, जहाँ स्थानीय मांग और कामों की पहले से मंजूरी को सुनिश्चित फंडिंग के साथ मिलाया जाता है। असमान वितरण ही सुधार की ज़रूरत की असली वजह थी; पुरानी व्यवस्था को बनाए रखने का मतलब केवल मौजूदा असमानताओं को और बढ़ाना होता। इसके अलावा, निष्पक्ष मानकों पर आधारित आवंटन से राज्यों के बीच संसाधनों के बंटवारे में अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता आएगी।

आलोचना का एक पक्ष यह भी है कि 125 दिनों का रोजगार देने का विस्तार केवल दिखावा है, क्योंकि अब राज्यों को भी खर्च का एक हिस्सा उठाना होगा। यह तर्क पहले के उदाहरणों और सुरक्षा उपायों दोनों को नज़रअंदाज़ करता है।

केंद्र और राज्यों के बीच खर्च बांटने का यह तरीका केंद्र-प्रायोजित योजनाओं के पुराने नियमों के अनुसार ही रखा गया है। वहीं, उत्तर-पूर्वी और हिमालयी राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर के लिए 90:10 के अनुपात (जहाँ केंद्र 90 और राज्य 10 प्रतिशत खर्च उठाते हैं) को जारी रखा गया है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि योजना बनाकर काम करने से पैसों का बेहतर इस्तेमाल होता है, जिससे अनिश्चितता खत्म होती है और योजना को लागू करने में कम रुकावटें आती हैं। अधिकारों का दायरा बढ़ाना और साझा जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकारों के बीच तालमेल को दर्शाता है, न कि कमज़ोरी को। ग्रामीण सड़कों से लेकर, आवास और पीने के पानी जैसे कई सफल राष्ट्रीय कार्यक्रम भी इसी तरह की व्यवस्था के तहत काम करते हैं। आर्थिक रूप से कमज़ोर राज्यों को अक्सर नए फ्रेमवर्क का संभावित शिकार बताया जाता है। लेकिन सिर्फ़ आर्थिक कमज़ोरी ही राज्यों के बाहर होने का कारण नहीं है। पिछली व्यवस्था के तहत, राज्यों का इस योजना से बाहर होना अक्सर खराब प्लानिंग, सरकारी मशीनरी की कम क्षमता और काम करने के तरीके में आने वाली रुकावटों की वजह से था। नया कानून पहले से की गई तैयारी, जनता की भागीदारी और प्रौद्योगिकी के जरिये जोखिमों को कम करने की कोशिश करता है। नयी व्यवस्था में एक बार योजना मंजूर होने के बाद, काम देने से मना करने की अधिकारियों की शक्ति को कम किया गया है और पारदर्शिता तथा जवाबदेही को मजबूत किया गया है।

नया साल नया संकल्प

डॉ. राजेश कुमार शर्मा

नये साल में नये संकल्प करें
अपने परिवेश को हराभरा करें
जहाँ भी दिखे गंदगी फैली हुई
मिट्टी से गड्ढे भरें स्वच्छता करें

जो अनपढ़ हैं गली मोहल्ले में
उन्हें पढ़ाएं लिखाएं आगे बढ़ाएं
समाज को करें शिक्षित मिलकर
फिर नये साल की खुशियां मनाएं

नये साल में बढ़ती महंगाई रोकें
युवाओं को रोजगार से जोड़ें
जो बैठे हताश होकर घरों में
उन्हें छोटे छोटे उधोगो से जोड़ें

नई उमंग के संग नववर्ष मनाएं
अतीत की घटनाएं भुलाकर
नये विचारों के साथ आगे बढ़ें
नये संकल्प लेकर नये काम करें

ज्ञान विज्ञान कला में नाम कमाएं
खेलकूद में अपना नाम चमकाएं
नये साल में विश्व पटल पर जा
भारत का तिरंगा उँचा लहराएं।

स्कूल बनाम यातना केंद्र

शशांक खरे

सरकारी स्कूलों की बदहाली, बदइंतजामी से नौनिहालों को बचाने अभिभावक निजी स्कूलों की ओर रूख करते हैं, तो वहां भी आहत को राहत नहीं. तगड़ी फीस, निजी स्कूलों के मनमाफिक नियम-कायदे पालकों का पसीना निकाल देते हैं. निजी स्कूलों में बच्चों से मारपीट, फेल करने, कैरियर बर्बाद कर देने की धमकी बोनस के रूप में मिलती है. आखिर बच्चे और अभिभावक जाएं तो कहां जाएं? बच्चे अभिभावक, सिस्टम और अपनी लाचारी के दो पाटों के बीच पीस रहे हैं, किंतु सुनने वाला कोई नहीं. आखिर कब तक? शासन-प्रशासन और समाज से यह प्रश्न पूछ रहा है, खून के आंसू रोता भविष्य (बच्चे)...।

क्रूरता की इंतहां, बेरहम व्यक्ति या सिस्टम ?

प्रदेश के बिलासपुर जिले के तखतपुर में निजी स्कूल विज्डम द ग्लोवल में कक्षा पहली के बच्चों को स्पोर्ट्स टीचर ने पाइप से बेरहमी से पीटा. बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के रामचंद्रपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत पलगी के प्राथमिक शाला जावाखाड़ी में सातवीं कक्षा के एक बच्चे को गिनती ठीक से नहीं सुना पाने पर शिक्षक ने बेरहमी से पीटा. बच्चे की आंखों में खून उतर आया और चेहरा सूज गया. सूरजपुर जिले के नारायणपुर आमापारा शाखा अंतर्गत एक निजी स्कूल हंस वाहिनी विद्या मंदिर में शिक्षिकाओं ने बच्चे की टी-शर्ट फाड़कर उसी टी-शर्ट से बांधकर पेड़ पर लटका दिया बलौदाबाजार जिले के पलारी ब्लॉक के ग्राम लच्छनपुर के सरकारी स्कूल में कुत्ता द्वारा जूठा किया गया मध्यान्ह भोजन को बच्चों परोस दिया गया. 84 बच्चे प्रभावित हुए मीडिया में खबर छपने के बाद सरकार जागी. मामला शांत करने बच्चों को एंटी रेबीज का टीका लगवाया गया. कुल 21 लाख रुपए मुआवजा देना पड़ा. मनाही के बाद भी बच्चों को जूठा भोजन परोसा गया था. इसी तरह बस्तर के एक स्कूल में मध्यान्ह भोजन में फिनाइल मिला दिया गया. दुर्ग जिले के ग्राम बोरसी में एक स्कूल में तंत्र-मंत्र के नाम पर कोयल की बलि दी गई. शिक्षा अधिकारी ने गैरजिम्मेदाराना बयान देकर पल्ला झाड़ लिया, प्रदेश के तमाम शिक्षा केंद्रों में जो अमानवीय हरकतें जारी हैं, वो किसी भी सभ्य समाज के लिए बर्दाश्त करने वाली बात नहीं है. इसे क्या कहें? क्या सिस्टम की लापरवाही या फिर शिक्षकों का संवेदनाशून्य होना. देश में तमाम शिक्षा के केंद्र यातना केंद्र में तब्दील होते जा रहे हैं. स्कूलों में आज जो अमानवीय हरकतें हो रही हैं, उसके पीछे दोषी कौन है? क्या शिक्षक

अपने निजी जीवन की समस्याओं से ग्रसित होकर बच्चों पर आक्रामक हो रहे है? या फिर सचमुच संवेदना मर चुकी है? या फिर सिस्टम को लकवा मार गया है? सिस्टम आखिर सुधरने का नाम ही नहीं ले रहा है. आए दिन स्कूलों में कुछ न कुछ ऐसी हरकतें देखने-सुनने में मिल ही जाती है, कि इनसानियत तार-तार हो जाती है. सिस्टम को सुधारने का सारा प्रयोग बच्चों के साथ ही क्यों हो रहा है? वह भी यातना के तौर पर. माना, कि इसके लिए अकेले शिक्षक दोषी नहीं हैं. इसके लिए पालक-बालक और सरकारी सिस्टम में सकारात्मक बदलाव की जरूरत है, किंतु अमानवीय हरकत की अनुमति न क़ानून देता है, न नैतिकता देती है. फिर ऐसे में हम कैसे उम्मीद करें, बच्चे अनुशासित रहें. अनुशासन की सीख क्या बच्चों को ही दी जानी चाहिए? सिस्टम के जिम्मेदार लोगों को नहीं? यह कुछ यक्ष प्रश्न हैं, जो सिस्टम का मुंह चिढ़ाते हैं. बावजूद तंत्र सुधर नहीं रहा है, बल्कि, आए दिन बढ़ रहा है. गली-कूचों में स्कूल खुल गए, कोई मॉनिटरिंग नहीं. दो-दो कमरों में बड़े स्कूल चल रहे हैं. स्कूल खोलने के तमाम नियम-क़ानून-कायदों का हवाला दिया जाता है. किंतु, धरातल पर सारे नियमों की धज्जियां उड़ा दी जाती हैं. कॉलेज की बातें हम छोड़ दें, यहां तो स्कूली बच्चों के बीच गैंगवारी, हिंसा और खून-खराबा आम बात हो गई. बच्चों के बस्ते में हथियार, मादक पदार्थों का मिलना, नशे में ऊघते बच्चे, स्कूलों के पास ठेलों में बिकते गुटखे, खैनी समेत अन्य दीगर नशीली चीजें व्यवस्था की पोल खोलने के लिए पर्याप्त उदाहरण है. शिक्षकों की प्रॉपर मानिटरिंग के लिए तमाम तकनीक अपनाई जा रही है, किंतु सारी तकनीक फेल हो जा रही है. चाहे दूरस्थ का बोहड़ इलाका हो या मैदानी, शिक्षकों की अनुपस्थिति कोई बड़ी बात नहीं है. शिक्षा व्यवस्था में जनभागीदारी बढ़ाने शाला विकास समिति गठित की जाती है. लेकिन, समिति की भूमिका नगण्य होती है. स्कूलों में केवल प्रयोग हो रहे हैं. एक प्रयोग सफल नहीं हुआ, कि दूसरा प्रयोग शुरू हो जाता है. स्कूलों की संख्या में घट-बढ़ होती रहती है. ताज आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में प्रदेश में कुल 30,700 से अधिक स्कूल हैं. प्राथमिक स्कूल, मीडिल स्कूल और हाई स्कूल शामिल हैं. छात्र-शिक्षक अनुपात 24:1 और 26:2 है. युक्तियुक्तकरण का प्रयोग फेल रहा है. अभी कई स्कूलों में आवश्यकता से अधिक शिक्षक हैं. कई स्थानों पर एक, दो या शून्य की भी स्थिति है. कई स्कूल ऐसे भी है, जहां गिनती के बच्चे हैं, किंतु शिक्षक 2 या 2 अधिक भी हैं. स्कूल भवनों की दशा किसी से छुपी नहीं है. दूरस्थ इलाकों में तो पेड़ के नीचे या फिर किसी जमीदार के बरामदे में स्कूल चलते हैं. जबकि, स्कूलों के संचालन के लिए साल में करोड़ों का बजट होता है. आखिर, एक बड़ा बजट आता है, तो जाता कहां है? यह एक विचारणीय प्रश्न है.

सद्‌गुरू बोधामृतम्

सदगुरू श्री ऋतेश्वर

◆ जिसके जीवन में गुरू तुरंत अविलंब न्याय कर दें समझ लेना उसके जीवन में राम राज्य की स्थापना हो चुकी है।

◆ आनंदित हो तो तुम आध्यात्मिक हो।

आज का इतिहास

नई दिल्ली/वार्ता। 1789 - अमेरिकी जनता ने जॉर्ज वाशिंगटन को देश का पहला राष्ट्रपति चुनने के लिए मतदान किया। 1859 - सिपाही विद्रोह में संलिप्तता के मामले में मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर (द्वितीय) के खिलाफ सुनवाई शुरू। 1927 - पहली ट्रांस-एटलांटिक व्यावसायिक टेलीफोन सेवा न्यूयॉर्क से लंदन के बीच शुरू हुई थी। 1929 - मदर टेरेसा ने कलकत्ता पहुंचकर गरीब और बीमार लोगों के लिए चिकित्सा कार्य शुरू किया। 1953 - अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने हाइड्रोजन बम बनाने की घोषणा की। 1959 - संयुक्त राज्य अमेरिका ने क्यूबा में फिदेल कास्त्रो की नई सरकार को मान्यता प्रदान की। 1972 - स्पेन के इबीसा क्षेत्र में विमान दुर्घटना में चालक दल के छह सदस्यों समेत 108 यात्रियों की मौत। 1980 - बहुमत के साथ इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी। 1987 - कपिल देव ने टेस्ट क्रिकेट में तीन सौ विकेट पूरे किये।1986 - अमेरिका के राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने लीबिया के खिलाफआर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

सुख समृद्धि और

सुख समृद्धि और शान्ति संग उन्नति मार्ग प्रशस्त, कमला शारद शक्ति त्रय कर दें बाधा ध्वस्त।। धन्वतरि वरदान दें रहे आरोग्य परिवार । वैभव धनद सदृश हो सुख साधन संसार।। संस्कार यश दस दिशा गुञ्जित हो नित मित्र। सामाजिकता विद्वता धवल हृदय चलचित्र।। दो हजार सत्रह विदा स्वागत प्रिय नववर्ष गणपति नवग्रह शुभ दशा अर्श हर्ष उत्कर्ष मुबारक हो आपको प्यारा नववर्ष।। - **राजकिशोर मिश्र राज प्रतापगढ़ी**

उम्र भर यूँ अश्क

उम्र भर यूँ अश्क रहे पीते मगर ! ग़म म भी हंसके रहे जीते मगर ॥ . जख्म देती जिंदगी हर पल रही ! जख्म सब हम रहे सीते मगर ॥ ताउम्र कमाया खूब बच्चों के लिये ! आखिरी पल हम रहे रीते मगर ॥ वो तो था आशिष माँ का मिला ! मुफलिसी म भी रहे जीते मगर ॥ गिर गये पत्ते सभी जब डाल से ! तन्हा नहीं हम रहे दिखे मगर ॥ आँखें दिखाता जब अपना कोई! अदब से "ग़ज़ल" हम रहे नीते मगर ॥

- **डॉ.सविता वर्मा "ग़ज़ल"**

प्रेम पथ है बड़ा विकट। त्याग

प्रेम पथ है बड़ा विकट। त्याग तपस्या मूल है।। बिन इनके दो पग भी चलना। दुष्कर पथ में शूल है।। निष्कंटक किसको क्या मिला। कांटो से ही फूल है।। हृदय में पावस हो भाव। अनुपम वही अनुकुल हैं।। पग पग जो उग रहे। प्रेम बृक्ष की शाखे।। बिन भाव ये भी हैं सूखे। क्षणभंगुर ये पाते।। हृदय तो दीपित हो। भाव के उदगार से ।। वरना तम में ही आती।। तृष्णा रूपी धूल हैं।। - **आकांक्षा द्विवेदी**

अभी अभी अमेरिका से आया है ट्रंप अंकल

अभी अभी अमेरिका से आया है ट्रंप अंकल का कॉल। गूंज रहे हैं कानों में साथियो उनके ये कड़वे बोल।। अगर आप फेसबुक पर और इक भी कविता लिख डालेंगे। सच कहते हैं हम आपको भी कटगोड़ी से उठवालेंगे। - **राजकुमार शर्मा**

इंदौर की जनता अब कैलाश को विजय

इंदौर की जनता अब कैलाश को विजय वर्ग में न डाल कर पराजय वर्ग में डाले न केवल इंदौर बल्कि हर उस क्षेत्र में जहां नेता वर्षो से काबिज है कुर्सी पर दल चाहे किसी की भी हो जब तक बार बार नेता नही बदलेंगे तब तक कुव्यवस्था में बदलाव मुश्किल है। - **संत आर थवाइत**

लिखूं मैं छंद कैसे, शब्द अक्षर रूठ

लिखूं मैं छंद कैसे, शब्द अक्षर रूठ जाते हैं। लगे वन, मन का उपवन, पुष्प मनहर रूठ जाते हैं। मना कर देता है बहने से, मेरा रक्त धमनी में। अनल अगहन लगे, साजन जो क्षणभर रूठ जाते हैं। - **डॉ शोभा किरण**

कीजिए गर प्यार भी कीजिए इज़हार

कीजिए गर प्यार भी कीजिए इज़हार भी बेटियाँ बचती नहीं कैसी ये सरकार भी फ़लसफ़ा कुछ जानिए ज़िन्दगी का सार भी यार की बातों का आप कीजिए इक़रार भी खोलकर रखिए नज़र जानिए अधिकार भी नफ़रतों को दिल में भर मत करें बीमार भी दोस्त मुश्किल बाँट ले ऐसा हो दिलदार भी चाँद का 'ऐनुल' कभी कीजिए दीदार भी ।

- **'ऐनुल' बरौलवी**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी समस्याएं बढ़ेंगी और बाहर आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। माताजी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकती हैं।

वृषः आज का दिन आपके लिए कुछ विशेषकर दिखाने के लिए रहेगा। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा और आप अपनी कार्य कुशलता से आज कार्यक्षेत्र में लोगों का दिल जीतेंगे।

मिथुनः आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आपको अपने कामो को लेकर उचित मार्गदर्शन मिलेगा और यदि आप राजनीति में हाथ आजमाने की सोच रहे हैं, तो उसके लिए आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

कर्कः आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। कारोबार में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल होने में कुछ समस्या आ सकती है।

सिंहः आज आपको अपने घर के साथ-साथ बाकी कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। विदेशों से आयात निर्यात कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

कन्याः आज का दिन आपके मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। आपको अपनी आय और व्यय में तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है।

तुलाः आज का दिन नौकरी में बदलाव के लिए अच्छा रहने वाला है। आप कुछ नये कपड़े, मोबाइल, लैपटॉप आदि की खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आपके अटके हुए काम पूरे होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

धनुः आज का दिन आपके लिए तकनीकी क्षेत्रों में बढ़िया रहने वाला है। आप अपने ज्ञान को बढ़ाने में कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे और विद्यार्थियों को अध्यापकों का भी पूरा साथ मिलेगा, लेकिन आपको किसी सरकारी काम को लेकर चक्कर काटने पड़ेंगे।

मकरः आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। यदि आप किसी काम को करेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुंभः आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठाएंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

मीनः आज का दिन आपके लिए व्यवसाय के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपका योजनाओं पर अच्छा खासा खर्चा होगा।

QUIZ TIME

1) राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन कहाँ हुआ?

2) पुडुचेरी मुक्ति दिवस किस तारीख को मनाया जाता है?

3) जल्लीकट्टू महोत्सव 2026 का आयोजन हाल ही में किस राज्य में शुरू हुआ है?

4) कौन-सा भारतीय मैराथन आयोजन एशिया का सबसे बड़ा मैराथन माना जाता है?

5) महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज कौन बनी है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) लखनऊ (2) 1 नवंबर (3) तमिलनाडु (4) टाटा मुंबई (5) दीप्ति शर्मा

कार्टून

सरवंशदानी दशम पातशाह गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा व भव्यता के साथ मनाया

रायपुर/नवप्रदेश। साहिबे-कमाल, सरवंशदानी, सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व का पावन उत्सव राजधानी रायपुर स्थित गुरुद्वारा गोविंद नगर में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं भव्यता के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर गुरुद्वारा परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जहाँ फूलों से सजा दरबार हॉल एवं पालकी साहिब संगत के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में दिनांक 4 जनवरी को प्रातः एवं सायंकाल तथा 5 जनवरी को मुख्य प्रकाश पर्व के दिन दरबार साहिब में विशेष दीवान सजाए गए। इस अवसर पर दरबार साहिब के रागी जत्था भाई सरूप सिंह जी एवं हजूरी रागी दरबार श्री अमृतसर साहिब से पधारे भाई शुभदीप सिंह जी द्वारा मधुर कीर्तन और प्रेरणादायी कथा के माध्यम से संगत को गुरु इतिहास से जोड़ा गया, जिससे संगत निहाल हो उठी। दशम पिता गुरु गोविंद सिंह जी ऐसे महान युगदृष्टा गुरु थे, जिन्होंने देश और धर्म की रक्षा हेतु अपने माता-पिता सहित अपने चारों साहिबज़ादों का सर्वोच्च बलिदान दे दिया, परंतु कभी धर्म से विचलित नहीं हुए और अत्याचार के आगे न झुके। उनका जीवन त्याग, शौर्य, समानता और मानवता का अनुपम संदेश देता है। इस पावन अवसर पर गुरुद्वारा गोविंद नगर में सिख समाज के स्त्री-पुरुष, बच्चे एवं बुजुर्ग हजारों की संख्या में उपस्थित होकर कीर्तन, अरदास में शामिल हुए एवं गुरु दर्शन का लाभ लिया तथा गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन को धन्य किया। प्रकाश पर्व के समापन पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी गोविंद नगर द्वारा विशाल गुरु का लंगर अटूट वितरित किया गया, जिसमें सभी धर्मों और वर्गों के लोगों ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया।

रिया ने छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया, गृहमंत्री ने किया सम्मान

रिया की उपलब्धि प्रदेश की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए बनेंगी प्रेरणा : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

❑ **खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है**

रायपुर/नवप्रदेश। बिहार की राजधानी पटना में 25 से 29 दिसंबर तक आयोजित साउथ एशियन बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हाँसिल किया। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, भूटान और श्रीलंका सहित चार देशों की टीमों ने भाग लिया था। इस चैंपियनशिप में भारत की विजेता टीम का हिस्सा बनकर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाली कवर्धा की होनहार खिलाड़ी सुश्री रिया तिवारी का उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सम्मान किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने रिया को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनकी उपलब्धि की सराहना की तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि रिया तिवारी की यह उपलब्धि न केवल कवर्धा जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रिया ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रिया भविष्य में भी देश के लिए अनेक पदक जीतेंगी और प्रदेश की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकें।

रिया ने माता पिता और कोच को दिया श्रेय

रिया ने कहा कि इस सफलता का पूरा श्रेय मेरे माता-पिता और मेरे कोच श्री अविनाश चौहान एवं श्री जय किशन को जाता है। उनके निरंतर मार्गदर्शन, अनुशासन और प्रेरणा के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं हो पाती। हर कठिन समय में उन्होंने मेरा आत्मविश्वास बनाए रखा और मुझे आगे बढ़ने की शक्ति दी। यह जीत मेरे लिए केवल एक पदक नहीं, बल्कि मेरे खेल जीवन की एक नई शुरुआत है। मैं आगे भी पूरे समर्पण और मेहनत के साथ देश और प्रदेश के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगी।

'वॉलफोर्ट एलेन्सिया' परियोजना के प्रमोटर पर 10 लाख का जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने रायपुर स्थित "वॉलफोर्ट एलेन्सिया" परियोजना के प्रमोटर के विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत 10 लाख रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया है।

प्रकरण की सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि परियोजना में विकास कार्य नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा स्वीकृत ले-आउट के अनुरूप नहीं किया गया। स्वीकृत ले-आउट से हटकर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया गया, जो रेरा अधिनियम की धारा 14(1) का स्पष्ट उल्लंघन है। उक्त धारा के अनुसार, किसी भी रियल एस्टेट परियोजना का विकास सक्षम प्राधिकरणों द्वारा अनुमोदित रेखांकन, ले-आउट एवं विनिर्देशों के अनुसार ही किया जाना अनिवार्य है। प्राधिकरण ने यह भी संज्ञान में लिया कि वर्तमान में उक्त स्ञ्रक्क का उपयोग परियोजना के आबंटितियों द्वारा किया जा रहा है। आबंटितियों के हितों और सार्वजनिक उपयोग को प्रभावित न करने के उद्देश्य से इस स्तर पर स्ञ्रक्क को ध्वस्त करने अथवा पुनर्निर्माण संबंधी कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। हालांकि, स्वीकृत ले-आउट से किए गए इस विचलन को गंभीर उल्लंघन मानते हुए प्राधिकरण ने प्रमोटर को उत्तरदायी ठहराया है और रेरा अधिनियम की धारा 14(1) के उल्लंघन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। छत्तीसगढ़ रेरा ने पुनः स्पष्ट किया है कि स्वीकृत ले-आउट अथवा योजनाओं से बिना सक्षम प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति के किया गया कोई भी परिवर्तन गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वार्ड में तब्दील होंगी डीकेएस अस्पताल की बंद दुकानें

विवादों में रहने की वजह से अस्पताल की बंद दुकानों को अब वार्ड बनाने का काम शुरू

❑ **भर्ती होंगे बर्न प्लास्टिक एवं न्यूरो सर्जरी विभाग के मरीज**

रायपुर/नवप्रदेश। निर्माण के बाद से ही विवादों में रहने की वजह से डीके अस्पताल की बंद दुकानों को वार्ड बनाने का काम शुरू हो गया है। यहां बर्न एवं प्लास्टिक एवं न्यूरो सर्जरी के मरीजों को भर्ती किया जाएगा। भूतल की चार दुकान और प्रथम तल पर बड़ा हॉल वाले इस भवन को तीन मंजिला वार्ड बनाया जाएगा। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त के निर्देश पर सीजीएमएससी द्वारा भवन की नापजोख भी कर ली गयी है।डीके अस्पताल की शुरुआत के दौरान इन दुकानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होने की संभावनाओं को ध्यान में रखकर कराया गया था। कुछ समय तक दुकानों का संचालन हुआ, फिर मामला विवादों में आ गया और लंबी न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद भवन का कब्जा अस्पताल प्रबंधन को मिला था। इसे पुनः प्रारंभ करने तीन साल पहले टेंडर की कोशिश की गई, मगर सफलता नहीं मिली थी।

पिछले दिनों अस्पताल पहुंचे चिकित्सा शिक्षा आयुक्त रितेश अग्रवाल ने बंद दुकान वाले इस भवन का उपयोग वार्ड बनाकर करने कहा था। सीएमई के निर्देश के बाद इस पर काम शुरू हो गया है और सीजीएमएससी की टीम ने भवन के रिनोवेशन और वार्ड तैयार करने की जरूरतों के आधार पर उसका नापजोख कर लिया है। जल्दी ही आवश्यकता के अनुसार तोड़फोड़ और निर्माण शुरू किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित तीन मंजिला भवन में बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग और न्यूरो सर्जरी से संबंधित मरीजों को भर्ती किया जाएगा।

न्यूरो सर्जरी के डेढ़ सौ बेड कम

वर्तमान में न्यूरो से संबंधित मरीजों का इलाज डीके अस्पताल में किया जाता है। शासकीय स्तर पर एम्स और डीके अस्पताल में इसके इलाज की व्यवस्था होने के कारण काफी भीड़ रहती है। डेढ़ सौ बेड की क्षमता वाले इस विभाग में कई बार मरीजों की संख्या बढ़ने पर परेशानी हो जाती है। इसी तरह अस्पताल के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग में 20 बेड है जो जरूरतों के हिसाब से काफी कम है। नए वार्ड बनने से यहां ज्यादा मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा सकेगा।

अभी अटेंडरों का ठिकाना

मरीजों के जलपान की सुविधा देने के उद्देश्य से बनाए गए दुकान सालों से बंद पड़े हैं। वर्तमान में यह इलाज के लिए अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके अटेंडरों का ठिकाना बना हुआ है। गर्मी के दिनों में ड्यूटी करने वाले सुरक्षा गार्डों के लिए भी यह राहत देने वाला ठिकाना बनता है। वार्ड के रूप में इसके परिवर्तित होने के बाद यहां गंभीर मरीजों को एडमिट किया जाएगा।

यात्रियों एवं साधु-संतों की सुविधाओं का लिया जायजा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध त्रिवेणी संगम और राइस मिल हब, नवापारा-राजिम में आगामी ÷राजिम कुंभ-2026÷ को लेकर तैयारियाँ तेज हो गई हैं। हाल ही में छोटी लाइन से ब्रॉडगेज में परिवर्तित हुए नवीन राजिम रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में छ्त्रऋष्ट मेंबर एवं चेम्बर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन ने स्थानीय व्यापारियों और विभिन्न समाज के अध्यक्षों के साथ राजिम स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान स्टेशन मास्टर श्री गोपीनाथ एवं रेल कर्मचारियों ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य कुंभ मेले के दौरान देश-भर से आने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए रेल सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना है।

बैठक के मुख्य आकर्षण:-

यात्री सुविधा विस्तार:- कुंभ के दौरान बढ़ने वाली अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए स्टेशन पर पेयजल, विश्राम गृह और सुरक्षा व्यवस्था पर बिंदुवार चर्चा की गई।

रेल कनेक्टिविटी:- देश के विभिन्न कोनों से आने वाले अनुयायियों के लिए रेल मार्ग से सुगम पहुँच सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव साझा किए गए।

सहयोग का समन्वय:-स्थानीय व्यापारिक जगत और रेल प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित किया गया ताकि नवापारा-राजिम की छवि एक भव्य और व्यवस्थित तीर्थ स्थल के रूप में उभरे।

महापौर मीनल चौबे ने किया महाराजबंध तालाब सफाई अभियान का निरीक्षण

❑ **ग्रीन आर्मी के कार्यों की सराहना - 27 दिन में 64 ट्रक कचरा बाहर**

रायपुर/नवप्रदेश। ग्रीन आर्मी द्वारा संचालित महाराजबंध तालाब सफाई अभियान के आज 27 दिन पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने महाराजबंध तालाब पहुँचकर अभियान का निरीक्षण किया और ग्रीन आर्मी के निरंतर जनहितकारी प्रयासों की सराहना की। महापौर द्वारा अभियान को सफल बनाने हेतु नगर निगम की ओर से आवश्यक संसह्लाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया। ग्रीन आर्मी के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे, जिला अध्यक्ष गुरदीप टुटेजा, भारती श्रीवास्तव विनीत शर्मा, मोनिका बागरेचा श्याम बघेल,हेमंत ठाकुर ने महापौर को अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा विगत 11 दिसम्बर से प्रतिदिन सुबह 8 बजे नियमित श्रमदान किया जा रहा है और अब तक 64 ट्रक कचरा तालाब से बाहर निकाला जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि तालाब के संरक्षण और पुनर्जीवन की दिशा में एक निरंतर प्रयास है, जो आगे भी जारी रहेगा। सफाई अभियान के दौरान तालाब से धार्मिक झांकियों के अवशेष, घाटों पर जमा गंदगी, सिंगल यूज प्लास्टिक तथा वर्षों से जमा अन्य अपशिष्ट हटाए गए हैं।

धान खरीदी के 50 दिन हो गए लेकिन अव्यवस्था नहीं सुधरी : शुक्ला

रायपुर/नवप्रदेश। धान खरीदी के 50 दिन बाद भी अव्यवस्था नहीं सुधरने पर प्रतिक्रिया व्यक्त प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सरकार ने षड्यंत्र कर किसानों का कम धान खरीद रही है। धान खरीदी के 50 दिन बाद भी किसान एग्री स्टेक पोर्टल की खामियों के चलते टोकन नही मिलने, रकबा कम होने, धान खरीदी केंद्रों में खरीदी लिमिट नही बढ़ाये जाने एवं खरीदी केंद्रों से धान का उठाव नही होने से बेहद परेशान है, धान खरीद केंद्रों में जाम की स्थिति है, खरीदी बाधित हो रही है। किसान आक्रोशित है, आंदोलन कर रहे है लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। कांकेर जिले के ग्राम बारकोट के किसान 150 किलोमीटर चल कर कलेक्टर से मिले लेकिन उनकी समस्या का कोई संतोषजनक हल नहीं हुआ। लगभग हर गांव में यही समस्या है। ये भाजपा सरकार के द्वारा जानबूझकर रचा गया षड्यंत्र है ताकि किसान धान बेचने से वंचित रहे और सरकार धान बेचने से वंचित किसानों को जिम्मेदार ठहरा कर अपनी जिम्मेदारी से बच सके। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 50 दिन में जिस प्रकार से धान खरीदी की गई है इससे स्पष्ट है कि तय तारीख में प्रदेश के 27 लाख से अधिक किसान धान नहीं बेच पाएंगे।

जंबूरी के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने की शिकायत

रायपुर/नवप्रदेश। छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार आज पीसीसी के प्रतिनिधिमंडल ने एसीबी/ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचकर राज्य सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम जंबूरी 2026 के टेंडर आबंटन में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने पहुंचा । पीसीसी महामंत्री सुबोध हरितवाल ने बताया कि जंबूरी 2026 जो कि बालोद में 09 जनवरी से होना प्रस्तावित है का टेंडर पहले 20 दिसंबर को खुलना था जो गलत तरीके से रद्द हुआ और उसके बाद सिर्फ10 दिनों के अंतराल में दर्शा टेंडर जारी किया गया और पिछले दिनों 03 जनवरी को खुलने की अंतिम तारीख होने के बावजूद वो टेंडर नहीं खुला परन्तु बालोद में काम लगभग पूरा होने को है । जमीनी स्तर पर आप देखे तो करोड़ों रुपए का काम अभी तक हो चुका है लेकिन अभी तक वर्क ऑर्डर जारी नहीं हुआ । पीसीसी महामंत्री सुबोध हरितवाल ने बताया कि ये अपने आप में एक गंभीर मामला है जहां टेंडर खुलने से पहले मंत्री और अधिकारियों के संरक्षण में व्यापारी द्वारा पूरा काम कर दिया जाता है। क्या ये भ्रष्टाचार की ओर इशारा नहीं करता? इसी मामले पर पीसीसी के प्रतिनिधिमंडल ने शिकायत दर्ज करने का आवेदन एसीबी/ईओडब्ल्यू में देते हुए इस मामले पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में पीसीसी महामंत्री सुबोध हरितवाल, महामंत्री कन्हैया अग्रवाल, शहर अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, एजाज ढेबर, नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा, अजीत कुकरेजा, प्रभजोत सिंह लाड़ी, अमित तिवारी, मो सिद्धिक, नरेश गढ़पाल शामिल थे।

सरगुजा ओलंपिक: आदिवासी अंचल की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

रायपुर/नवप्रदेश। सरगुजा संभाग अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है, यह क्षेत्र खेल प्रतिभाओं से परिपूर्ण माना जाता है। यहां के युवाओं में खेलों के प्रति स्वाभाविक रुचि और अपार क्षमता को पहचानकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सरगुजा ओलंपिक 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप तथा खेल मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में आयोजित यह प्रतियोगिता आदिवासी अंचल के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। सरगुजा ओलंपिक 2025-26 निश्चित रूप से क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। इस आयोजन का उद्देश्य शासन और जनता के बीच मजबूत एवं प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करते हुए युवाओं की रचनात्मक और खेल प्रतिभा को निखारना है। सरगुजा ओलंपिक में कुल 12 खेलों की प्रतियोगिताएं विकासखण्ड, जिला एवं संभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी। सरगुजा ओलंपिक में खेल के 12 विधाओं में पंजीयन अवधिः 28 दिसम्बर 2025 से 12 जनवरी 2026 तक किया जा सकता है।

नदी-नाले पार कर बचाया बालिका का भविष्य

'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान को मिल रही जमीनी मजबूती

कलेक्टर के मार्गदर्शन में तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए

सुकमा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित "बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़" अभियान जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से साकार होता नजर आ रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला प्रशासन की सतर्कता और संवेदनशीलता के चलते दुर्गम एवं पहुँचविहीन क्षेत्र में नदी-नाले पार कर 12 वर्षीय बालिका का बाल विवाह समय रहते रोका गया। इस त्वरित कार्रवाई से न केवल एक मासूम का भविष्य सुरक्षित हुआ, बल्कि समाज में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के विरुद्ध सशक्त संदेश भी गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 02 जनवरी 2026 को प्रशासन को सूचना मिली कि सुकमा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रामाराम के सुदूर गांव नाड़ीगुफा में एक नाबालिक बालिका का विवाह किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर के मार्गदर्शन में तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के नेतृत्व में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन तथा विभागीय अमले की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने उफनते नदी-नालों और अत्यंत दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद पैदल यात्रा कर गांव तक पहुँच बनाई और समय रहते विवाह प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया।

मौके पर यह पाया गया कि पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी थीं। अधिकारियों द्वारा संवेदनशीलता के साथ परिजनों एवं ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों, कानूनी दायित्वों तथा इसके गंभीर सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। प्रशासन की समझाइश का सकारात्मक प्रभाव पड़ा और परिजनों ने स्वेच्छा से बाल विवाह रोकने का निर्णय लिया। ग्रामीणों की उपस्थिति में विधिवत पंचनामा तैयार कर कार्रवाई को औपचारिक रूप दिया गया। कार्रवाई के दौरान बालिका को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उसके सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य के लिए परिजनों को प्रेरित किया गया।

■ न्यूज गैलरी

कोण्डागाँव वनमण्डल अंतर्गत 202 वन प्रबंधन समितियों की हुई बैठक

कोण्डागांव नवप्रदेश। नव वर्ष के अवसर पर वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार तथा प्रधान मुख्य वनसंरक्षक एवं वन बल प्रमुख छ.ग. के मार्गदर्शन में मंगलवार को वनमण्डल कोण्डागाँव अंतर्गत 202 वन प्रबंधन समितियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समितियों के सदस्यों द्वारा सर्वप्रथम नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए लाभांश राशि, अग्नि सुरक्षा, वनों की सुरक्षा, कूप विदोहन से संबंधित विषयों पर चर्चा एवं सुझाव दिया गया। साथ ही अवैध कटाई, अतिक्रमण के रोकथाम के संबंध में में भी चर्चा हुई। बैठक में वन एवं वन्यजीव की घटनाओं को रोकने संबंधी आवश्यक उपायों, वनों को आग से बचाने, अवैध कटाई, अतिक्रमण के रोकथाम, वन संपदा का संरक्षण, लाभांश राशि का उपयोग विकास कार्यों में करने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया।

साइबर सुरक्षा से लेकर पॉक्सो एक्ट तक बच्चों को दी गई विस्तृत जानकारी

एमसीबी/नवप्रदेश । जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित महिला सशक्तीकरण केंद्र (हब) के माध्यम से ÷बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना÷ के अंतर्गत राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 01 जनवरी 2026 से 30 जनवरी 2026 तक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से जिले के विभिन्न विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, समानता, अधिकारों की जानकारी एवं सामाजिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है।

विश्रामपुरी में अवैध परिवहन के दौरान 675 बोरी धान जब्त

कोण्डागांव / नवप्रदेश। कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना के निर्देशानुसार खरीफविपणन वर्ष 2025 अंतर्गत धान खरीदी के दौरान धान के अवैध परिवहन और भण्डारण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही हैं। इसी क्रम में केशकाल विकासखंड अंतर्गत विश्रामपुरी मछली मार्ग के पास अवैध परिवहन के प्रकरण में 675 बोरी जब्त की गई है। खाद्य अधिकारी श्री नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि अनुविभागीय अधिकारी (रा.) केशकाल सुश्री आकांक्षा नायक के निर्देशन में खाद्य विभाग व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा रोशन ट्रेडर्स बोराई - नगरी (प्रॉपराइटर श्री पदम भंसाली) के द्वारा बिना अनुज्ञा के 675 बोरा धान (अनुमानित कीमत 5 लाख 13 हजार) अवैध परिवहन करते पाया गया, जिसे वाहन सहित जप्त कर विश्रामपुरी थाना में सपुर्द कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यालय में नहीं मिलते अधिकारी, किसान हो रहे परेशान

■ **सिंचाई की अनुमति लेने कई दिनों से लगा रहे कार्यालय का चक्कर**

भानुप्रतापपुर/ नवप्रदेश। सिंचाई से संबंधित कार्यों के चलते किसानो को दर-दर भटकना पड़ रहा है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी कार्यालय में उपस्थित नही रहने से क्षेत्र के ग्रामीण किसानों को मूलभूत सुविधाएं नही मिल पा रही है। अपने कार्य को लेकर ग्रामीण जल संसाधन कार्यालय का प्रतिदिन चक्कर लगा रहे है। ऐसे ही संबलपुर के एक किसान का मामला सामने आया है जो उड़द फसल के सिचाई के अनुमति के लिए एक जनवरी से अधिकारी से मिलने कार्यालय पहुच रहे है लेकिन अधिकारी से मुलाकात नही होने से आर्थिक मानसिक दंश झेल रहे है। इसी तरह ग्राम घोठा के किसान जो मक्का को फसल लगाने के लिए सिंचाई की अनुमति लेने जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय का पिछले 5 दिनों से चक्कर लगा रहे है, लेकिन अधिकारी के नहीं मिलने से उनका कार्य अटका हुआ है।

जानकारी के अनुसार आवेदिका अमोला बाई पिता शम्भूराम निवासी संबलपुर की है जिनका किसानी खसरा नंबर 212/2, रकबा 0.4250 हेक्टेयर भूमि सीधे चवेला नदी से लगी हुई है। नदी के किनारे खेत होने के बावजूद विभाग के लापरवाही के कारण सिंचाई की सुविधा किसान को नही मिल पा रही है। उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधा के अभाव में अपनी उपज बचाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। खेत नदी के किनारे होने के बावजूद किसानों को नलकूप की अनुमति न मिल पाने से वे भारी संकट का सामना कर रहे हैं। इसी प्रकार चैत राम पिता लाल सिंह निवासी घोठा भी अपने कृषि भूमि खसरा नंबर 1214/4 रकबा 0.50 हे. में उड़द व मक्का की फसल की सिंचाई हेतु अनुमति के लिए जल संसाधन विभाग का चक्कर लगा रहे है। पिछले 3-4 दिन से लगातार कार्यालय आ रहे है लेकिन अधिकारी से मुलाकात नहीं हो पा रही है। इसके पूर्व भी किसानो ने आरोप लगाया था की अनुविभागीय अधिकारी अपने कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते। उनके इसी रवैये से क्षेत्र के किसानो और आम जन में रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों ने बताया कि सिंचाई हेतु नलकूप की स्वीकृति नहीं मिलने से फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। किसान बारिश पर ही निर्भर हैं, जिससे उत्पादन लगातार घटता जा रहा है। किसानों का कहना है कि आधुनिक युग में भी यदि सिंचाई सुविधा न मिले तो खेती करना घाटे का सौदा बन जाता है। धान, सब्जी एवं अन्य मौसमी फसलें पानी के अभाव में नष्ट हो रही हैं, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से नदी से नलकूप की अनुमति प्रदान की जाए ।

जल संसाधन विभाग के खिलाफ होगा प्रदर्शन

आप पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष रोहित केमरो ने बताया की क्षेत्र के किसानो के साथ अन्याय बिल्कुल बर्दाशत नहीं किया जाएगा। क्षेत्र के किसान बारिश के बाद नहर व बांध के जल से खेतों की सुंचाई करते है। कृषि ही यहाँ के किसानो की आय का प्रमुख माध्यम है। इस कार्य में विभाग की लापरवाही और उदासीनता दिखना ठीक नहीं है। इसके पूर्व भी अनुविभागीय अधिकारी के खिलाफकई मामलो में शिकायते हुई है लेकिन उच्च अधिकारियों की साँठ गाँठ से मामले को रफ़ा दफ़ा कर दिया गया। लेकिन इस बार किसानो के साथ हो रहे अन्याय और लापरवाही को आप पार्टी बर्दाशत नहीं करेगी और जल्द ही विभाग और उनके अधिकारी के ख़िलाफ़प्रदर्शन व कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम से बदलेगी गांवों की तस्वीर और तकदीर

■ **मनरेगा से आगे बढ़कर 125 दिन का पक्का रोजगार, सात दिन में मजदूरी भुगतान**

■ **गरीब, किसान और मजदूर के जीवन में आएगा ऐतिहासिक बदलाव : सांसद महेश कश्यप**

नवप्रदेश/ सुकमा । गांवों के विकास की दिशा में केंद्र सरकार का विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025 एक मील का पत्थर साबित होगा। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने सुकमा स्थित अटल भाजपा सड़क जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह कानून गांवों की सूरत ही नहीं, तकदीर बदलने वाला है। इससे किसानों, मजदूरों और गरीब परिवारों के जीवन में स्थायी सुधार आएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य समृद्ध गांव और सशक्त गरीब है। वर्ष 2014 के बाद से बिजली, शौचालय, पक्का मकान, जनधन खाता जैसी योजनाएं गांव-गांव तक पहुंचीं और अब यह नया अधिनियम ग्रामीण विकास को नई ऊंचाई देगा।यह कानून मनरेगा से कहीं अधिक प्रभावी और पारदर्शी है। जहां पहले 100 दिन का रोजगार मिलता था, अब 125 दिन का पक्का रोजगार सुनिश्चित किया गया है। मजदूरी की राशि सात दिनों के भीतर सीधे खाते में पहुंचेगी और देरी होने पर मजदूर को अतिरिक्त भुगतान भी मिलेगा। इससे मजदूरी के लिए भटकने की मजबूरी खत्म होगी।

इस कानून से कौशल विकास को भी मिलेगा प्रोत्साहन

इस कानून से खेती के साथ-साथ पशुपालन, मछली पालन और कौशल विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। गांव में ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और लोगों को शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार इस योजना को घर-घर और गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा जिला अध्यक्ष धनीराम बारसे, सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह भदौरिया सहित भाजपा के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेती-किसानी को मिलेगा संरक्षण

– सांसद ने कहा कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए बुवाई और कटाई के समय 60 दिनों तक कार्य रोके जाने का प्रावधान किया गया है, ताकि खेतों में मजदूरों की कमी न हो। इससे खेती को नुकसान नहीं होगा और गांवों से पलायन पर भी रोक लगेगी।

पहले मनरेगा में फर्जी नाम, मशीनों से काम और भुगतान में गड़बड़ी की शिकायतें आम थीं। विकसित भारत जी–राम–जी अधिनियम इन खामियों पर सीधा प्रहार करेगा। सही मजदूर को ही काम और पैसा मिलेगा। योजना में सड़क, पुल, जल संरक्षण, आपदा प्रबंधन और रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी गई है। तालाब, नाले, सिंचाई और खेत से जुड़े कार्यों को विशेष बढ़ावा मिलेगा।

‘बस्तर बहिष्कार से नहीं, भाईचारे से बना है’ संविधान विरोधी और समाज को बांटने वाला बयान: सांसद

नवप्रदेश सुकमा। मंगलवार को सुकमा स्थित भाजपा अटल सदन कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान बस्तर सांसद महेश कश्यप द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। वीडियो में जनसभा को संबोधित करते हुए मनीष कुंजाम द्वारा सामान्य वर्ग को ‘बाहरी’ बताकर बस्तर छोड़ने की बात कहे जाने पर बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कड़ा ऐतराज़ दर्ज कराया।

सांसद महेश कश्यप ने इस बयान को संविधान विरोधी, समाज को विभाजित करने वाला और सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने वाला करार दिया। उन्होंने दो टूक कहा कि बस्तर की पहचान कभी बहिष्कार, नफरत या वर्ग-भेद से नहीं बनी है, बल्कि यह क्षेत्र सह-अस्तित्व, भाईचारे और साझा संघर्ष की मिसाल रहा है।

उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान न केवल सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते हैं, बल्कि बस्तर की उस मूल आत्मा पर भी चोट करते हैं, जिस पर यहां का समाज टिका हुआ है। अगर बस्तर में रहने का अधिकार जाति या वर्ग देखकर तय किया जाएगा, तो फिर संविधान और लोकतंत्र का क्या अर्थ रह जाएगा? भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है और देश के किसी भी हिस्से में निवास की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। ऐसे में किसी वर्ग विशेष को सार्वजनिक मंच से बस्तर से भगाने की बात करना संवैधानिक मर्यादाओं का सीधा उल्लंघन है।

बस्तर किसका? - ‘बाहरी’ बनाम बस्तर एक बयान और सुलगती सियासत-बस्तर की शांत फिज़ा उस वक्त सियासी उबाल में बदल गई, जब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सामान्य वर्ग को ‘बाहरी’ बताने वाला बयान सामने आया। इसके बाद राजनीतिक गलियारों से लेकर आम चौपालों तक तीखी बहस छिड़ गई।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद की पूर्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना बचेली से जारी विज्ञप्ति अनुसार वर्तमान में आंगनबाड़ी केंद्र ग्राम मोलसनार हुंगापारा, गंजेनार पाण्डुपारा, आंगनबाड़ी सहायिका पद रिक्त हैं। उक्त पदों पर विभागीय नियमानुसार नियुक्ति की जानी है। इस हेतु संबंधित ग्राम पंचायत के 6 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक इच्छुक सभी आवेदनकर्ताओं से संध्या 5.30 बजे तक कार्यालय में बंद लिफाफा, डाक या स्वयं के द्वारा आवेदन निश्चित प्रारूप में आमंत्रित किये गये हैं। शैक्षणिक अर्हता हेतु सहायिका पद 8वीं उत्तीर्ण होना तथा आयु 18 से 44 वर्ष की होना निर्धारित है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी, आवेदन पत्र का प्रारूप प्राप्त किये जाने हेतु सभी इच्छुक आवेदनकर्ता कार्यालयीन दिवसो में कार्यालयीन समय पर कार्यालय, एकीकृत बाल विकास परियोजना बचेली से संपर्क किया जा सकता हैं।

सीएसआर मद में भ्रष्टाचार की जांच और अन्य विषय को लेकर

11 पंचायत के सरपंच व ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अंतागढ़/ नवप्रदेश। सोमवार को मेटाबोदेली चारगांव माइंस प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणजन एवं 11 ग्राम पंचायत के सरपंच अंतागढ़ एसडीएम कार्यालयन पहुंचकर राहुल रजक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अंतागढ़ को तीन सूत्रीय मांग जिसमें पहला मेटाबोदेती चारगांव भाईस प्रभावित क्षेत्र में सीएसआर(छ्स्र्) मद से हुए निर्माण कार्यों के जाँच के संबंध।दूसरी मेटाबोदेली चारगांव माइंस परिवहन सड़क का तत्काल चौड़ीकरण किया जाए वही तीसरी मांग कोयलीबेड़ा व अंतागढ़ ब्लॉक के मेटाबोदेली चारगांव माइंस के प्रभावित क्षेत्र के पंचायतों को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से नए सिरे से सर्वे कर नाम जोड़ने के सम्बन्ध में ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन सौंपने वाले सरपंचों एवं ग्रामीणजनों का एक स्वर में कहना

ग्राम पंचायत कौड़ोसाल्हेभाट, टेमरुपानी, उदनपुर,गुड़ाबेड़ा, सुरेवाही, कामतेड़ा, भैंसासुर, दड़बीसाल्हेभाट, छोटेबोदेली और जिरमतराई के सरपंचों ने लिखित में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अंतागढ़ को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान एक स्वर में सरपंचों ने कहा, अगर जल्द से जल्द सीएसआर मद की जांच नहीं किया गया तो प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने कहा, प्रभावित क्षेत्र में सीएसआर मद की राशि खर्च करनी थी। कुछ अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्र से बाहर खर्च कर दिया

विश्रामपुरी में राज्य स्तरीय त्रिदिवसीय मानसगान एवं अध्यात्मिक सम्मेलन का हुआ समापन

विश्रामपुरी / नवप्रदेश। विश्रामपुरी मुख्यालय के रामलीला मैदान मे चल रहे त्रिदिवासीय मानसगान टीका प्रतियोगिता एवं अध्यात्मिक सम्मेलन का समापन हुआ! जिसमे पुरुष वर्ग से 11 टीम तथा महिला वर्ग से 10 टीम शामिल हुए इस तरह कुल 21 टीम ने भाग लिए!*पुरुष वर्ग से बस्तरिया एवं महिला वर्ग से जय मार्या संस्कार बालिका मानस परिवार ने मारी बाजी* तीन दिन से चले इस कार्यक्रम मे पुरुष वर्ग से प्रथम बस्तरिया मानस परिवार गम्हरी,द्वितीय परमेश्वर मानस परिवार सेमहतरा, तृतीय स्थान पर जय कपिस मानस परिवार आमाकोनी,पंचम सद्भावना मानस परिवार बड़ेराजपुर, सप्तम रघुवर मानस परिवार चर्रा रहा सप्तम रामरस मानस परिवार फरस गांव की टीम ने बाजी मारी ।

पेज 1 का शेष

ब्रिज से रेलवे पटरी पर गिरे ...

रुक गई। लोको पायलट मौके पर पहुंचा तो दोनों युवक दर्द से कराहते हुए मदद की गुहार लगा रहे थे।

इंदौर: मौतों पर हाईकोर्ट ...

उस पर भी उचित निर्देश जारी किए जाएंगे।

कोर्ट ने दूषित पानी से प्रभावित मरीजों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने इस पूरे मामले में हुई मौतों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है। अगली सुनवाई 15 जनवरी को होगी। इसमें मुख्य सचिव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें, दूषित पानी पीने से अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी अस्पतालों में 110 मरीज भर्ती हैं। अब तक कुल 421 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती किया जा चुका है। इनमें से 311 मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज किए जा चुके हैं। आईसीयू में 15 मरीजों का इलाज चल रहा है। उल्टी-दस्त के 38 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से 6 मरीजों को अरबिंदो हॉस्पिटल रेफर किया गया है।

यदि शिकायतें सुन लेते तो ये नौबत नहीं आती

अन्य याचिकाओं में यह मुद्दा भी उठाया गया है कि इस घटना से पहले ही स्थानीय निवासियों की ओर से कई शिकायतें की गई थीं, लेकिन प्रशासन ने उन पर कोई संज्ञान नहीं लिया। अगर समय रहते इन शिकायतों पर संज्ञान लिया गया होता और उचित रोकथाम के कदम उठाए गए होते तो यह घटना ही नहीं होती। सीनियर काउंसिल ने यह भी कोर्ट को बताया कि 2022 में महापौर द्वारा पीने के पानी की आपूर्ति के लिए नई पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन फंड जारी न होने के कारण यह काम अब तक नहीं हो पाया।

प्रदूषण बोर्ड की रिपोर्ट पर एक्शन नहीं लिया

याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी दलील दी गई कि साल 2017-18 में इंदौर के अलग-अलग इलाकों से पानी के 60 सैंपल लिए गए थे, जिनमें से 59 सैंपल पीने योग्य नहीं पाए गए। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस रिपोर्ट के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने यह भी तर्क रखा कि इस मामले में संबंधित अधिकारी केवल नागरिक (सिविल) जिम्मेदारी के ही नहीं, बल्कि आपराधिक जिम्मेदारी के भी दोषी हैं। याचिकाकर्ताओं ने इस पूरे मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने की मांग की है।

हाईकोर्ट बोला- एक नई स्टेटस रिपोर्ट पेश करें

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को निर्देश दिया है कि वे इस मामले में अपना जवाब दाखिल करें और एक नई स्टेटस रिपोर्ट पेश करें। यह स्पष्ट करना जरूरी है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार में स्वच्छ पेयजल का अधिकार भी शामिल है।

हाईकोर्ट ने इस मामले से जुड़े मुद्दों को 7 श्रेणियों में बांटा है...

- -प्रभावित लोगों के लिए तत्काल और आपात निर्देश।
- -रोकथाम और सुधारात्मक उपाय।
- -जिम्मेदारी तय करना।
- -अनुशासनात्मक कार्रवाई।
- -मुआवजा।
- -स्थानीय निकायों को निर्देश।
- -जन-जागरूकता और पारदर्शिता।

मादुरो बोल-'मैं निर्दोष...

किया कि उन पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। उन्होंने अमेरिकी न्याय विभाग की दलीलों को चुनौती देते हुए कहा कि यह मामला तथ्यों पर नहीं, बल्कि राजनीतिक द्वेष पर आधारित है। मादुरो के वकीलों ने तर्क दिया कि यह पूरी प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल का उल्लंघन है।

नार्को-टेररिज्म और तस्करी के गंभीर आरोप

अमेरिकी अभियोजकों ने मादुरो पर ‘कार्टेल ऑफ द संस’ नामक संगठन चलाने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, मादुरो ने कोलंबियाई विद्रोही समूह स्न्रक्र्ष्ट के साथ मिलकर पिछले दो दशकों में सैकड़ों टन कोकीन अमेरिका भेजने की साजिश रची। कोर्ट में पेश दस्तावेजों में दावा किया गया है कि मादुरो ने नशीले पदार्थों को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया ताकि अमेरिकी समाज को अस्थिर किया जा सके।

अमेरिकी कानून की सख्त धाराएं

इस मामले में मादुरो पर नार्को-टेररिज्म षड्यंत्र, कोकीन आयात करने की साजिश और भारी हथियारों के अवैध इस्तेमाल जैसी खतरनाक धाराएं लगाई गई हैं।

प्रदेश में फिर शीतलहर...

शामिल होंगे। बता दें कि, अंबिकापुर में रात का तापमान 4.8 डिग्री पहुंच गया, जबकि पेंड्रा में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सुबह और शाम के समय लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में शीतलहर चल सकती है। उत्तरी हिस्सों में एक-दो जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री अंबिकापुर में रहा। उत्तर भारत में सक्रिय पछुआ विक्षोभ के प्रभाव से पिछले दो दिनों तक बादलों की आवाजाही से ठंड सेकुछ राहत थी तथा रविवार को न्यूनतम पारा बढ़कर 9.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। विक्षोभ का प्रभाव खत्म होते ही पश्चिमोत्तर की सर्द हवाओं के प्रवाह के साथ ही घने कोहरे का कहर शुरू हो गया है। रविवार की शाम से ही लगातार पश्चिमोत्तर की ठंडी हवाएं चल रही है।

पारा में 5 डिग्री की गिरावट

पश्चिमोत्तर की सर्द हवाओं के प्रवाह से चालू सत्र में सोमवार को पहली बार 24 घंटे के भीतर न्यूनतम पारा में 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। इसके पूर्व पारा में कभी इतनी अधिक गिरावट नहीं आई थी। पारा में तेज गिरावट होने के साथ ही एक बार फिर शहर सहित पूरा सरगुजा संभाग शीतलहर की चपेट में है। कंपकंपी बढ़ने के कारण दिन में भी ठंड से राहत नहीं है जिसके कारण लोगों को हीटर एवं अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

लगातार पहुंच रही ठंडी हवाएं

रविवार की शाम से ही लगातार पश्चिमोत्तर की ठंडी हवाएं पहुंच रही है जिसके कारण तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई है। आगामी 3 दिनों तक मौसम के यथावत रहने की संभावना है।

8 को रायपुर आएंगे ...

से भी मुलाकात करेंगे। बताया जा रहा है कि, सचिन पायलट इस दौरे के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों पर भी फोकस करेंगे। नवनियुक्त जिलाध्यक्षों की भूमिका, जिम्मेदारियों और आगामी रणनीति को लेकर चर्चा होने की संभावना है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि, जिलाध्यक्षों की ट्रेनिंग और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर भी रूपरेखा तय की जा सकती है। कांग्रेस के लिए यह दौरा अहम माना जा रहा है, क्योंकि मनरेगा को लेकर पार्टी ने प्रदेशभर में आंदोलन छेड़ रखा है।

पिछला दौरे में ...

संविधान बचाओ दिवस के कार्यक्रम में भाग लिया। इसके बाद स्ढ्ढक्रअभियान को लेकर समीक्षा बैठक की थी। धमतरी के कार्यक्रमों के बाद वे कांकेर पहुंचे, जहां पार्टी पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक समीक्षा बैठक हुई थी। कांकेर से सचिन पायलट देर शाम जगदलपुर पहुंचे थे।

माइंस परिवहन सड़क की लीपापोती से ग्रामीण नाराज

अंतागढ़/ नवप्रदेश। चारगांव मेटाबोदेली लौह अयस्क खनन का कार्य निक्को कम्पनी के द्वारा किया जा रहा है जबकि रोजाना सैकड़ों ट्रक माल भरकर कुहचे कोदागाँव टेमरुपानी भैसासूर सुरेवाही से आते जाते है किंतु रोड कि स्थिति देखे तो जगह जगह गड्ढे चुका है, और सड़क का नामोनिसान नहीं है। वहीं ट्रकों से उड़ने वाली धूल के बवंडर से लोगो का जीना मुश्किल है। राह चलने वालों की स्थिति ऐसा है की वो अपना पहचान ही खो देते है ऐसा हाल है इस सड़क का फिर भी निको कंपनी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा कई बार ग्रामीण, जनप्रतिनिधि सामाजिक पदाधिकारी मिलकर रोड पर चक्का जाम कर रोड कि चौड़ीकरण के लिए मांग कर रहे है लेकिन कम्पनी द्वारा आश्वासन ही दे रहा है दो माह पहले क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सामाजिक पदाधिकारी ग्रामीण आंदोलन किये थे तो लामकन्हार मे एक जनसभा लगा जिसमें क्षेत्रीय विधायक सांसद, कलेक्टर समक्ष कहा गया था कि जनवरी तक रोड का चौड़ीकरण का काम चालू किया जायेगा लेकिन आज पर्यंत तक देखने को मिला रहा है कि निक्को कम्पनी के द्वारा कहुचे से पेंच वर्क का काम किया जा रहा है जिसको देखकर ग्रामीणो का कहना है कि जनवरी मे चौड़ीकरण करेंगे कहा गया था लेकिन यहा तो सिर्फलिपापोती काम चल रहा है ऐसी रवैया रहा तो कुछ दिनो मे फिर आंदोलन हो सकता है।

न्यूज गैलरी

विभिन्न तिथियों पर होगा लर्निंग लाईसेंस शिविर का आयोजन

बलरामपुर/नवप्रदेश। सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत् परिवहन एवं पुलिस विभाग के द्वारा लर्निंग लायसेंस शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 7 जनवरी को सबाग में एक दिवसीय शिविर, तहसील कार्यालय कुसमी, शंकरगढ़, राजपुर में 8 एवं 9 जनवरी को दो दिवसीय, तहसील कार्यालय रामानुजगंज में 11 एवं 12 जनवरी, पुराना बस स्टैंड बलरामपुर में 7 एवं 8 जनवरी, तहसील कार्यालय वाड्रफनगर में 11 एवं 12 जनवरी को शिविर आयोजित किया जाएगा। जो भी लाइसेंस बनवाना चाहते हैं आधार कार्ड, पेन कार्ड, दसवीं का मार्कशीट लेकर उपस्थित होंगे। लाइसेंस के लिए (शासकीय शुल्क एवं परिवहन सुविधा केन्द्र शुल्क) एक केटैगरी लाइसेंस 400 रूपये, दो केटैगरी लाइसेंस 500 रूपये, शुल्क निर्धारित है।

मनेन्द्रगढ़ में दिव्यांगजनों के लिए विशेष आधार शिविर

एमसीबी/नवप्रदेश। दिव्यांगजनों की सुविधा एवं सशक्तिकरण की दिशा में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर प्रशासन द्वारा एक सराहनीय पहल की जा रही है। जिले के दिव्यांगजनों के लिए विशेष आधार शिविर का आयोजन 09 जनवरी 2026 को जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के सभा कक्ष में किया जाएगा। इस विशेष शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को आधार कार्ड से संबंधित सभी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर के दौरान नया आधार कार्ड निर्माण, नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर सहित आवश्यक संशोधन, तथा आधार से जुड़ी तकनीकी समस्याओं का त्वरित एवं सरल समाधान किया जाएगा।प्रशासन का यह प्रयास दिव्यांगजनों को बार-बार विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाने के साथ-साथ उन्हें शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सहज रूप से उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा। शिविर का आयोजन दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूर्ण संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

फील्ड टेक्निशियन के 250 पदों पर भर्ती 12 को प्लेसमेंट कैंप

अंबिकापुर/नवप्रदेश। 12 जनवरी को प्रातः 11:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक एक दिवसीय प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त प्लेसमेंट कैंप में निजी नियोजक के संचालक विभान्शु लोधी उपस्थित रहेंगे। प्लेसमेंट कैंप के माध्यम से फील्ड टेक्निशियन के कुल 250 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता 12वीं, आई.टी.आई., डिप्लोमा, बी.टेक एवं बी.ई. उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 15,000 से 25,000 प्रतिमाह तक संभावित वेतन देय होगा। यह नियुक्तियां सरगुजा संभाग, छत्तीसगढ़ के लिए की जाएंगी।

कॉलेज में छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा

पोड़ीडीह में 9.46 करोड़ से 32 हेक्टेयर में बनेगा एग्रीकल्चर कॉलेज भवन

अंबिकापुर/नवप्रदेश। एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ विधानसभा अंतर्गत विकासखंड खड़गवां में क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक और कृषि विकास से जुड़ी सौगात मिली है। सोमवार को जनपद कार्यालय के समीप आयोजित भव्य कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि व स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में एग्रीकल्चर कॉलेज के निर्माण के लिए भूमि पूजन हुआ।

ब्लॉक खड़गवां के ग्राम पोड़ीडीह में लगभग 9.46 करोड़ रुपए की लागत से 26 हेक्टेयर रकबा में अत्याधुनिक हाईटेक एग्रीकल्चर कॉलेज भवन का निर्माण किया जाएगा। यह कॉलेज न केवल कृषि शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि आधुनिक कृषि तकनीक, अनुसंधान (रिसर्च) और नवाचार को भी बढ़ावा देगा।

कॉलेज में छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप कृषि क्षेत्र में दक्ष बन सकेंगे। इस एग्रीकल्चर कॉलेज की स्थापना से क्षेत्र के युवाओं को अपने ही इलाके में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अब छात्रों को कृषि की पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों में या अन्य जिले में नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों की बचत होगी। स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होने से

युवाओं में कृषि क्षेत्र के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे इसे लाभकारी करियर के रूप में अपनाएंगे। कॉलेज में होने वाले कृषि अनुसंधान का सीधा लाभ क्षेत्र के किसानों को मिलेगा। नई फसल किस्मों, उन्नत बीज, आधुनिक खेती की तकनीक, मृदा परीक्षण, जल प्रबंधन और जैविक खेती जैसे विषयों पर करने वाले शोध किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होंगे। विशेषज्ञों और छात्रों के सहयोग से किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कृषि उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार होगा। स्वास्थ्यमंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आमसभा में कहा कि एग्रीकल्चर कॉलेज के निर्माण और संचालन से क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भवन निर्माण के दौरान स्थानीय लोगों को काम मिलेगा, वहीं कॉलेज के संचालन से शिक्षक, कर्मचारी, तकनीकी विशेषज्ञ और सहायक स्टाफ की नियुक्ति होगी। इसके अलावा परिवहन, आवास, भोजन और अन्य सेवाओं से जुड़े व्यवसायों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। बहु-आय आधारित कृषि मॉडल को बढ़ावा देगाः नेताम एग्रीकल्चर कॉलेज और अनुसंधान केंद्र खड़गवां की स्थापना क्षेत्र के लिए दूरदर्शी और ऐतिहासिक निर्णय है। इससे किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण मिलेगा। प्रभारी मंत्री ने बताया कि जिले की 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। यह कॉलेज किसानों को दो और तीन फसल की ओर प्रेरित करेगा व मिश्रित और बहु-आय आधारित कृषि मॉडल को बढ़ावा देगा। उन्होंने क्षेत्र में नवीन पशु औषधालय भवन, कृषि महाविद्यालय में छात्रावास व आवश्यक सेटअप की भी घोषणा की है।

नृत्य और झांकियों से प्लास्टिक के खतरों की जानकारी दी

पर्यावरण संरक्षण को लेकर होलीक्रॉस स्कूल ने निकाली जागरूकता रैली

अंबिकापुर/नवप्रदेश। पर्यावरण संरक्षण और सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों के प्रति अलख जगाने के लिए सोमवार को होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने शहर में एक विशाल जागरूकता रैली निकाली। पिछले 10 वर्षों से लगातार जारी इस अभियान ने इस बार एक बड़ा रूप ले लिया है। छात्रों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सिंगल यूज प्लास्टिक रैपर पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है, जिसके समर्थन में शहर के 75 हजार नागरिकों ने हस्ताक्षर किए हैं।

रैली का शुभारंभ दोपहर 1 बजे महामाया चौक से हुआ। छात्रों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को सचेत किया। इस दौरान छात्रों द्वारा तैयार की गई प्लास्टिक दानव की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसने यह संदेश दिया कि कैसे प्लास्टिक हमारे पर्यावरण को निगल रहा है। विद्यालय की इस पहल की सराहना वर्ष 2020 में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर चुके हैं। इसी प्रोत्साहन का परिणाम है कि छात्र अब इसे एक जन-आंदोलन बना चुके हैं। रैली के समापन पर घड़ी चौक में नागरिकों को बताया गया कि 75 हजार हस्ताक्षरों वाला यह मांग-पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रेषित किया जा रहा है। छात्रों के इस नेक कार्य को समर्थन देने के लिए राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर शहर के दिग्गज नेता एक साथ नजर आए। कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, आदित्यश्वर शरण सिंह देव, पूर्व महापौर अजय तिर्की, शफी अहमद अन्य मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने छात्रों की स्वप्रेरणा और उनके 10 वर्षों के निरंतर संघर्ष की प्रशंसा की। जागरूकता फैलाने के लिए छात्रों ने केवल नारेबाजी ही नहीं की, बल्कि शहर के विभिन्न चौराहों पर नुक्कड़ नाटक और नृत्य के माध्यम से प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर सिस्टर जस्सी ने उपस्थित जनसमूह और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए इस अभियान को भविष्य में भी जारी रखने का संकल्प दोहराया।

मनेन्द्रगढ़ में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को मिली नई पहचान

एमसीबी/नवप्रदेश। जिले के नागरिकों को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। मनेन्द्रगढ़ में 10 शैय्या युक्त योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस केन्द्र के प्रावधिक संचालन हेतु आयुष विभाग एवं एसईसीएल के मध्य 05 जनवरी 2026 को कलेक्टर सभा कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम (मंत्री–आदिम जाति कल्याण, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मत्स्य पालन एवं पशुधन विकास विभाग) तथा श्याम बिहारी जायसवाल (मंत्री–लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन) की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सेंट्रल हॉस्पिटल आमाखेरवा, मनेन्द्रगढ़ द्वारा विधिवत रूप से एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। वर्तमान समय की बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव, असंतुलित दिनचर्या एवं शारीरिक निष्क्रियता के कारण विभिन्न रोगों में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा न केवल रोगों की रोकथाम में सहायक सिद्ध होती है, बल्कि संपूर्ण शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक स्वास्थ्य प्रदान करने का प्रभावी माध्यम भी है। प्रस्तावित केन्द्र के माध्यम से जिले के आम नागरिकों को योग, प्राणायाम, प्राकृतिक उपचार पद्धतियों तथा जीवनशैली सुधार से संबंधित सेवाएं सुलभ होंगी।

क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में अम्बिकापुर ने लखनपुर को दी शिकस्त

लखनपुर/नवप्रदेश। साक्षरता मिनी स्टेडियम लखनपुर में विंटर कप अंडर 23 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला अंबिकापुर व लखनपुर के मध्य खेला गया जहां पहले बल्लेबाजी करने उतरी अंबिकापुर की टीम 12 ओवर में 144 रन बटोरे लक्ष्य का पीछा करते लखनपुर के टीम 114 रन बनाकर ऑल आउट हो गई अंबिकापुर की टीम ने 20 रनों से जीत हासिल किया। अतिथियों ने विजेता टीम अंबिकापुर को 21000/- रुपए नगद व सील्ड देकर पुरस्कृत किया । वहीं उपविजेता टीम लखनपुर टीम को?10000/ नगद व सील्ड देकर पुरस्कृत किया गया जहां मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष दिनेश साहू , दिनेश बारी लुण्ड्रा विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू मुख्य नगर पंचायत अधिकारी विद्यासागर चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

1 से 5वीं तक के विद्यार्थियों हेतु 10 जनवरी तक विद्यालय बंद

अंबिकापुर/नवप्रदेश। जिले में पड़ रही अत्यधिक ठंड एवं शीतलहर को दृष्टिगत रखते हुए छात्रहित में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार कक्षा 1 से 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए जिले के समस्त विद्यालय 10 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे। हालांकि इस अवधि में समस्त शैक्षणिक एवं अन्य स्टॉफ निर्धारित समयावधि में विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों को ठंड से बचाव हेतु आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। यह आदेश जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त एवं अन्य सभी विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा। जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स चयन ट्रायल 8 जनवरी तक

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने बताया कि भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के प्रथम संस्करण का आयोजन आगामी 14 फरवरी 2026 में किया जाना निर्धारित है। इस आयोजन में राज्य टीम का गठन किए जाने हेतु जनजातीय खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 6 से 8 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में कुल 9 खेल विधाओं (7 प्रतियोगिता एवं 2 प्रदर्शन खेल) को शामिल किया गया है। राज्य स्तरीय टीम में सहभागिता के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल रायपुर एवं बिलासपुर में आयोजित किया जाएगा।

सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक बना छेरता तिहार

एमसीबी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की प्राचीन एवं समृद्ध लोकसंस्कृति का प्रतीक छेरता तिहार इस वर्ष ग्राम पंचायत बंजी स्थित आल्हामाड़ा धाम में श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक उल्लास के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। तीन दिवसीय यह लोकपर्व 03 से 05 जनवरी 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनजातीय समाज के लोग, जनप्रतिनिधि एवं सांस्कृतिक प्रेमी शामिल हुए। छेरता तिहार के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सुवा, सैला, कर्मा, लोकड़ी जैसे पारंपरिक लोकनृत्य, लोकगीत एवं खेल प्रतियोगिताओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर

दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि आल्हामाड़ा केवल तीर्थ नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। उन्होंने आल्हामाड़ा तीर्थ स्थल पर मंच एवं सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 40 लाख रुपये की घोषणा की। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने छेरता पर्व को पूरे क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान बताते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर दिया। छेरता तिहार ने एक बार फिर सिद्ध किया कि यह पर्व सामाजिक समरसता, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने वाला महोत्सव है।

'जी-राम-जी' अधिनियम से बदलेगी गांवों की तस्वीरः रामविचार नेताम

मनेन्द्रगढ़/एमसीबी/नवप्रदेश। एमसीबी जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025 देश के गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने यह बात सोमवार को लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह, मनेन्द्रगढ़ में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कही।

प्रभारी मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया यह अधिनियम किसानों, मज़दूरों और गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह अधिनियम मनरेगा का उन्नत और अधिक प्रभावी स्वरूप है, जिसके तहत अब ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के सुनिश्चित रोजगार की कानूनी गारंटी मिलेगी। उन्होंने कहा कि मजदूरी का भुगतान सात दिनों के भीतर किया जाएगा, और विलंब होने पर मजदूरों को अतिरिक्त राशि दी जाएगी। कृषि कार्यों को प्रभावित होने से बचाने के लिए बुवाई और कटाई के समय 60 दिनों तक कार्य रोकने का भी प्रावधान किया गया है। रामविचार नेताम ने कहा कि नया अधिनियम फर्जीवाड़े और धांधली पर रोक लगाएगा तथा जल सुरक्षा, ग्रामीण अधोसंरचना, आपदा सुरक्षा और आजीविका संवर्धन पर विशेष फोकस करेगा। यह कानून गांवों में स्थायी रोजगार और समृद्धि का नया अध्याय लिखेगा। पत्रकार वार्ता में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले, उपाध्यक्ष आशीष सिंह मीडिया प्रभारी राम चरित द्विवेदी, अनिल केशरवानी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेल

खिलाड़ियों के लिए पंजीयन की अवधि 12 जनवरी 2026 तक निर्धारित

सरगुजा ओलंपिक 2025-26 : जनजातीय अंचल की खेल प्रतिभा को मिलेगा नया मंच

एमसीबी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रायपुर के निर्देशानुसार विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक 2025-26 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। सरगुजा संभाग अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण यहाँ युवाओं में खेलों के प्रति अपार नैसर्गिक प्रतिभा विद्यमान है। इसी प्रतिभा को पहचानने, निखारने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के उद्देश्य से सरगुजा ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। सरगुजा ओलंपिक 2025-26 का मुख्य उद्देश्य शासन और जनता के मध्य मजबूत एवं प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करना, युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना तथा उनकी खेल एवं रचनात्मक प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सशक्त खिलाड़ी के रूप में विकसित करना है। इसी क्रम में प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों से पंजीयन हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। खिलाड़ियों के लिए पंजीयन की अवधि 28 दिसंबर 2025 से 12 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। इच्छुक खिलाड़ी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीयन करा सकते हैं। ऑनलाइन पंजीयन के लिए पोर्टल httpsÑ//rymc.cg.gov.in/sargujaOlympic2025 उपलब्ध कराया गया है, साथ ही बारकोड सुविधा भी दी गई है। ऑफलाइन पंजीयन फार्म संबंधित विकासखण्ड के जनपद पंचायत कार्यालय, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, नगर पंचायत/नगर पालिका निगम कार्यालय अथवा जिला खेल अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर वहीं जमा किए जा सकते हैं। प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का पंजीयन अनिवार्य होगा। एक खिलाड़ी केवल एक ही पंजीयन फार्म जमा कर सकेगा। दलीय खेलों के लिए सभी खिलाड़ियों के फार्म एक साथ जमा कराना अनिवार्य रहेगा। **जूनियर वर्गः** 14 से 17 वर्ष (बालक एवं बालिका) **सीनियर वर्गः** आयु बंधन नहीं (महिला एवं पुरुष) पंजीयन फार्म के आधार पर ही खिलाड़ियों की भागीदारी विकासखण्ड एवं जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में सुनिश्चित की जाएगी। सभी स्तरों पर खिलाड़ियों को आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र अथवा बैंक पासबुक की छायाप्रति जैसे मान्य पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। सरगुजा ओलंपिक 2025-26 निश्चित रूप से आदिवासी अंचल के युवाओं के लिए अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने, आगे बढ़ने और खेल के माध्यम से नई पहचान बनाने का एक ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा।

प्रतियोगिताएं एवं आयु वर्ग

सरगुजा ओलंपिक 2025-26 में एथलेटिक्स के अंतर्गत 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद, शॉटपुट, हैमर थ्रो, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो तथा 4म100 मीटर रिले रेस आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी (जिला स्तर), कुश्ती (जिला स्तर), कराते, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल तथा रस्साकस्सी (प्रदर्शनात्मक केवल महिला सीनियर वर्ग) प्रतियोगिताएँ भी शामिल हैं।

श्रमिकों को मिल रहा राजमिस्त्री का व्यावसायिक प्रशिक्षण

अंबिकापुर/नवप्रदेश। जिले में रोजगार के साथ-साथ कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत मनरेगा श्रमिकों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत अम्बिकापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मेन्ड्राखुर्द में मनरेगा से जुड़े श्रमिकों को राजमिस्त्री बनने हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे निर्माण कार्यों में दक्ष बनकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में संचालित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मनरेगा श्रमिकों की कार्यकुशलता में वृद्धि कर उन्हें अतिरिक्त आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे मनरेगा कार्यों के साथ-साथ अन्य निर्माण कार्यों में भी रोजगार प्राप्त कर सकेंप्रशिक्षण के दौरान श्रमिकों को ईंट-जोड़ाई, चिनाई, प्लास्टर, फर्श निर्माण, भवन संरचना की मूल तकनीक, माप-जोख, सामग्री की पहचान एवं सुरक्षा मानकों की व्यवहारिक जानकारी दी जा रही है।

न्यूज गैलरी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज ने किया पदभार ग्रहण

सक्ती/नवप्रदेश। पंकज पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने आज कोरिया से स्थानांतरण होने पर सक्ती जिले में अपनी ज्वाईनिंग देकर पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर (भापुसे) से सौजन्य भेंट की पुलिस अधीक्षक द्वारा उनको जिले की भौगौलिक राजनैतिक एवं सामाजिक व अपराधिक गतिविधियो के संबंध में जानकारी दी। पकंज पटेल इसके पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में बेमेतरा, मुंगेली एवं कोरिया में अपनी सेवाएं दे चुके है। मूलतः रायगढ़ निवासी पंकज पटेल एसडीओपी के रूप में नारायणपुर एवं कटघोरा जिला कोरबा में पदस्थ रहे है तथा अपने व्यवहार एवं सूझबूझ से विभिन्न अवसरों पर पूर्व में पदस्थ जिलो मे कानून व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण में सफल रहे हैं। पंकज पटेल की ज्वाईनिंग के समय रक्षित निरीक्षक उमेश कुमार राय, निरीक्षक प्रभारी स्टेनो वाय.एन.शर्मा एवं कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

पेंशनधारी वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

मुंगेली/नवप्रदेश। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय वयोवृद्ध कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के निर्देशानुसार रामगढ़ सियान सदन में सभी पेंशनधारी वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे, जिला नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश खैरवार तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के राय के मार्गदर्शन में वृद्धजनों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ मानसिक स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया गया। शिविर में नाक-कान-गला, नेत्र तथा अन्य विशेषज्ञ उपचार की आवश्यकता वाले पेंशनधारी वृद्धजनों को आगे की जांच एवं उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। इस पहल से वृद्धजनों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे उनके स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के मानसिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय ओबेरॉय, फर्मासिस्ट ओमप्रकाश भास्कर, नर्सिंग ऑफिसर नम्रता पाल सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक और कर्मचारी मौजूद रहे।

श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ माता परमेश्वरी की मूर्ति स्थापना, नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा

मुंगेली में माता परमेश्वरी का सात दिवसीय धार्मिक महोत्सव शुरु

मुंगेली/नवप्रदेश। देवांगन समाज की ईष्ट देवी माता परमेश्वरी का सात दिवसीय भव्य महोत्सव सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ प्रारंभ हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन कलश यात्रा के पश्चात विधि-विधान से माता परमेश्वरी की मूर्ति की स्थापना की गई। इस अवसर पर देवांगन समाज के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने माता की पूजा-अर्चना कर समाज सहित समस्त नगरवासियों के सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

सात दिवसीय माता परमेश्वरी महोत्सव के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा देवांगन बाड़ा से प्रारंभ होकर मुंगेली के हृदयस्थल पड़ाव चौक, पंडरिया रोड स्थित पुरानी पानी टंकी होते हुए माता अंगारमोती मंदिर पहुंची। वहां माता की पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने खर्रीपारा स्थित शंकर मंदिर एवं काली मंदिर में नारियल अर्पित कर आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात बायपास रोड से होते हुए यात्रा कार्यक्रम स्थल पहुंची।

कलश यात्रा में महिलाएं पारंपरिक परिधान में सिर पर कलश धारण कर भक्ति गीतों के साथ चल रही थीं, वहीं पुरुष वर्ग जय देवांगन जय महाजन, माता परमेश्वरी की जय जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना रहा था। माता परमेश्वरी के भव्य आगमन पर मुंगेली में बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर विशेष और अलौकिक महाआरती का आयोजन किया गया, जिसने पूरे नगर को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। आरती के दौरान

दीपों की रोशनी, शंखनाद और मंत्रोच्चार से वातावरण अत्यंत भावविभोर हो गया।

यह क्षण नगरवासियों के लिए ऐतिहासिक बन गया, जहां श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। 4 जनवरी को ग्राम बरेला से माता परमेश्वरी की मूर्ति को भव्य रूप से लाया गया। माता परमेश्वरी चौक पहुंचने पर समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा कर माता का स्वागत किया। इसके पश्चात माता को देवांगन बाड़ा कार्यक्रम स्थल लाया गया। माता के आगमन को देखकर श्रद्धालुओं के चेहरे खुशी से खिल उठे और सभी ने माता के चरणों में शीश झुकाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस दौरान जिला अध्यक्ष आनंद देवांगन अधिवक्ता एवं मीडिया प्रभारी कोमल देवांगन मुंगेलिहा ने बताया कि माता परमेश्वरी के आगमन का इंतजार उन्हें पूरे वर्ष रहता है और इस महोत्सव को वे एक पर्व के रूप में मनाते हैं, जिसमें आपसी मेल-मिलाप और सामाजिक एकता का भी अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है। सात दिवसीय माता परमेश्वरी महोत्सव के दौरान माता के दर्शन हेतु केंद्रीय एवं राज्य स्तर के कई जनप्रतिनिधियों के आगमन की संभावना है। इनमें केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, श्रम व उद्योग मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन, स्थानीय विधायक पुन्नूलाल मोहले सहित अन्य जनप्रतिनिधि माता के दर्शन कर आशीर्वाद लेंगे। माता परमेश्वरी महोत्सव के अंतर्गत 8 जनवरी को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक माता परमेश्वरी प्रांगण में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में देवांगन समाज अध्यक्ष आनंद देवांगन अधिवक्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु देवांगन, युवा टीम अध्यक्ष दुर्गेश देवांगन, प्रदेश देवांगन समाज मीडिया प्रभारी कोमल देवांगन सहित सुदामा देवांगन, अजय देवांगन, शत्रुघ्न देवांगन, जगदीश देवांगन, अनिल देवांगन, ददुआ देवांगन, अमन देवांगन, बलराम देवांगन, रजत देवांगन, गोलू देवांगन एवं बड़ी संख्या में समाज के लोगों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

कविता चौराहे पर साहित्य मंच के 21वें स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन

मुंगेली की साहित्यिक माटी ने वीर शहीदों और कलम के साधकों को किया नमन

शहीद राजकमल के माता-पिता और साहित्यकार बुधराम यादव सम्मानित

कवियों ने काव्य पाठ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया

कविता चौराहे पर साहित्य मंच ने अपने स्थापना के 21 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने पर सियान सदन में गरिमामयी समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दो सत्रों में आयोजित इस समारोह में शहीद परिवार और वरिष्ठ साहित्यकारों का सम्मान किया गया, वहीं प्रदेशभर से आए कवियों ने काव्य पाठ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

मुंगेली/नवप्रदेश। कविता चौराहे पर साहित्य मंच ने अपने स्थापना के 21 गौरवशाली वर्ष पूरे होने पर सियान सदन में गरिमामयी समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमें एक ओर जहां राष्ट्र रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने वाले शहीद के परिजनों व वरिष्ठ साहित्यकार को सम्मानित कर कृतज्ञता ज्ञापित की गई, वहीं दूसरी ओर प्रदेश भर से आए कवियों ने अपनी रचनाओं से साहित्य की रसधार बहाई।

समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों ने पोस्टर प्रदर्शनी का फीता काटकर विमोचन किया। इस सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय सचिव वरिष्ठ नागरिक संघ धनेश कुमार सोलंकी उपस्थित रहे। मंच पर कविता चौराहे पर के संरक्षक जेठमल कोटड़िया, मनोज अग्रवाल, डॉ. चंद्रशेखर सिंह एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पाठक बतौर अतिथि मंचासीन रहे।

कविता चौराहे पर साहित्य मंच के 21वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था के सह-संयोजक जगदीश प्रसाद देवांगन ने मंच के दो दशकों के संघर्ष और सफलता का यात्रा वृत्तांत प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक छोटी सी शुरुआत आज एक वटवृक्ष बन चुकी है। यात्रा वृत्तांत प्रस्तुत करते हुए देवांगन ने बताया कि इस मंच की नींव वर्ष 2005 में राकेश गुप्त निर्मल द्वारा रखी गई थी। एकला चलो रे के मंत्र को आत्मसात करते हुए उन्होंने स्वयं के व्यय से एक श्यामपट्ट (ब्लैकबोर्ड) और चाक खरीदा और पुराने बस स्टैंड के चौराहे पर अपनी रचनाएं लिखकर साहित्य की सरिता प्रवाहित की। धीरे-धीरे लोग जुड़ते गए और यह एक कारवां बन गया। उन्होंने गर्व के साथ साझा किया कि आज यह मंच केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों के स्थापित एवं उभरते साहित्यकारों की रचनाओं को भी स्थान दे रहा है। अब तक इस मंच से 524 अंक प्रसारित हो चुके हैं और 525वां अंक आंग्ल नववर्ष विशेषांक के रूप में जारी किया गया है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन करते हुए युवा साहित्यकार ने उपस्थित अतिथियों और श्रोताओं को समृद्ध साहित्यिक इतिहास से अवगत कराया। उन्होंने बड़े गर्व के साथ साझा किया कि के कवि सम्मेलनों में पद्मभूषण गोपाल दास नीरज, हास्य सम्राट काका हाथरसी, संतोष आनंद, बृजेन्द्र अवस्थी, सुरेश अवस्थी, एकता शबनम, बरखा रानी, विकल साकेती, प्रभा ठाकुर, नंदू लाल चोटिया और जेमनी हरियाणवी जैसे देश के ख्यातिलब्ध और प्रतिष्ठित कवि अपनी काव्य गरिमा बिखेर चुके हैं। इन महान विभूतियों की उपस्थिति ने को साहित्य के मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। कार्यक्रम में अमर शहीद राजकमल कश्यप के माता चंद्रिका कश्यप एवं पिता राधेश्याम कश्यप को अमर बलिदान स्मृति सम्मान से नवाजा गया। उन्हें भारत माता का छायाचित्र भेंट कर उनकी वीरता को नमन किया गया।

बीआर विद्यालय का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला मुख्यालय स्थित बीआर साव शासकीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में साफ-सफाई की स्थिति, कक्षाओं में अव्यवस्था एवं मूलभूत सुविधाओं की कमी पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि विभिन्न विषयों की पाठ्य-पुस्तकों का समुचित वितरण विद्यार्थियों को नहीं किया गया है। इस पर कलेक्टर ने संबंधितों को कड़ी फटकार लगाते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी शिक्षा सहित मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने विद्यालय में शौचालय एवं पेयजल की समस्या, टूटी खिड़कियां तथा बच्चों से साफ-सफाई कराए जाने की बात बताई। इन सभी कमियों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उप प्राचार्य राजेन्द्र क्षत्री, प्रधान पाठिका शकुंतला राजपूत एवं व्याख्याता अनीता दीक्षित को विद्यालय में साफ-सफाई एवं व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त व्याख्याता दिनेश कुमार घोसले को पाठ्य-पुस्तकों का उचित एवं समय पर वितरण सुनिश्चित नहीं किए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने, बेहतर प्रदर्शन करने एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने ग्रीष्मकालीन कक्षाओं एवं कौशल विकास से संबंधित प्रशिक्षण की मांग रखी, जिस पर कलेक्टर ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

21 गांवों के किसानों को नहीं मिल रहा उपचार

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम सेतगंगा में संचालित पशु चिकित्सालय एवं गर्भाधान केन्द्र परिचारक के भरोसे संचालित हो रहा है। यहां जिस डॉक्टर की ड्यूटी है आज पर्यन्त कभी झांकने तक नही आये है। जिसके चलते पशु मालिको को ईलाज के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पडता है। जिम्मेदार अधिकारियो से इस विषय पर चर्चा करने के बाद भी अधिकारियो के कान में जू नही रेंगता।

एक तरफ राज्य सरकार भले ही किसानों को अनेक सुविधा देने की दावा करने के साथ साथ पशु पालन के लिए लोगो को प्रेरित कर रही है लेकिन कुछ जिम्मेदार ऐसे है जो सरकार की योजनाओं का पलीता लगा रहे है। उल्लेखनीय है कि धर्म नगरी सेतगंगा में संचालित पशु चिकित्सालय एवं गर्भाधान केन्द्र में 21 गांव संचालित है क्षेत्र के किसान जब अपने बीमार पशुओ को ईलाज के लिए केन्द्र में आते है तो उनका ईलाज नही हो पाया। केन्द्र में आयेदिन ताला लटकता रहता है अस्पताल कभी कभी नही खुलता। यहां पदस्थ परिचारक से मोबाईल पर संपर्क करने पर घर जाकर ईलाज करना है। यहां पदस्थ प्रभारी प्रभार लेने के बाद आज तक झांकने नही आएं है इस विषय पर उनसे संपर्क करने पर उनका कहना है कि 4-5 केन्द्रो का अतिरिक्त प्रभार मिलने के कारण समय नही मिलता। जहां पशु मालिक पशु की ईलाज के लिए मोबाइल पर संपर्क करते है तो वह आसपास में निजी डाक्टर से ईलाज करवाने की सलाद देते है केन्द्र में पदस्थ डाक्टर एवं परिचारक मनमानी ढंग से अस्पताल को चला रहे है। पंडोतरा निवासी दिलेश्वर गबेल गत दिवस अपने बीमार पशु को ईलाज के लिए यहां तो परिचारक भी नदारद मिले। प्रभारी अधिकारी डॉ. पीपी चन्द्रा से इस संदर्भ में मोबाईल से चर्चा हुई तो उन्होने निजी डाक्टर से ईलाज करवाने की सलाह दी। क्षेत्र के पशु पालक अपने बीमार पशु का ईलाज निजी डाक्टर से करवाने विवश व मजबूर है। श्री गबेल ने जिला अधिकारी मुंगेली को भी इस संदर्भ में अवगत कराया था लेकिन समस्या आज तक यथावत है।

आत्मानंद स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण

मुंगेली/नवप्रदेश। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा का आकस्मिक निरीक्षण मुख्य नगर पालिका अधिकारी होरी सिंह ठाकुर द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षक उपस्थिति और छात्र-छात्राओं के बौद्धिक स्तर का परीक्षण किया गया। शिक्षक उपस्थिति एवं विद्यालय संचालन हाई एवं हायर सेकेंडरी विभाग की कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित पाई गईं। विद्यालय के कुल 37 स्वीकृत पदों मे कुल 31 शिक्षक उपस्थित मिले। शेष में से 02 शिक्षिकाएं मातृत्व अवकाश, 01 शिक्षक आकस्मिक अवकाश तथा 01 सहायक शिक्षक बीएलओ कार्य में संलग्न पाए गए।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टोरेट परिसर स्थित मनियारी सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने लक्ष्य अनुरूप धीमी प्रगति पर जेई एवं एई पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केन्द्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना है। योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने ईई को निर्देशित किया कि वे अधिक से अधिक नागरिकों को योजना से जोड़ने हेतु प्रेरित करें, लोगों को इसके लाभों की जानकारी दें तथा जिले में सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों को सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने की एक महत्वाकांक्षी योजना है और इसके सफल क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने बैंक शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विद्युत विभाग ईई की संज्ञान में लाए बिना किसी भी ऋण आवेदन को अस्वीकृत न किया जाए, ताकि हितग्राहियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वेंडर्स को निर्धारित लक्ष्य एवं समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आपसी समन्वय से कार्य करते हुए योजना को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

कोयला तस्करी के आरोप में पत्रकार को फंसाने की साजिश, डीजीपी व आईजी को सौंपा ज्ञापन

लखनपुर/नवप्रदेश। अवैध कोयला तस्करी के झूठे मामले में फंसाने की कथित साजिश को लेकर सरगुजा जिले के वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश जायसवाल ने पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। यह ज्ञापन 4 जनवरी 2026 रविवार को सौंपा गया। अखिलेश जायसवाल, निवासी महंगाई थाना रामानुजनगर, वर्तमान में एक दैनिक अखबार के प्रतिनिधि होने के साथ-साथ भारतीय पत्रकार समिति छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव भी हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि कुछ स्थानीय पत्रकार आपसी प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या के चलते विश्रामपुर पुलिस से कथित सांठगांठ कर उन्हें अवैध कोयला तस्करी के मामले में झूठे रूप से फंसाने का प्रयास कर रहे हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 30 दिसंबर 2025 की सुबह बिलासपुर की ओर से आ रहे कोयला लोड ट्रक क्रमांक छ्त्त 15 ؍ष्ट 4616 को पुलिस द्वारा रोके जाने की सूचना पर वे समाचार कवरेज के लिए ग्राम लैंगा के पास पहुंचे थे। मौके पर पहले से कुछ पत्रकार मौजूद थे। राजापुर चौक के पास ट्रक चालक और खलासी के साथ कुछ लोगों द्वारा हाथ-मुक्कों और डंडों से मारपीट की जा रही थी।

चालक ने उन्हें पहचानते हुए मदद की गुहार लगाई और बताया कि पिछले एक घंटे से उन्हें बेवजह रोका और पीटा जा रहा है। अखिलेश जायसवाल के अनुसार जब उन्होंने मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू की तो पुलिसकर्मियों ने रोक दिया और थाने में पूछताछ की बात कही। पुलिस ट्रक, चालक और हेल्पर को थाना विश्रामपुर ले गई, जहां मारपीट करने वाले कथित पत्रकार भी पहुंच गए और थाने के भीतर फिर से मारपीट शुरू कर दी। उनका उद्देश्य माहौल बनाकर दबाव पैदा करना था। उन्होंने बताया कि जब थाने में हो रही मारपीट पर सवाल उठाया गया तो पुलिस ने हस्तक्षेप कर सभी को हटाया और जांच का आश्वासन दिया। बाद में सूत्रों से जानकारी मिली कि कुछ तत्व विश्रामपुर थाना और साइबर पुलिस के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से उन्हें अवैध कोयला ट्रक छुड़ाने के प्रयास में फंसाने की साजिश रच रहे हैं।

समीक्षा बैठक

पारदर्शी खरीदी के लिए सख्त निगरानी, उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा पुरस्कार

धान खरीदी व्यवस्था की कलेक्टर ने की समीक्षा, अवैध धान पर जीरो टॉलरेंस के निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष धान खरीदी व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में नोडल अधिकारियों, समिति प्रबंधकों एवं ट्रस्टेड पर्सन की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में धान खरीदी के सफलतापूर्वक डेढ़ माह से अधिक पूर्ण होने पर कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी तथा शेष अवधि में भी पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बेहतर और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत भी किया जाएगा।

कलेक्टर ने रकबा समर्पण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए जिन समितियों में रकबा समर्पण की प्रक्रिया धीमी पाई गई, वहां तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को उन्होंने शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि वास्तविक

किसानों को ही लाभ मिले और शासन के हित सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि अवैध धान के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और पारदर्शी धान खरीदी सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर ने धान उपार्जन केंद्रों से लेकर परिवहन मार्ग तक सख्त निगरानी रखने तथा अवैध धान खपाने वाले कोचियों एवं बिचौलियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सतर्क ऐप एवं कमांड सेंटर के माध्यम से धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया की जिला एवं राज्य स्तर पर बारीकी से मॉनिटरिंग की जा रही है और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने समितियों में बिना गेट पास के प्रवेश पर प्रतिबंध, प्रवेश के समय जीपीएस की सक्रियता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित प्रक्रिया का पूर्ण पालन करते हुए पारदर्शी धान खरीदी करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने राजस्व अधिकारियों से टोकन सत्यापन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि टोकन जारी करने से लेकर धान खरीदी तक प्रत्येक चरण में सघन जांच एवं सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए। धान खरीदी से संबंधित जो भी एलर्ट प्राप्त हों, उन्हें गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की जाए।

830 से अधिक नए नाम जोड़ने के आवेदन प्राप्त

मुंगेली/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण अभियान निरंतर जारी है। अभियान के अंतर्गत ऐसे सभी नागरिक, जो 01 अक्टूबर 2026 की अर्हता तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, उनसे फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के दौरान अब तक नाम जोड़ने के लिए 830 से अधिक फॉर्म-6 प्राप्त हो चुके हैं, वहीं नाम विलोपन हेतु 03 फॉर्म-7 भी जमा किए गए हैं।

प्राप्त आवेदनों के आधार पर नियमानुसार नाम जोड़ने एवं विलोपन की कार्यवाही की जा रही है, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाया जा सके। सूची के संबंध में दावा-आपत्ति 22 जनवरी तक किया जा सकता है। सभी दावों एवं आपत्तियों के निराकरण के पश्चात अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 14 फरवरी को किया जाएगा। प्रशासन ने पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की है।

तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए दो का चयन

महासमुंद /नवप्रदेश।। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 6 से 10 जनवरी तक रांची (झारखंड) में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय शालेय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए जिले की दो बालिकाओं का चयन हुआ है। खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर, एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग की डोमेश्वरी साहू (कक्षा 11) का रिकर्व राउंड ,दुर्गेश्वरी साहू (कक्षा 9) का कंपाउंड राउंड में अंडर-17 वर्ग के लिए चयन किया गया है।व्यायाम शिक्षक डॉ. सुनील कुमार भोई ने बताया कि दोनों खिलाड़ियों का चयन कोण्डागांव में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। दोनों खिलाड़ी प्रशिक्षक एवन कुमार साहू के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास कर रही हैं।पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर दिखा चुकी हैं प्रतिभा- डोमेश्वरी साहू इससे पूर्व सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता, ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश) में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। खिलाड़ियों के चयन पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सहायक आयुक्त शिल्पा साय, खेल अधिकारी मनोज कुमार धृतलहरे, एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं शाला विकास समिति के सदस्यों ने शुभकामनाएं दीं और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की।

मनुष्य को शुद्ध, सात्त्विक और शाकाहार आधारित जीवन शैली अपनानी चाहिए

महासमुंद /नवप्रदेश।। कुलिया (कोमाखान) स्थित श्री शिव मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दौरान भागवताचार्य पं. त्रिभुवन मिश्रा ने मानव जीवन की सार्थकता, वैदिक परंपराओं, शाकाहार तथा नाम जप के महत्व पर गहन और प्रेरक प्रवचन दिया। कथा के तीसरे दिन उन्होंने अजामिल की कथा का विस्तारपूर्वक वर्णन करते हुए कहा कि कलियुग में भगवान का नाम ही मोक्ष का सरल, सहज और प्रभावी मार्ग है। भागवताचार्य पं. मिश्रा ने शाकाहार को मानव जीवन के लिए अनिवार्य बताते हुए कहा कि मनुष्य का शरीर मूलतः शाकाहार के लिए ही निर्मित है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि शाकाहारी जीव होंठों से जल ग्रहण करते हैं, जबकि मांसाहारी जीव जीभ से पानी उठाकर पीते हैं। यह स्वयं प्रकृति का स्पष्ट संकेत है कि मानव शरीर मांसाहार के अनुकूल नहीं है। ऐसे में मनुष्य को शुद्ध, सात्त्विक और शाकाहार आधारित जीवन शैली अपनानी चाहिए।

समय की मांग है समरसता : त्रिवेदी

महासमुंद /नवप्रदेश।। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित हनीड्यू स्कूल के सामने मैदान में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संत समाज की ओर से पंडित जवाहर लाल त्रिवेदी (ज्योतिषाचार्य), महिला वक्ता यशोदा चौहान (सचिव, महिला समिति एकल अभियान, महासमुंद) तथा मुख्य वक्ता हरिओम शर्मा (प्रांत संयोजक, कुटुंब प्रबोधन, आरएसएस छत्तीसगढ़) विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पं. त्रिवेदी ने कहा कि यह आयोजन समाज और राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। उन्होंने समाज में समरसता को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि हिन्दू एक धर्म ही नहीं, बल्कि एक समावेशी विचारधारा है, जो सभी धर्मों का सम्मान करती है। उन्होंने हिंदुत्व की विभिन्न व्याख्याओं पर प्रकाश डालते हुए सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गुरु गोबिंद सिंह महाराज का प्रकाश पर्व

- गुरुद्वारों में सजे धार्मिक आयोजन, सहज पाठ साहिब के भोग उपरांत विशाल लंगर का वितरण

गरियाबंद/नवप्रदेश। सिख धर्म के दशम गुरु, महान योद्धा, कवि, दार्शनिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज की जयंती के पावन अवसर पर गरियाबंद में प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के गुरुद्वारे में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारे को आकर्षक विद्युत रोशनी और फूलों से सजाया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था।

सोमवार दोपहर को सहज पाठ साहिब जी के भोग की विधिवत समाप्ति के पश्चात गुरु का अटूट लंगर प्रारंभ किया गया। इस आयोजन का संचालन सिख समाज द्वारा किया गया, जिसमें सभी धर्म और वर्ग के नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और लंगर प्रसादी ग्रहण की।

कार्यक्रम के दौरान गुरुनूर कुकरेजा ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ÷गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज केवल सिख समाज के ही नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अन्याय के खिलाफसंघर्ष, समानता, साहस और बलिदान का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी प्रासंगिक है। प्रकाश पर्व हमें सत्य, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।÷

वहीं सिख समाज के वरिष्ठ सदस्य बलदेव सिंह हूँदल ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर समाज को आत्मसम्मान और एकता का संदेश दिया। उन्होंने अत्याचार के विरुद्ध खड़े होने का साहस दिया। आज का यह आयोजन हमें गुरु साहिब की शिक्षाओं को जीवन में उतारने का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करता है।प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारे में शबद कीर्तन, अरदास और गुरु इतिहास का पाठ भी किया गया।

धान खरीदी 31 जनवरी तक असंभव, खरीदी लिमिट बढ़ाने की मांग, तौल की हुई शिकायत

हड़ताल से धान खरीदी हुई प्रभावित, हमाल भी वसूल रहे मोटी रकम

- किसानों से तौल कराने की शिकायत,किसानों से पैसे की माग भी
- फटे बोरे की भी शिकायत

धरसीवां/ नवप7प्रदेश। धान खरीदी 15 नवंबर नवंबर से शुरू जरूर किए थे लेकिन धान खरीदी करने वाले सेवा सहकारी समिति प्रबंधक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर संघ हड़ताल पर होने पर वैकल्पिक कर्मचारी से धान खरीदी में भारी अड़चन के कारण धान खरीदी पूरी तरह प्रभावित हुआ हड़ताल समाप्त होने के बाद समितियों के कर्मचारी जरूर आ गए लेकिन खरीदी लिमिट नहीं बढ़ाने के कारण लगभग 20दिन प्रभावित रहा फिर बाद में किसानों द्वारा लगातार माग होने के कारण समितियों की लिमिट बढ़ाई तब जाकर टोकन के लिए किसानों को थोड़ी राहत मिल पाई लेकिन इस बीच खरीदी लिमिट बढ़ाने में काफी लेट हो चुका था अभी भी बहुत से किसानों का टोकन नहीं कटा है ऐसी स्थिति में खरीदी लिमिट बढ़ाने की आवश्यकता है अगर खरीदी लिमिट नहीं बढ़ाने की स्थिति में बहुत से समितियों में खरीदी नहीं हो पाएगी।समितियों में आधा बारदाना पुराना आधा नया बारदाना दिया जाता है जो बारदाना पुराना राइस मिल से दिया जा रहा है 25तफ्टा बारदाना है जिससे किसानों को धान भरने में असुविधा हो रही है धान का भी नुकसान हो रहा है,कही कही किसानों द्वारा धान वजन करना पड़ रहा है ,हमाल के माध्यम से किसानों से मोटी रकम वसूली की भी शिकायतें हो रही है।

किसान नेता पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग कि है कि किसानों को टोकन दिया जाय,समितियों की खरीदी लिमिट बढ़ाया जाय तभी खरीदी नियत तिथि 31जनवरी तक खरीदी हो पाएगी अन्यथा किसानों का धान नहीं बिक पाएगा,परिवहन भी तत्काल चालू किया जाए जिससे किसानों को धान बेचने में सुविधा न हो अनेकों जगह किसानों को धान तौलने को कहा जा रहा है किसानों से तौल होने के बाद चाय नाश्ते के लिए मोटी रकम वसूली किया जा रहा है तत्काल बंद हो अन्यथा किसानों की साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान घनश्याम वर्मा , राजा भैया , हरीश साहू , प्रेमलाल पाल अनेकों किसान उपस्थित रहे।

कॉलेज ऑफ फार्मेसी, टेकारी में POSH अधिनियम पर जागरूकता कार्यक्रम

धरसीवां / नवप्रदेश। कोलंबिया कॉलेज ऑफ फार्मेसी, टेकारी (छत्तीसगढ़) में आंतरिक शिकायत समिति के तत्वावधान में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 पर एक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती अलका बघेल, ICC नोडल अधिकारी, कोलंबिया कॉलेज ऑफफार्मेसी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. प्रिया राव, एसोसिएट प्रोफेसर, विधि विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर रहीं। उन्होंने POSH अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं के अधिकारों, कर्तव्यों, यौन उत्पीड़न के विभिन्न स्वरूपों, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कोलंबिया कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सराफसर ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम संस्थान में सुरक्षित, संवेदनशील और सम्मानजनक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर डॉ. निवेदिता गौतम, चेयरपर्सन – ICC ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जागरूकता कार्यक्रम में कॉलेज के टीचिंग स्टाफ खुशबू वर्मा, दिव्या टिकरीहा , प्रियंका विश्वकर्मा, कंचन मरकाम, चंचल साहू, प्रज्ञा पाठक, निहारिका साहू एवं नॉन-टीचिंग स्टाफतथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं स्टाफ द्वारा पूछे गए अनेक प्रश्नों और शंकाओं का डॉ. प्रिया राव ने सरल, स्पष्ट एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समाधान किया। कार्यक्रम को सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

नपाध्यक्ष ने अपना मार्केट के दुकानदारों की सुनी समस्याएं

समाधान का दिया आश्वासन

महासमुंद /नवप्रदेश। नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने नगर भ्रमण के दौरान शहर के अपना मार्केट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय दुकानदारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। व्यवसायियों ने सफाई व्यवस्था सहित अन्य आवश्यकताओं से नपाध्यक्ष को अवगत कराया। अध्यक्ष श्री साहू ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि नगर के सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। नालों की सफाई, सीसी रोड निर्माण और पेयजल आपूर्ति में सुधार के लिए लगातार कार्य जारी है। अध्यक्ष ने कर्मचारियों को जनता से संवाद बनाए रखने और समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका अध्यक्ष के जनसंपर्क अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष की सक्रियता से नगर में विकास कार्यों की गति तेज हुई है।

अध्यक्ष श्री साहू ने दोहराया कि जनसेवा ही उनका संकल्प है, और नगर की हर गली तक विकास पहुंचाना उनका लक्ष्य है। उन्होंने सभी नागरिकों से नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

पीएम ग्राम सड़क योजना की सड़क पर पैच मरम्मत एवं संधारण कार्य पूर्ण

गरियाबंद / नवप्रदेश।। छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, जिला गरियाबंद अंतर्गत विकासखंड देवभोग में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़क पर आवश्यक पैच मरम्मत एवं संधारण कार्य किया जा रहा है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, परियोजना क्रियान्वयन इकाई गरियाबंद से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2023-24 में स्वीकृत धुवापारा से उड़ीसा सीमा तक 2.30 किलोमीटर लंबाई की सड़क का निर्माण कार्य दिनांक 30 अप्रैल 2024 को पूर्ण किया गया था। उक्त सड़क वर्तमान में तीन वर्ष की संधारण अवधि में सम्मिलित है।

कार्यपालन अभियंता ने बताया कि यह सड़क मुख्य मार्ग अमलीपदर (एमडीआर) से जुड़ी हुई है। सड़क निर्माण के उपरांत उड़ीसा सीमा से लगे क्षेत्रों में गिट्टी क्रशर एवं मक्का के उत्पादन अत्यधिक होने के कारण क 40-50 टन से अधिक भार वाहन क्षमता के माल वाहनों का परिचालन में वृद्धि होने के कारण अधिक भार क्षमता वाले भारी माल वाहनों का आवागमन लगातार हो रहा है। इस कारण कुछ स्थानों पर सड़क की सतह प्रभावित हुई है। पीएम ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 12 टन भार वाहन के आवागमन की क्षमता होती है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 9981 / लो.क.वि/न.पा.नि. / 2026 रायगढ़ दिनांक 6/01/26

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र "अ" में पी. डब्ल्यू.डी. एसओआर दिनांक 01.01.2015 प्रचलित से दिनांक 27.01.26 को अपरान्ह 04:00 बजे तक स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से मुहरबंद निविदाएं त्रि-लिफाफा पद्धति से आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 27/01/26 को अपरान्ह 04:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी। विस्तृत जानकारी नगर पालिक निगम, रायगढ़ कार्यालय एवं वेबसाईट www.nagarnigamraigarh.com/uad.cg.gov.in से का अवलोकन कर सकते हैं।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख मे) / अमानत राशि
1	महापौर निधि से वार्ड क्र. 09 गोपाल कसेर घर के पास चबुतरा सह शेड निर्माण कार्य।	08.63/6,500.00
2	महापौर मद से वार्ड क्र. 14 में बजरंगपारा हनुमान मंदिर के पास शेड निर्माण कार्य।	02.38/2,000.00
3	निकाय मद से वार्ड क्र. 27 चक्रधर नगर रेल्वे फाटक से बंगाली चिकन दुकान तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य।	07.06/5,300.00

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि., रायगढ़

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर

नगर निगम मुख्यालय, गांधी मैदान के पास, रायपुर (छ.ग.)

फोन नं- 0771-2535780, 90, फैक्स- 0771-2227395, ई-मेल- dc rmc@rediffmail.com

क्रमांक 841/ SBM / नपानि / 2025-26 रायपुर, दिनांक - 05/01/2026

नगर पालिक निगम, रायपुर सीमा क्षेत्र में 15वें वित्त आयोग अंतर्गत निम्नलिखित 02 कार्य की निविदा आमंत्रण जेम के माध्यम से किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

बिड क्र.	कार्य का नाम	स्वीकृत राशि (रू. लाख में)
GEM/2025/B/7072910	महिलाओं की सुविधा हेतु सेनेटरी पैड वेंडिंग एवं इंसीनेटर मशीन सभी जोन कार्यालयों में क्रय तथा स्थापना कार्य	14.50
GEM/2025/B/7044308	मच्छर उन्मूलन हेतु उपकरण (फॉगिंग इत्यादि) तथा संचालन एवं संधारण	16.94

टीपः- उपरोक्त कार्य हेतु अन्य जानकारी https://gem.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता (SBM)
नगर पालिक निगम
रायपुर (छ.ग.)

महाविद्यालय के छात्रों ने जिला कार्यालय का किया शैक्षणिक भ्रमण

खैरागढ़/नवप्रदेश। रानी रश्मिदेवी सिंह शासकीय महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के बीए पहले और तीसरे सेमेस्टर के छात्रछात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत जिला कलेक्टर कार्यालय में निर्वाचन शाखा, समाज कल्याण विभाग और राजस्व शाखा का भ्रमण किया भ्रमण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियो कर्मचारियो से चर्चा कर वहां होने वाले कार्यो और क्रियाकलापों की गहराई से जानकारी प्राप्त की। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान राजनीति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष सुरेश कुमार आडवानी समिति शिक्षक यशवंत सोनी मौजूद थे। छात्रछात्राओं ने इस दौरान विभागीय कार्यो की जानकारी लेकर उसे जीवन मे उतारने की बात कही ।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिलाईगढ़, जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

ईश्तहार / उद्घोषणा

रा.प्र.क्र....अ/2 वर्ष 2025-26 ग्राम ओटगन तहसील भटगांव जिला-सारंगढ़- बिलाईगढ़ (छ.ग.)

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि, ग्राम ओटगन तहसील भटगांव जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) की नीचे अनुसूचित में उल्लेखित भूमि स्वामी के लिये व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त भूमि का व्यपवर्तन आवेदक अनस कुमार पिता महेशराम जाति मरार साकिन ओटगन तहसील भटगांव जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) के द्वारा व्यवसायिक प्रयोजन के किये जाने पर, जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति लिखित रूप में ईश्तहार के प्रकाशन दिनांक 16/01/2026 के भीतर अधोस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में स्वतः या किसी अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अनुसूची :-

खसरा नं. 239/7 रकबा 0.110 में से रकबा 0.048 हे. पैसे।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से आज दिनांक 01/01/2026 को जारी किया गया।

मुहर जी-252605845/2

अनुविभागीय अधिकारी(रा.)
बिलाईगढ़

NAGAR PANCHAYAT, FINGESHWAR
OFFICE OF THE CHIEF MUNICIPAL OFFICER
E-Procurement Tender Notice
Portal: http:/eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / 2522/लो.नि.शा./न.पं./2025-26 फिंगेश्वर, दिनांक 05/01/2026

SYSTEM TENDER NO/ 183165/NIT NO:**NIT/FINGESHWAR/**
Dated 05.01.2026 (1st Call)

Online bids are invited for the following works (last date & time of bid preparation) **Date 27.01.2026 17.30-hours.**
Name of Work/Description of Item:
Construction of Anganwadi at Ward number 05 at Nagar Panchayat Fingeshwar Dist-Gariyaband CG
Total Probable Amount of Contract: Rs 12.00 Lacs

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **http:/eproc.cgstate.gov.in** on Sub Portal of Nagar Panchayat FINGESHWAR through Urban Administration and development Department. **http:/eproc.cgstate.gov.in** from (start date & time of bid preparation) **Date 06.01.2026 at - 10.00 hours.** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

NOTE :- 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal (http:/eproc.cgstate.gov.in)
Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **e-Procurement system Help Desk,** 1. The Service Integrator of e-Procurement system, M/s. Mjunction Service Ltd. on Help DeskToll free No. 1800-4199140 or email helpdesk.eproc@cgswan.gov.in.
2. Mr. Shailesh Kumar Soni, Sr. Manager, Chhattisgarh Infotech& Biotech Promotion Society (CHiPS) on Tel. No. 0771- 4014158 or email: pro-chips@nic.in.
3. किसी भी प्रकार का संशोधन सूचना विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in एवं कार्यालयीन सूचना पटल पर प्रसारित की जायेगी, पृथक से समाचार में प्रकाशित नही होगी।

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
NAGAR PANCHAYAT FINGESHWAR
DIST.- GARIYABAND (C.G.)

MUNICIPAL COUNCIL, SARANGARH
E-Procurement Tender Notice (1st Call)

SYSTEM TENDER NO: NIT NO: 4435 SARANGARH, Dated 02.01.2026

Online bids in three envelop system are invited for the following construction works/ up to Date 22.01.2026 at 17.30 Hours

WORK DETAILS

System Tender No.	Description of works	Probable Amount of Contract (In Lakhs)	EMD Cost of Tender Form/ TDR/FDR	Time allowed for completion
182979	Construction of CC Road at Ward No. 01 Patel Dharmsala to Jel Road	61.82	46500.00	03 months
182980	Construction of CC Road at Ward No. 09/12 Gupta Computer to Munna Raw House	37.82	28500.00	03 months
182981	Construction of CC Road at Ward No. 04 Saxsena House to Behind of Rani Laxmi Bai Complex	15.46	12000.00	03 months
182982	Construction of BT Road at Ward No. 13 Bidpara to Rajapara to Doulat Chowk	26.75	20500.00	03 months

More details can be downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in According to cguad guideline. (IST) onwards.

For more details on the tender and bidding process please visit the above mentioned portal.

CHIEF MUNICIPAL OFFICER
MUNICIPAL COUNCIL SARANGARH

रेल परिचालन को सुरक्षित, विश्वसनीय और सुगम बनाने किए गए अनेक आधुनिक कार्य

संकेत व दूरसंचार विभाग की उल्लेखनीय उपलब्धियां, 22 स्टेशनों पर केबल हेल्थ टेस्टिंग का कार्य पूरा

बिलासपुर/नवप्रदेश। यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तथा रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुगम बनाने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के संकेत एवं दूरसंचार विभाग द्वारा अप्रैल 2025 से दिसम्बर 2025 के दौरान कई महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए हैं। इन उपलब्धियों से रेल संरक्षा, लाइन क्षमता और यात्रियों की सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

124 नए प्वाइंट मशीन स्थापित/प्रतिस्थापित किए गए। 03 लेवल क्रॉसिंग गेट (LC AB-20, LC BK-72 एवं LC BC-02) को वाहनों के लिए स्थायी रूप से बंद किया गया। 02 लेवल क्रॉसिंग गेट (LC-335 एवं LC-297) को इंटरलॉक किया गया। 208 प्वाइंट मशीनों को थिक वेब स्विच लेआउट में अपग्रेड किया गया। 36.63 किमी पुरानी एवं खराब सिग्नलिंग केबल बदली गई। 09 ओवरएज्ड ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट (लाइन क्लियर उपकरण) बदले गए। 2963 बैटरियाँ बदली गई जिससे निर्बाध विद्युत बैकअप सुनिश्चित हुआ। 22 स्टेशनों पर केबल हेल्थ टेस्टिंग (मेगरिंग) का कार्य भी पूर्ण किया गया। स्टेशन, सिग्नल केबिन, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग हट एवं लेवल क्रॉसिंग हट सहित 55 स्थानों पर ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन एवं अलार्म सिस्टम स्थापित किए गए हैं। यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने हेतु 55 छोटे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उपरोक्त कार्य बिलासपुर मंडल के संकेत एवं दूरसंचार विभाग की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिनका उद्देश्य सुरक्षित, संरक्षित एवं कुशल रेल सेवा प्रदान करना है।

गोंडवाना एक्सप्रेस में लगेगा एक्सट्रा एसी-3 कोच

बिलासपुर रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए निजामुद्दीन-रायगढ़-निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12410/12409) में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच जोड़ने का निर्णय लिया है। यह पहल अधिक से अधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह अतिरिक्त कोच गाड़ी संख्या 12410 निजामुद्दीन-रायगढ़ एक्सप्रेस में 5 जनवरी 2026 को उपलब्ध रहेगा। वहीं, गाड़ी संख्या 12409 रायगढ़-निजामुद्दीन एक्सप्रेस में यह सुविधा 7 जनवरी 2026 को मिलेगी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि इस कदम से यात्रियों को यात्रा के दौरान अधिक संख्या में कंफर्म बर्थ मिल सकेंगी, जिससे उनकी यात्रा सुगम होगी।

आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली का उन्नयन

ट्रेन संचालन को सुरक्षित एवं सुचारु बनाने हेतु मंडल के उरगा एवं कोठारी रोड स्टेशन के पुराने पैनल आधारित सिग्नलिंग सिस्टम को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में परिवर्तित किया गया है। लाइन क्षमता बढ़ाने एवं ट्रेनों की प्रतीक्षा अवधि कम करने के उद्देश्य से जामगांव-कोतरलिया (8 किमी), चांपा-सारागांव देवरी (8.5 किमी) एवं रायगढ़-चक्रधरनगर-कोतरलिया (8 किमी) खंडों में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली प्रारंभ की गई है। कटनी ग्रेड सेपरेटर एवं टाई-लाइन परियोजना के अंतर्गत झलवारा स्टेशन कमीशन किया गया। कोतरलिया, किरोडीमलनगर, रायगढ़, सारागांव देवरी एवं बाराद्वार स्टेशनों पर चौथी लाइन का कार्य पूर्ण किया गया। कुसमुंडा स्टेशन पर नई कुसमुंडा-उरगा बाईपास लाइन के सिग्नलिंग प्रणाली में संशोधन किया गया। करगीरोड स्टेशन पर कार्गो मूवर्स साइडिंग को कनेक्टिविटी प्रदान की गई।

■ न्यूज गैलरी

आधे-अधूरे शौचालयों के काम तत्काल प्रारंभ कर 31 मार्च तक पूरा करने निर्देश

बिलासपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत विभिन्न नगरीय निकायों में स्वीकृत आकांक्षी शौचालयों के निर्माण पूर्ण करने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर दी है। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत प्रदेश के 78 नगरीय निकायों में 141 आकांक्षी शौचालय मंजूर किए गए हैं। इनमें से 26 शौचालयों के निर्माण पूर्ण हो गए हैं। निर्माणाधीन शौचालयों में से 28 प्लिंथ लेवल पर, 18 लिंटल लेवल पर और 55 रूफ लेवल पर हैं। राज्य शासन ने इन शौचालयों के निर्माण जल्द पूर्ण करने संबंधित नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को मंत्रालय से परिपत्र जारी किया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने आकांक्षी शौचालयों के निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए जिन शौचालयों के काम रूफ तक पहुंच गए हैं, उन्हें 31 जनवरी 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने लिंटल स्तर तक के निर्माण वाले शौचालयों के काम 28 फरवरी 2026 तक पूर्ण करने को कहा है।

आधे शहर में ब्लैकआउट, दमकल की टीम आग बुझाने में जुटी

मोपका सब स्टेशन में लगी भीषण आग, शॉर्ट सर्किट होने की आशंका

बिलासपुर/नवप्रदेश। *शहर के मोपका इलाके में स्थित शहर के सबसे बड़े और करीब 25 साल पुराने बिजली सब स्टेशन में मंगलवार दोपहर को भीषण आग लग गई। सब स्टेशन से उठती लपटें दूर-दूर तक दिखाई दी। जबकि घना धुआं पूरे क्षेत्र में फैल गया। सूचना मिलते ही दमकल की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। आग पर काबू में करने का प्रयास जारी है। यह सब स्टेशन कुल 480 मेगावॉट क्षमता का है। जिसमें से करीब 320 मेगावॉट बिजली शहर के आधे हिस्से को सप्लाई की जाती है। घटना के बाद एहतियातन आधे शहर की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई। जिससे कई इलाकों में अचानक ब्लैकआउट हो गया।*

सूत्रों के अनुसार सुबह पावर हाउस के मुख्य भवन में अचानक से आग फैल गई। देखते ही देखते आग ने पूरे कार्यालय को अपने आगोश में ले लिया और भारी गर्मी व धुएं ने आसपास मौजूद लोगों को प्रभावित किया तुरंत स्थानीय प्रशासन और पुलिस को घटना की सूचना मिली और चार फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ मौके पर पहुंचकर आग को बुझाने का काम जारी रखे हुए हैं। दमकल कर्मियों ने उच्च दबाव के जल फावड़ों से आग पर काबू पाने का प्रयास जारी रखा, ताकि कार्यालय भवन और आस-पास की अन्य संरचनाओं को नुकसान से बचाया जा सके। आग बुझाने की यह कार्यवाही जारी है और दमकल विभाग का कहना है कि जल्द ही पूरी आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास जारी रहेगा। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

अचानक अंधेरे में डूबा शहर, लोग परेशान

बिजली गुल होते ही घरों, दुकानों और व्यवसायिक इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अचानक हुए ब्लैकआउट से आम लोग परेशान नजर आए। वहीं कई जगहों पर ट्रैफिक और जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हुईं। फिलहाल ,आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल सका है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि बिजली विभाग और प्रशासन की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

दो मौलिक ब्रह्मांडीय शक्तियों शिव और सती के शाश्वत मिलन का प्रतीक: ईश्वरी

■ पत्रकार कॉलोनी में शिव महापुराण कथा

बिलासपुर/नवप्रदेश। शिव महापुराण में देवी सती और प्रभु शिव की कथा दो मौलिक ब्रह्मांडीय शक्तियों शिव और शक्ति के शाश्वत मिलन का प्रतीक है। सती वियोग में शिवजी ने ऐसा तांडव मचाया कि सृष्टि खतरे में पड़ गई थी, तब श्रीहरि ने अपनी चतुराई से विनाश को रोका था। पत्रकार कॉलोनी में राजेश पांडेय के निवास पर आयोजित शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन कथावाचिका ईश्वरी देवी ने माता सती प्रसंग पर प्रवचन कहते हुए उक्त बातें कहीं। उन्होंने बताया कि यह प्रसंग शिव-पार्वती विवाह और शक्तिपीठों की स्थापना के पीछे की महत्वपूर्ण घटना है। प्रजापति दक्ष ने एक महान यज्ञ का आयोजन किया, लेकिन शिव और सती को निमंत्रण नहीं दिया। सती बिना बुलाए यज्ञ में पहुंची और दक्ष द्वारा शिव का अपमान सहन न कर सकीं, जिसके कारण उन्होंने यज्ञ की अग्नि में देह त्याग दिया। इससे दुखी और क्रोधित भगवान शिव ने प्रलयकारी तांडव नृत्य किया और सती के शरीर को कंधे पर उठाकर पूरे ब्रह्मांड में घूमते रहे। भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर के टुकड़े किए, जो पृथ्वी पर विभिन्न स्थानों पर गिरे और शक्तिपीठों की स्थापना हुई। यह प्रसंग भक्ति, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। यह दर्शाता है कि कैसे देवी सती ने अपने पति के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और प्रेम के कारण अपना जीवन त्याग दिया। यह प्रसंग शक्तिपीठों की स्थापना के पीछे की कहानी भी बताता है, जो आज भी भक्तों के लिए महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल हैं।

सिम्स में सी-आर्म मशीन से पहला ऑपरेशन, आम मरीजों को निजी अस्पताल नहीं भटकना पड़ेगा

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर को नववर्ष के अवसर पर प्राप्त अत्याधुनिक सी-आर्म मशीन अब केवल एक चिकित्सीय उपकरण नहीं, बल्कि गंभीर रूप से घायल मरीजों के लिए आशा, विश्वास और जीवन की नई किरण बनती जा रही है। इस मशीन का सिम्स अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर ऑपरेशन थिएटर में विधिवत शुभारंभ किया गया, जिसके पश्चात इसका उपयोग जटिल शल्यक्रियाओं में प्रारंभ हुआ। उल्लेखनीय है कि विगत लगभग 7 वर्षों से सिम्स में सी-आर्म मशीन उपलब्ध नहीं होने के कारण हर वर्ष करीब 100 से 150 गंभीर हड्डी रोग एवं ट्रॉमा मरीजों को रायपुर अथवा निजी अस्पतालों में रेफर करना पड़ता था। अब सी-आर्म मशीन के उपलब्ध होने से यह मजबूरी समाप्त हो गई है और ऐसे जटिल ऑपरेशन सिम्स में ही सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सी-आर्म मशीन से पहला जटिल ऑपरेशन सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक मरीज पर सफलतापूर्वक किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार खेदु दास (उम्र 40 वर्ष), निवासी देवरीडीह, जिला बिलासपुर, 27 दिसंबर 2025 को मोटरसाइकिल से कार्य से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान दुर्गा मंदिर, व्यापार विहार के समीप एक ऑटो से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद घायल को गंभीर अवस्था में सिम्स चिकित्सालय लाया गया।

सी-आर्म मशीन ऐतिहासिक उपलब्धि: डॉ. मूर्ति

इस अवसर पर सिम्स अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि नववर्ष पर सिम्स को प्राप्त अत्याधुनिक सी-आर्म मशीन संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। विधिवत पूजा के साथ इस मशीन का शुभारंभ कर इसे मरीजों की सेवा में समर्पित किया गया है। इससे अब जटिल से जटिल हड्डी रोग एवं सड़क दुर्घटना के मामलों का उच्चस्तरीय उपचार सिम्स में ही संभव हो सका है।' चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि सी-आर्म मशीन के आगमन से ट्रॉमा और ऑर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अब सर्जरी के दौरान हड्डी की वास्तविक स्थिति तुरंत दिखाई देती है, जिससे ऑपरेशन की सफलता दर बढ़ी है और मरीजों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है।

आईटीआई कोनी में अप्रेंटिसशिप मेला 12 को

बिलासपुर/नवप्रदेश। आईटीआई कोनी के सीओई भवन मे 12 जनवरी को सवेरे 10.30 बजे से अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से विद्युतकार, फिटर, मैकेनिक डीजल, मशीनिष्ट, वेल्डर, टर्नर, प्लम्बर, ट्रेक्टर मैकेनिक, शीट मेटल मोटर, मैकेनिक मोटर व्हिकल एवं कोपा के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर इस मेले में भाग ले सकते है।

'विकसित भारत 2047' जनजागरूकता कार्यक्रम व चित्र प्रदर्शनी शुरु

बिलासपुर/नवप्रदेश। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा बिलासपुर स्थित ऊर्जा शिक्षा उद्यान में आयोजित तीन दिवसीय 'विकसित भारत 2047' जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं भव्य चित्र प्रदर्शनी का आज शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 7 जनवरी तक आम नागरिकों के अवलोकन हेतु खुला रहेगा। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी ने प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण कर विभिन्न थीम आधारित स्टॉलों का अवलोकन किया तथा आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' देश को आत्मनिर्भर, समृद्ध और वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने की दिशा में एक सशक्त राष्ट्रीय संकल्प है, जिसे जनभागीदारी के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान गीत एवं नाट्य विभाग के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया गया, जिसे दर्शकों ने विशेष रूप से सराहा। तीन दिवसीय आयोजन के अंतर्गत 'विकसित भारत' के चार प्रमुख स्तंभकृयुवा, महिला, किसान और गरीब पर केंद्रित विशेष चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है, जिसमें भारत की विकास यात्रा, प्रमुख सरकारी पहलें और भावी दृष्टिकोण को दर्शाया गया है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य, 'विकसित भारत-जी राम जी' के प्रभावी क्रियान्वयन तथा स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने के विज़न पर प्रकाश डाला जा रहा है।

योद्धा इलेवन ने शौर्य इलेवन को 6 विकेट से हराया

बिलासपुर/नवप्रदेश। स्व. ऊषा देवी भंडारी की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय रात्रिकालीन टेनिस बाल प्रतियोगिता बिलासपुर जिला खेल परिसर मैदान में चल रही है। प्रतियोगिता के आठवें दिन तीन मैच खेले गए। पहला मैच शौर्य इलेवन बिलासपुर और योद्धा इलेवन के बीच खेला गया। इस मैच के अतिथि रहे संदीप अग्रवाल (सीईओ जिला पंचायत), पंकज पटेल जी (एएसपी), अनुज कुमार (एएसपी) निमितेश् सिंह (सीएसपी) सभी अतिथियों ने टॉस कराकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ कराया। टॉस जीतकर योद्धा इलेवन बिलासपुर की टीम ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शौर्य इलेवन की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 86 रन बनाए। शौर्य इलेवन की ओर से बल्लेबाज अविनाश और सोनू ने क्रमशः 25 और 27 रन बनाए। योद्धा इलेवन के गेंदबाज शोमैन ने सर्वाधिक 3 विकेट अर्जित किए। 10 ओवरों में 87 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी योद्धा इलेवन की टीम ने 9वें ओवर में 4 विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया। योद्धा इलेवन के खिलाड़ी अब्दुल शामद को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। आज का दूसरा मैच वाय.सी.सी इलेवन और स्ट्रीमीफाई रायपुर के मध्य खेला गया। इस मैच के अतिथि के रूप में वैभव बैस (प्रदेश प्रभारी युवा मोर्चा), सुनीता मणिकपुरी, तिलकराम साहू (एमआईसी),मोती गंगवानी, गणेश राम (आर एस एस), कौशलेंद्र (आरएसएस), राजीव दुबे (आरएसएस) उपस्थित थे।

रोमांचक मुकाबले में शौर्य इलेवन की टीम ने 1 रन से जीता मैच

मनीष मुखर्जी को मिली पीएचडी की उपाधि

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ सीवी रमन विश्व विद्यालय के शारीरिक शिक्षा संकाय में सहायक प्राध्यापक पद पर पदस्थ मनीष मुखर्जी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। इन्होंने अपना शोध कार्य इनवेस्टिगेसन आफ टास्क एण्ड ईगो ओरिएंटेशन एण्ड परसेप्सन ऑफ मोटिवेशनल कलाईमेट एमंग मेल एण्ड फीमेल प्लेयर्स ऑफ सलेक्टेड टीम गेम्स विषय पर डॉ. जय शंकर यादव, संकाय अध्यक्ष एवं संचालक शारीरिक शिक्षा, योग एवं खेल विज्ञान के मार्गदर्शन में पूर्ण किया हैं। अपनी इस शानदार उपलब्धी पर अपनी माता मुखर्जी सेवा निवृत्त शिक्षिका, पिता डॉ. ए के मुखर्जी प्रसिद्ध होम्योपैथिक कोटा, विश्व विद्यालय के कुलपति, कुलसचिव सहित समस्त प्रशासनिक अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं गुरु जनों को दिया है।

राहत — बिल बकाया होने पर नहीं मिलता है नया बिजली कनेक्शन, बिल जमा करवाने पर मिलेगा 10 से 15 प्रतिशत की प्रोत्साहन राशि

निष्क्रिय बिजली उपभोक्ताओं को राहत देगी समाधान योजना

बिलासपुर/नवप्रदेश। *विभिन्न कारणों से निष्क्रिय बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने नई समाधान योजना लागू की है, जिसमें उनके लंबे समय से लंबित देयकों का भुगतान कराने की सुविधा दी जाएगी। इस कार्य में अधिकृत मीटर रीडर उपभोक्ताओं की सहायता करेंगे। इस योजना का लाभ लेकर निष्क्रिय उपभोक्ता भी अपनी प्रापर्टी में नया मीटर लगवा सकेंगे।*

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में ऐसे पौने तीन लाख से अधिक उपभोक्ता हैं, जिनके बिल लंबे समय से बकाया हैं। बिल बकाया होने के कारण उनके घरों व प्रापर्टी से बिजली मीटर निकाल कर वापस ले लिये गए हैं, उन्हें नया कनेक्शन नहीं दिया जाता है। दरअसल डीआरए (ड्यूज रिकवरी एक्ट) के तहत बिल बकाया होने पर उपभोक्ता को नोटिस दिया जाता है, फिर कनेक्शन काट दिया जाता है। उसके बाद भी बिल जमा नहीं करने पर उनके घर का मीटर निकाल लिया जाता है। प्रदेश में दो लाख 76 हजार विद्युत उपभोक्ता हैं, जो निष्क्रिय की श्रेणी में हैं। उनसे पॉवर कंपनी के 175 करोड़ रूपए लेने हैं। कई ऐसे प्रकरण हैं, जिसमें उपभोक्ता का निधन हो गया है या फिर प्रापर्टी बिक गई है। उन्हें नया बिजली कनेक्शन तब तक नहीं दिया जाता, जब तक उस भूमिस्वामी पर कोई बिजली बिल बकाया न हो। ऐसे उपभोक्ताओं के लिए समाधान योजना लागू की गई है, जिसमें प्रदेशभर में नवीन मीटर रीडर योजना के तहत कार्य कर रहे स्वतंत्र मीटर वाचक बकाया राशि जमा करवाने में सहयोग करेंगे। इसके एवज में पॉवर कंपनी निष्क्रिय उपभोक्ताओं से प्राप्त बकाया राशि का 10 से 15 प्रतिशत राशि प्रोत्साहन स्वरूप देगी। वितरण केंद्र निष्क्रिय बकायादारों की प्रमाणिक सूची मीटर रीडिरों को उपलब्ध कराएंगे। अपने नियमित मीटर रीडिंग का कार्य पूरा करने के बाद 15 तारीख से उन्हें बकाया राशि जमा कराने की प्रक्रिया के लिए निष्क्रिय उपभोक्ताओं से संपर्क करना होगा। यदि उन्हें बिलों में त्रुटि की शिकायत रहेगी तो दस्तावेजी प्रमाण के साथ संबंधित कार्यालय में उसे सुधार कराने में सहयोग प्रदान करेंगे। उपभोक्ताओं को मांग-पत्र, नोटिस, पुनरीक्षित देयक प्रदान कर जब राशि प्राप्त हो जाएगी, उसमें से निश्चित प्रतिशत में प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। संबंधित कार्यपालन अभियंता (संचारण-संधारण-शहर) व्दारा हर महीने मीटर रीडरों व्दारा जमा कराए गए बिलों की सिस्टम जनरेटेड रिपोर्ट उपलब्ध कराएँगे, जिसके आधार पर मीटर रीडर को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भुगतान किया जाएगा। प्रोत्साहन राशि देयक संबंधित कार्यपालन अभियंता द्वारा प्रदत्त सूची में दर्ज यथा क्रमांक,पेज नंबर को सत्यापित किया जाएगा साथ ही राशि जमा पर सीआरए नंबर व तिथि भी अंकित करेंगे।

CSPDCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

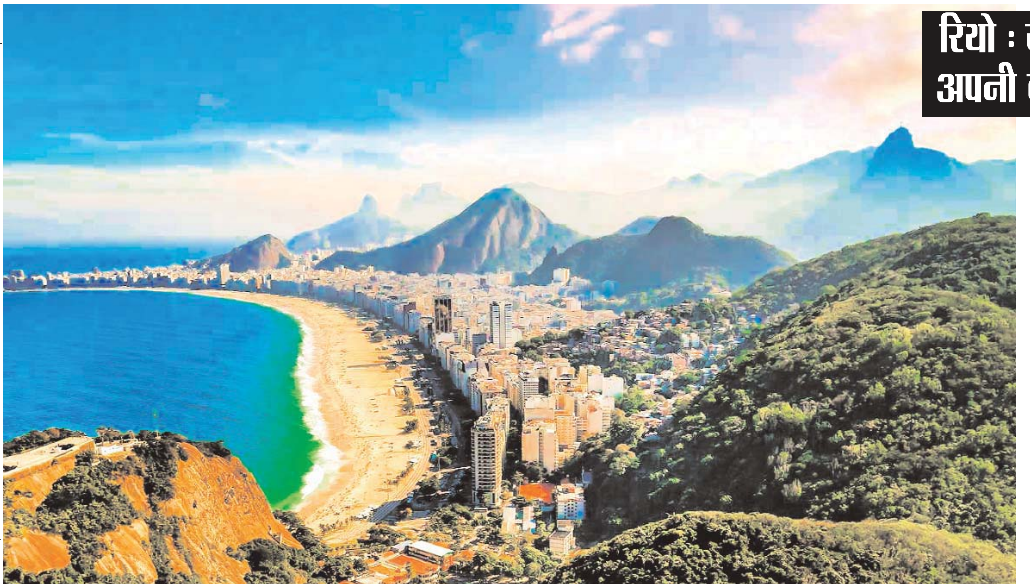

रियो : जहाँ समंदर खुद अपनी कहानी सुनाता है

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो का समुद्र पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती और जीवंत ऊर्जा के लिए मशहूर है। यहाँ के तट, जैसे कोपाकबाना और इपानेमा, केवल रेत के किनारे नहीं बल्कि रियो की संस्कृति का केंद्र हैं। 2026 में भी यहाँ का नीला पानी और सफेद रेत पर्यटकों को अपनी ओर खींचती है। समुद्र के एक तरफ ऊंचे पहाड़ (जैसे शुगरलोफ माउंटेन) और दूसरी तरफ अटलांटिक महासागर का विस्तार एक अद्भुत दृश्य पैदा करता है। यहाँ की लहरें सर्फिंग के लिए बेहतरीन हैं, और शाम के समय समुद्र किनारे सांबा संगीत और फुटबॉल के खेल यहाँ के माहौल को दुनिया के अन्य समुद्र तटों से अलग और जादुई बना देते हैं।

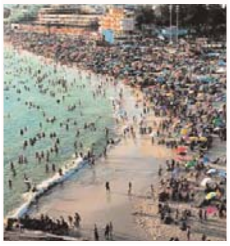

शरजील-उमर को जमानत न मिलने के बाद जेएनयू में आधी रात प्रदर्शन

❑ पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ की नारेबाजी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में उस समय तनाव का माहौल बन गया जब छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज होने के बाद प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और विवादित नारे लगाए गए। वहीं, इस मामले में मुकदमा दर्ज करने के लिए वसंतकुंज थानाध्यक्ष को जेएनयू की ओर से पत्र लिखा गया है।

सोमवार रात हुए विरोध प्रदर्शन के एक कथित वीडियो के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की गई। यह घटना 5 जनवरी 2020 को जेएनयू परिसर में छात्रों पर हुए हमले की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई। जेएनयू छात्र संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने शरजील इमाम और उमर खालिद को जमानत न मिलने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। विश्वविद्यालय प्रशासन इस मामले की जांच में जुट गया है और घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन की प्रेसिडेंट अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल, स्टूडेंट्स 5 जनवरी, 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने बताया, 'विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर भी व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी खास व्यक्ति के लिए नहीं थे।'

कोई भी सुप्रीम कोर्ट से ऊपर नहीं है: अरविंद सिंह लवली

भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली ने कहा, 'इस देश में कोई भी सुप्रीम कोर्ट से ऊपर नहीं है। इस देश में न्याय व्यवस्था से ऊपर कुछ भी नहीं है, और सरकार भी इसका पालन करने के लिए बाध्य है। इस तरह से उस न्याय का विरोध करना और सिर्फ राजनीति करना, इसका मतलब है कि आप देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं। मैं ऐसे लोगों की निंदा करता हूं जो इस देश को टुकड़ों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं।'

आवारा कुत्तों की गिनती के मुद्दे पर सदन में हंगामा

❑ बीजेपी ने केजरीवाल से की माफी की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू होते ही हंगामेदार हो गया। सत्र के दूसरे दिन, मंगलवार को भी सदन की कार्यवाही की शुरुआत आवारा कुत्तों की गिनती के मुद्दे पर जोरदार हंगामे के साथ हुई। भाजपा के विधायक अजय महावर ने सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए आम आदमी पार्टी पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया। महावर ने मांग की कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए। सदन में बढ़ता हंगामा और गरमागरमी को देखते हुए,

विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही को 30 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। दोबारा बैठक शुरू होने पर विधानसभा में फिर हंगामा होने लगा। जिसे देखते हुए। एक बजे तक बैठक स्थगित कर दी गई। इस मुद्दे पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने केजरीवाल को पत्र लिखा है। जिसमें आशीष सूद ने अरविंद केजरीवाल पर भ्रामक और तथ्यहीन बयान देने का आरोप लगाते हुए इसे अफवाह फैलाने वाला बताया है।

केजरीवाल और आप गैंग ने झूठ बोले, उन्हें शर्म आनी चाहिए

दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान दिल्ली भाजपा विधायकों ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा विधायक हरीश खुराना ने कहा, 'केजरीवाल और आप गैंग ने झूठ बोला, उन्होंने दावा किया कि हमने कुत्तों को लेकर कोई ऑर्डर पास किया है। उन्हें शर्म आनी चाहिए। आज हमने विधानसभा में मांग की कि वे इसके लिए माफी मांगें। हम मांग करते हैं कि वे दिल्ली से, अध्यापकों से और पूरे देश से माफी मांगें।'

अमेज़न पे ने भारत में फिक्स्ड डिपॉज़िट की शुरुआत की

नई दिल्ली। अमेज़न पे ने आज फिक्स्ड डिपॉज़िट की शुरुआत की घोषणा की, जो भारत में उसके वित्तीय सेवा इकोसिस्टम के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम है। दो प्रमुख एनबीएफसी–श्रीराम फाइनेंस और बजाज फाइनेंस–और पांच बैंकों–शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक, साउथ इंडियन बैंक, स्लाइस और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक–के साथ रणनीतिक साझेदारी के ज़रिए, अमेज़न पे देशभर के लाखों ग्राहकों को फिक्स्ड डिपॉज़िट विकल्प उपलब्ध करा रहा है। अब ग्राहक अमेज़न पे पर सिर्फ 1,000 रुपये से फिक्स्ड डिपॉज़िट खोल सकते हैं और इसके लिए उन्हें हर बैंक में अलग-अलग सेविंग अकाउंट खोलने की जरूरत नहीं होगी। साझेदार संस्थान 8% प्रति वर्ष तक की ब्याज दर की पेशकश कर रहे हैं।

असदुद्दीन ओवैसी ने नवनीत राणा पर साधा निशाना

8 बच्चे पैदा करो, कौन रोक रहा है

अकोला। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा नेता नवनीत राणा के एक बयान पर निशाना साधा। नवनीत राणा ने कहा था कि देश की जनसांख्यिकीय संरचना पाकिस्तान जैसी न हो जाए, इसलिए उन्हें चार बच्चे पैदा करने चाहिए। ओवैसी ने राणा का नाम लिए बिना कहा कि मेरे छह बच्चे हैं और तुम 4 नहीं, आठ बच्चे पैदा करो। कौन रोक रहा है?

महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, 'मेरे छह बच्चे हैं और मेरी दाढ़ी सफेद हो रही है। किसी ने कहा था कि चार बच्चे होने चाहिए। चार ही क्यों? आठ बच्चे पैदा करो, कौन रोक रहा है?' नवनीत राणा ने कहा था, 'कुछ लोगों की कई पत्नियां और कई बच्चे होते हैं, जिससे उनकी जनसंख्या बढ़ती रहती है। इससे निपटने के लिए उन्होंने हिंदुओं से भारत की रक्षा के लिए कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था।'

मोहन भागवत और चंद्रबाबू नायडू के बयान का भी किया जिक्र

रैली में असदुद्दीन ओवैसी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के भी बयान का जिक्र किया। दरअसल, टीडीपी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का हिस्सा है और चंद्रबाबू नायडू ने भी ज्यादा बच्चे पैदा करने का बयान दिया था। उन्होंने कहा, 'किसी ने बयान दिया कि मौलाना ने 19 बच्चे पैदा किए। कोई कह रहा है कि चार बच्चे पैदा करो। सभी लोग कह रहे हैं कि और बच्चे पैदा करो। तुम क्यों पैदा नहीं कर रहे? मैं तुम्हें चुनौती देता हूं कि तुम 20 बच्चे पैदा करो। यह कैसा मजाक है?'

बैंक धोखाधड़ी मामले में एमटेक ग्रुप के पूर्व चीफ को जमानत, 27000 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 27,000 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में एमटेक समूह के पूर्व चेयरपर्सन अरविंद धाम को जमानत दे दी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें धाम की जमानत याचिका खारिज की गई थी। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने यह फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ में बैठे न्यायमूर्ति आराधे ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अदालत ने इस मामले में धाम की अपील को स्वीकार कर लिया है। उच्च न्यायालय ने आगे कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक और गहन जांच आवश्यक है कि निर्दोष व्यक्तियों को गलत तरीके से फंसाया न जाए और वास्तविक अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत एमटेक समूह की कंपनियों की 550 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क की थीं।

हाईकोर्ट का तर्क क्या था?

दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले साल 19 अगस्त को जमानत खारिज करते हुए कहा था कि समय से पहले रिहाई से जवाबदेही तय करने के प्रयास प्रभावित हो सकते हैं। हाईकोर्ट ने यह भी रेखांकित किया था कि तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल के साथ मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आर्थिक अपराध देश की वित्तीय प्रणाली के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं और ऐसे मामलों में जांच जटिल व लंबी होती है।

थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने का फैसला बरकरार

मद्रास। तमिलनाडु के मदुरै में थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित दीपथून में दीपम जलाने के मामले को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने एकल न्यायाधीश के फैसले को बरकरार रखा है। कार्तिगई दीपम विवाद को लेकर मंगलवार को आए मद्रास हाईकोर्ट के इस फैसले को बड़ा फैसला माना जा रहा है। थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर दरगाह के पास स्थित दीपथून पर दीप जलाने को लेकर हाईकोर्ट के एकल न्यायाधीश ने निर्देश जारी किए थे। हालांकि, तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने का हवाला देकर प्रशासन की तैनाती से इनकार कर दिया था। तमिलनाडु सरकार ने इस फैसले के

खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन और न्यायमूर्ति केके रामकृष्णन की खंडपीठ ने आदेश सुनाते हुए कहा, 'अपीलकर्ताओं- जिनमें राज्य सरकार, हजरत सुल्तान सिकंदर बादशाह अवुलिया दरगाह शामिल हैं- यह दिखाने के लिए ठोस सबूत पेश करने में विफल रहे हैं कि आगम शास्त्र उस स्थान पर दीपक जलाने से रोकता है।'

खेल, व्यापार एवं मनोरंजन

यूगोव सर्वे के अनुसार,10 में से 7 भारतीयों ने माना कि कैलिफोर्निया बादाम वज़न प्रबंधन में सहायक हैं

रायपुर/नवप्रदेश। नए साल की शुरुआत हो चुकी है और अब स्वास्थ्य के लक्ष्य सबसे ज्यादा ध्यान में हैं। इस समय, वजन पर नियंत्रण रखना अक्सर लोगों के नए साल के संकल्पों में सबसे ऊपर होता है। जैसे-जैसे लोग अपनी दिनचर्या को फिर से व्यवस्थित करते हैं और खुद को लंबे समय तक फिट और ऊर्जावान महसूस करने के स्थायी तरीके खोजते हैं, सजग भोजन और संतुलित आहार का महत्व और बढ़ जाता है।

इस बदलाव को दर्शाते हुए, कैलिफोर्निया आल्मंड बोर्ड के सहयोग से किए गए नए यूगोव सर्वे से पता चलता है कि भारतीय उपभोक्ता अब धीरे-धीरे स्वास्थ्यपूर्ण विकल्प अपनाना अधिक पसंद कर रहे हैं। इसमें नियमित व्यायाम करना और ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर भोजन चुनना शामिल है, जो रोज़मर्रा की भलाई और स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

भारत के 16 शहरों में किए गए इस सर्वेक्षण से यह भी पता चलता है कि लोग अब स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली की ओर अधिक ध्यान दे रहे हैं। अधिकांश (92%) लोग स्वास्थ्य और पोषण में गहरी रुचि दिखा रहे हैं, जबकि 51% लोग रोज़ाना व्यायाम जैसी सक्रिय जीवनशैली अपना रहे हैं। इसके अलावा, 63% रिस्पान्डेन्ट कहते हैं कि वे अपने वजन को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं–अक्सर रोज़ाना व्यायाम, ज्यादा पानी पीना और चीनी कम करना जैसी नियमित आदतों के माध्यम से।

एचडीएफसी बैंक स्मार्टगेटवे पेमेंट प्लेटफॉर्म सीबीडीसी के साथ हुआ इंटीग्रेट

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया की सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी), डिजिटल रुपया (ई-?) को अपने ऑनलाइन मर्चेंट पेमेंट प्लेटफॉर्म, स्मार्टगेटवे में इंटीग्रेट करने की घोषणा की है। यह इंटीग्रेशन मर्चेंट को एचडीएफसी बैंक चेकआउट इकोसिस्टम के अंदर ग्राहकों को एक सुरक्षित, बिना किसी लागत वाला और सरकार समर्थित डिजिटल पेमेंट ऑप्शन देने में सक्षम बनाता है।इस सुधार के साथ, स्मार्टगेटवे मर्चेंट अब यूपीआई, कार्ड और नेट बैंकिंग जैसे मौजूदा पेमेंट तरीकों के साथ-साथ डिजिटल रुपये के ज़रिए बिना किसी ट्रांज़ैक्शन लागत के पेमेंट स्वीकार कर सकते हैं। ग्राहकों को एक आसान डिजिटल पेमेंट अनुभव का फायदा मिलता है जो तुरंत और सुरक्षित दोनों है।

वैभव ने पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे तेज भारतीय यूथ वनडे अर्धशतक बनाया

बेनोनी(वार्ता)। क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को विलोमूर पार्क में दक्षिण अफ्रीका अंडर 19 के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे के दौरान यूथ वनडे इंटरनेशनल में किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज़ फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रेगुलर कप्तान आयुष म्हात्रे की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी करते हुए, 14 साल के सूर्यवंशी ने पावर-हिटिंग का शानदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ़ 15 गेंदों में अपना हाफ सेंचुरी पूरा किया, जिससे उन्होंने सीनियर भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 18 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। युवा ओपनर आखिरकार 24 गेंदों पर शानदार 68 रन बनाकर आउट हो गए, इस पारी में

क्लीन स्ट्राइकिंग का बोलबाला था। उन्होंने 10 छक्के और सिर्फ़ एक चौका लगाया, जिसमें से 64 रन बाउंड्री से आए, जिससे साउथ अफ्रीकी गेंदबाज़ों को उन्हें रोकने में मुश्किल हुई। इससे पहले, साउथ अफ्रीका अंडर19 ने पहले बैटिंग करने का फैसला किया और 49.3 ओवर में 245 रन पर आउट हो गई। बाद में बारिश की रुकावट के कारण बदले हुए हालात में भारत का टारगेट 27 ओवर में 174 रन कर दिया गया।

करूर भगदड़ मामले में थलापति विजय को नोटिस

मुंबई। इन दिनों थलापति विजय अपनी अपकमिंग फिल्म 'जन नायकन' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज हो सकती है। लेकिन इससे पहले ही अभिनेता की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें करूर भगदड़ मामले में पूछताछ के लिए सीबीआई ने नोटिस जारी किया है। 12 जनवरी को थलापति विजय को दिल्ली स्थिति सीबीआई हेडक्वार्टर में पेश होना है। उनसे करूर भगदड़ मामले को लेकर पूछताछ की जाएगी। बताते चलें कि 27 सितंबर 2025 को तमिलनाडु के करूर में विजय की पार्टी टीवीके की एक जनसभा हुई थी, जिसमें भगदड़ मच गई थी। विजय की पार्टी टीवीके की जनसभा में जो भगदड़ हुई, उसमें कई लोग मारे गए, कई लोग घायल हुए।

राहु-केतु का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे स्टारर 'राहु केतु' का फाइल ट्रेलर आज सामने आया है। ट्रेलर पूरा मस्ती से भरा हुआ है। जिसमें पुलकित और वरुण मस्ती करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में शालिनी पांडे भी अपनी हॉट अदाएं दिखाते दिख रहे हैं। यहां देखें ट्रेलर में क्या है खास।3 मिनट 7 सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत पीयूष मिश्रा की आवाज के साथ होती है। जिसमें वो लोगों को दो लोगों के बारे में बताते हैं। जिनका परिचय देते हुए वो कहते हैं हिमाचल के शहर कुल्लू और वहां के दो उल्लू जिनका नाम राहु-केतु है। फिर पर्दे पर दिखते हैं वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट। इसके बाद दोनों की कॉमडी शुरू होती है, जिसे देखकर आपको कई मौकों पर 'फुकरे' की याद आती है। फिल्म के नाम से ही पता चलता है कि वरुण और पुलकित पनौती हैं, जहां जाते हैं कुछ न कुछ गड़बड़

कर देते हैं। हालांकि, ट्रेलर को देखकर ऐसा लगता है कि इसी दौरान ये कुछ ऐसा करते हैं, जिससे भ्रष्टाचारियों का खुलासा हो जाता है। जाहिर है कि मेकर्स ने कॉमेडी के साथ-साथ एक संदेश भी देने की कोशिश की है। ट्रेलर में वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और शालिनी पांडे के अलावा बाकी कास्ट भी नजर आती है। जिसमें पीयूष मिश्रा के अलावा अमित सियाल, चंकी पांडे और मनु ऋषि जैसे कलाकारों के नाम शामिल हैं।

रायपुर में जो पुलिस कमिश्नरी पैटर्न लाने की तैयारी, उसे मप्र में बदलने का प्रस्ताव

- रायपुर-बीरगांव निगम क्षेत्र में ही कमिश्नरी, नवा रायपुर जाएगा ग्रामीण क्षेत्र में

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में 23 जनवरी से भोपाल इंदौर पैटर्न वाली पुलिस कमिश्नरी को लागू करने की चर्चा है, जबकि मप्र की राजधानी भोपाल में उस पैटर्न को सफल नहीं माना गया और उसे संशोधित करके संयुक्त कमिश्नरी लागू करने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है है कि शहर और देहात को अलग अलग करके भोपाल में लागू पुलिस कमिश्नरी को बदलने के प्रस्ताव की खबर छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग को है या नहीं, क्योंकि रायपुर में पुलिस कमिश्नरी के 'एमपी पैटर्न' का ही ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है। दूसरी तरफ भोपाल में पर्याप्त अधिकार नहीं दिए जाने को भी कमिश्नरी के बेहतर नतीजे नहीं आने की एक बड़ी वजह बताई जा रही है।

उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक एक हफ्ते के भीतर रायपुर कमिश्नरी का ड्राफ्ट तैयार करके पुलिस मुख्यालय को भेज दिया जाएगा। यदि इसमें और विलंब हुआ तो कैबिनेट के फैसले के तहत 23 जनवरी से इसे लागू करने में तकनीकी दिक्कतें होंगी। क्योंकि कमिश्नरी के लिहाज से तैयारियों में भी वक्त लगेगा। चर्चा है कि रायपुर शहर और ग्रामीण के थानों को अलग करके नए सिरे से उसकी सीमा निर्धारित होगी और सिलतरा, कमल विहार और नवा रायपुर समेत पांच नये थाने और चौकियां भी बनाई जाएगी। बीरगांव नगर निगम और रायपुर नगर निगम की सीमा के ज्यादातर थाने कमिश्नरी में आएंगे। जबकि माना, नवा रायपुर, मंदिरहसौद, आरंग, धरसींवा, खरोरा, तिल्दा, अभनपुर, राखी, मुजगहन, नवापारा को मिलाकर रायपुर ग्रामीण जिला अलग किया जाएगा। जो आईजी रायपुर रेंज के अधीन होगा। इस तरह रायपुर पुलिस रेंज का नाम बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अभी हर थाने में आधा स्टाफ, इसलिए पहले फोर्स देना होगा

सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में रायपुर के 33 में से किसी भी थाने में मंजूरी के हिसाब से पूरा स्टाफ नहीं है। मंजूरी भी 2018 की है और सात साल में काफी स्टाफ रिटायर हो चुका है। स्थिति यह है कि ज्यादातर थानों में आधे कर्मी ही तैनात हैं। राजधानी के सबसे वीवीआईपी इलाके के सिविललाइंस थाने में 110 का बल मंजूर है लेकिन वर्तमान में वहां केवल 55 कर्मी ही काम कर रहे हैं। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि दूसरे थानों की स्थिति क्या होगी। माना जा रहा है कि कमिश्नरी के लिए पृथक से बल मंजूर किया जाएगा। दो पुलिस लाइन बनाई जाएगी। लाइन कहां होगी और कमिश्नर कार्यालय कहां खोला जाएगा? कार्यालय में अधिकारियों और स्टाफ भी बैठने की व्यवस्था कैसे होगी, पुलिस अधिकारी भी असमंजस में हैं। नियमानुसार अधिसूचना जारी नहीं होने के कारण अधिकारी अभी असमंजस की स्थिति में हैं।

भोपाल में एकल कमिश्नरी फेल इसलिए देहात-शहर को एक करने विचार

अभी पुलिस मुख्यालय को कमिश्नरी को लेकर कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। पीएचक्यू के अधिकारी भी असमंजस की स्थिति में हैं। क्योंकि चर्चा है कि वर्तमान में कई राज्यों में लागू कमिश्नरी का अध्ययन करके रिपोर्ट देने बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट और प्रस्ताव को दरकिनार करके मध्यप्रदेश के इंदौर और भोपाल में लागू फार्मूले के आधार पर रायपुर कमिश्नरी शुरू करने के संकेत मिले हैं। इसके तहत रायपुर शहर और देहात अलग-अलग होगा। शहरी क्षेत्र में कमिश्नरी लागू होगी। रायपुर देहात की कमान अन्य एसएसपी या एसपी के हाथों में होगी। इसी तरह का सिस्टम पहले भोपाल कमिश्नरी में भी मध्यप्रदेश शासन ने लागू किया था। हालांकि वहां कमिश्नरी को सफल नहीं माना जा रहा है। यही वजह है कि भोपाल पैटर्न में संशोधन करके शहर और देहात के एकीकरण और संयुक्त कमिश्नरी लागू करने के प्रस्ताव पर विचार चल रहा है।

संक्षिप्त खबर

कोमरे अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नत, मंडी बोर्ड में पदस्थ

रायपुर/नवप्रदेश। कृषि विभाग ने कार्यपालन अभियंता मोहन कोमरे को अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नत किया है। पदोन्नति के पश्चात श्री कोमरे को छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड मुख्यालय में पदस्थ किया गया है। मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक द्वारा जारी आदेश के अनुसार आदेश जारी होने के 15 दिनों के भीतर अधीक्षण अभियंता के पद पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। अन्यथा पदोन्नति आदेश स्वमेव निरस्त माना जाएगा। हाईकोर्ट ने श्री कोमरे को 3 माह के भीतर पदोन्नति देने निर्देशित किया था। कृषि मंत्री रामविचार नेताम की त्वरित पहल पर कृषि उत्पादन आयुक्त कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक हुई। जिसमें श्री कोमरे को कार्यपालन अभियंता से अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति देने की अनुशंसा की गई। श्री कोमरे वर्तमान में कृषि विवि, उद्यानिकी एवं डेयरी विश्वविद्यालय के निर्माण विभाग के प्रभारी हैं।

34 मंडी उपनिरीक्षकों की पदोन्नति, फिर 10 दिन बाद आदेश पर रोक

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के कृषि विभाग के कार्यालय प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड में 34 मंडी उपनिरीक्षक से मंडी निरीक्षक की पदोन्नति आदेश को लेकर बवाल मचा हुआ है। दरअसल प्रबंध संचालक महेंद्र सिंह सवन्नी ने गत 23 दिसंबर 2025 को मंडी उप निरीक्षकों का पदोन्नति व पदस्थापना आदेश जारी किया, फिर 10 दिनों बाद गत 2 जनवरी 2026 को रोक लगा दी। उल्लेखनीय है कि मंडी उपनिरीक्षक से मंडी निरीक्षक के पद पर पदोन्नति व पदस्थापना आदेश जारी होने के बाद एक वरिष्ठ उपनिरीक्षक ने सीआर में छेड़छाड़ को लेकर शिकायत की। शिकायत की जब जांच कराई गई, तो उक्त शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद पदोन्नति आदेश पर रोक लगा दी गई। एमडी श्री सवन्नी ने फिर अपने पुराने आदेश को पलटते हुए नया आदेश जारी किया और ताजा आदेश में उल्लेख किया कि कुछ कर्मचारियों द्वारा गोपनीय प्रतिवेदन में छेड़छाड़ की शिकायत मिली और जांच करवाई गई। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर पदोन्नति आदेश के क्रियान्वयन पर आगामी आदेश तक रोक लगाई गई है। सूत्रों का कहना है कि पदोन्नति मामले में सीआर के साथ छेड़छाड़ को लेकर दो कर्मचारियों को निलंबित भी किया गया है, लेकिन पदोन्नति में अपर संचालक स्तर के अधिकारी पर कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं। मंडी बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि मंडी उपनिरीक्षक से मंडी निरीक्षक की पदोन्नति में जिस तरह सीआर में छेड़छाड़ हुई है, ठीक इसी तरह मंडी निरीक्षक से कनिष्ठ सचिव के 9 पदों पर हुई पदोन्नति में भी गड़बड़ी हुई है। इसे लेकर भी शिकायत की तैयारी की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत

खैरागढ़/नवप्रदेश। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दामरी निवासी राज भारती (22 वर्ष), पिता दुर्गा भारती की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा 4 जनवरी की रात लगभग 11 बजे घटित हुआ। जानकारी अनुसार राज भारती अपने निजी कार्य से मोटर साइकिल पर दामरी से दल्ली की ओर जा रहा था। इसी दौरान स्टेट हाइवे में किसी अज्ञात वाहन ने उसे तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल सिविल हॉस्पिटल खैरागढ़ लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया लेकिन उपचार के दौरान राज भारती ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन एवं उसके चालक की पतासाजी में जुटी हुई है।

डीएड अभ्यर्थियों का अनशन 13वें दिन भी जारी

रायपुर/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक के 2300 पदों पर शीघ्र नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थियों का आमरण अनशन 13वें दिन भी जारी रहा। नवा रायपुर के तूता में 24 दिसंबर से अनशन चल रहा है। डीएड अभ्यर्थियों का कहना है कि 2621 बीएड वाले शिक्षकों को बर्खास्त करने के बाद भी उनके स्थान पर डीएड अभ्यर्थियों की अभी तक नियुक्ति नहीं की गई है। वहीं सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते हुए 2621 बीएड बर्खास्त वालों को विज्ञान प्रयोगशाला में समायोजन कर दिया गया जबकि डीएड अभ्यर्थी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। शासन के उपेक्षापूर्ण रवैये की वजह से सैकड़ों डीएड अभ्यर्थी और उनके परिवार मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक संकट से गुजर रहे हैं। आज अनशन के दौरान हालत बिगड़ने पर 4 अभ्यर्थियों को अस्पताल भेजा गया।

प्रैक्टिकल परीक्षा के बीच प्री बोर्ड का आदेश अव्यवहारिक

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने कहा है कि माशिमं और डीपीआई के बीच तालमेल के अभाव का खामियाजा सीधे तौर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पालकों को भुगतना पड़ रहा है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, संयोजक सुधीर प्रधान, वाजिद खान, उपाध्यक्ष देवनाथ साहू, बसंत चतुर्वेदी, प्रवीण श्रीवास्तव, शैलेन्द्र यदु, कोमल वैष्णव, सचिव मनोज सनाड्य एवं कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र पारिक ने कहा कि माशिमं के निर्देश पर 10वीं एवं 12वीं की 1 से 20 जनवरी तक प्रैक्टिकल परीक्षाएं चल रही हैं। इस बीच डीपीआई द्वारा 15 जनवरी तक प्री बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने का आदेश जारी किया गया, जो व्यवहारिक दृष्टि से उपयुक्त प्रतीत नहीं होता।

गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी को राहत नहीं

109 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को करना होगा नियमित

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की क्यूरेटिव पिटीशन, अब यूनिवर्सिटी के पास बहानेबाजी का कोई रास्ता नहीं बचा

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर के गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी को इस बार भी सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी की क्यूरेटिव पिटीशन को खारिज कर दी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही 109 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करते हुए सभी देयकों का भुगतान करने का आदेश दिया था। लेकिन, यूनिवर्सिटी प्रबंधन बिना वजह कर्मचारियों को परेशान कर रहा है।

दरअसल, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में कार्यरत 109 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को छत्तीसगढ़ राज्य शासन के 5 मार्च 2008 के नियमितीकरण आदेश के आधार पर 26 अगस्त 2008 को नियमित किया गया था। इसके बाद 15 जनवरी 2009 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय बना और सभी 109 कर्मचारी नियमित कर्मचारी के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गए।

नियमितीकरण आदेश के बाद कर्मचारियों ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी में काम किया। फिर 31 मार्च 2009 तक 8,209 रुपए वेतन प्राप्त किया। इसके बाद यूनिवर्सिटी ने बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के उनका वेतन वापस ले लिया और अप्रैल 2009 से कलेक्टर दर पर भुगतान किया जाने लगा।

अब रिव्यू और क्यूरेटिव पिटिशन भी खारिज

विश्वविद्यालय ने एसएलपी खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दायर की। जिसे भी न्यायालय ने खारिज कर दिया। इसके बाद दायर की गई क्यूरेटिव पिटीशन को भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया, जिससे कर्मचारियों की नियमित सेवा पर अंतिम न्यायिक मुहर लग गई है।

परेशान कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में लगाई याचिका

यूनिवर्सिटी की इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए डॉ. अरुण सिंगरौल के नेतृत्व में कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में रिट याचिकाएं दायर कीं। इसी दौरान विश्वविद्यालय द्वारा 19 फरवरी 2010 के आदेश के माध्यम से कर्मचारियों के नियमितीकरण को पूर्व प्रभाव से रद्द कर दिया गया। इस आदेश को भी याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने 6 मार्च 2023 को महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए कहा कि, 19 फरवरी 2010 का आदेश विधिसंगत नहीं है और इसे निरस्त किया जाता है। याचिकाकर्ता विश्वविद्यालय के नियमित कर्मचारी माने जाएंगे और उनका नियमितीकरण एक्ट 2009 की धारा 4(डी) के अंतर्गत सुरक्षित रहेगा। वे 26 अगस्त 2008 के आदेश के अनुसार सभी सेवा लाभ पाने के हकदार हैं। इसके साथ ही सभी रिट याचिकाएं स्वीकार कर ली गईं।

डिवीजन बेंच के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी पक्ष में दिया फैसला

सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देते हुए यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने रिट अपील की। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 21 जून 2023 को अपील खारिज करते हुए सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराया। जिसके बाद विश्वविद्यालय ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (सिविल) दायर की, जिसे 15 मई 2024 को खारिज कर दिया गया।

आदेशों का पालन नहीं, अवमानना नोटिस जारी

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बाद भी विश्वविद्यालय ने आदेशों का पालन नहीं किया। इसके चलते कर्मचारी न्याय के लिए परेशान होते रहे। परेशान कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में न्यायालय की अवमानना याचिका लगाई। जिस पर विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव और एमएचआरडी के सचिव को नोटिस जारी किया गया। इस दौरान यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू और क्यूरेटिव पिटिशन दायर करने की जानकारी दी।

16 साल से कर्मचारी लड़ रहे कानूनी लड़ाई

सेंट्रल यूनिवर्सिटी के दैनिक-वेतन भोगी कर्मचारी पिछले 16 साल से नियमितीकरण को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने न तो कर्मचारियों को नियमित किया और न हीं कोर्ट के आदेश पर उन्हें नियमित देयकों का भुगतान किया। इस दौरान कई कर्मचारियों की मौत हो गई। वहीं, कुछ कर्मचारी बिना नियमितीकरण के ही रिटायर हो गए। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें सभी देयकों का भुगतान होने की उम्मीद है।

बीजापुर की महिला नक्सली ने धमतरी में किया सरेंडर

- पांच लाख का था ईनाम, कई वारदातों में रही शामिल

धमतरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लगातार हो रहे एक्शन को देखते हुए नक्सलियों का सरेंडर जारी है। इसी कड़ी में मंगलवार को 5 लाख की इनामी महिला नक्सली भूमिका ने एसपी के सामने आत्मसमर्पण किया है। इसको लेकर एसपी ने बताया कि, भूमिका बीजापुर की रहने वाली है और वह महासमुंद, नुआपाड़ा, गरियाबंद, धमतरी, सहित कई जिलों में आधा दर्जन वारदातों में शामिल थी। आत्मसमर्पण नीति के तहत उसे शासन की योजनाओं का लाभ मिलेगा।

राजनांदगांव में 1 करोड़ 5 लाख रुपये के ईनाम नक्सलियों ने किया था सरेंडर- वहीं बीते दिनों राजनांदगांव में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन की महत्वपूर्ण (महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) जोनल कमेटी के सेंट्रल कमेटी मेंबर रामधेर उर्फ होरूपु उर्फ देउ मज्जी (53 वर्ष) ने अपने 11 साथियों के साथ राजनांदगांव में हथियार डाले थे। इन 12 नक्सलियों पर तीनों राज्यों में कुल 2 करोड़ 95 लाख रुपये का इनाम घोषित था। सबसे बड़ा ईनाम रामधेर पर 1 करोड़ 5 लाख रुपये का था।

तुलार गुफा जाने ग्रामीणों ने गुडरा नाले में तैयार किया बांस का पुल

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। अबूझमाड़ के घोर दुर्गम इलाकों में स्थित तुलार धाम शिव मंदिर तक पहुंचना अब पहले से आसान होने जा रहा है। दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों की सीमा से लगे अबूझमाड़ क्षेत्र में ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन का इंतजार किए बिना खुद श्रमदान कर नदी-नालों में पुल-पुलिया का निर्माण कर दिया है।

थुलथुली, बोंडोसी, कोहकाबेड़ा, बुडदुम, तोड़मा, मंगनार सहित दर्जनों गांवों के ग्रामीणों ने एकजुट होकर वर्षों पुरानी आवागमन की समस्या का समाधान अपने स्तर पर किया है। भैरमगढ़ ब्लॉक के तुषवाल पंचायत अंतर्गत आश्रित ग्राम बुडदुम के ग्रामीणों ने खास तौर पर माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि पर्व को ध्यान में रखते हुए गुडरा नदी पर अस्थायी पुलिया तैयार की है। इन पर्वों पर तुलार धाम में दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। नदी में पानी रहने के कारण हर साल बाइक खराब होने, लोगों के फिसलने और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से करीब 50 मीटर लंबी जुगाड़ पुलिया बनाकर इस समस्या से राहत दिलाई है। सरपंच शंकर मंडावी ने बताया कि बुडदुम और आसपास के गांवों का जिला मुख्यालय बीजापुर है, जहां पहुंचने के लिए करीब 150 किलोमीटर का कठिन सफर तय करना पड़ता है।

इन्हीं तिथियों में प्री बोर्ड लेने डीपीआई का फरमान, अब स्कूलों में एक दिन में दो-दो परीक्षाएं होगी

एक दिन में दो परीक्षाएं: माशिमं ने कहा- 20 जनवरी तक प्रायोगिक लें

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश के शिक्षकों और प्राचार्यों को जो ना करना पड़ जाए वो कम है। माध्यमिक शिक्षा मंडल और लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी किए गए आदेश के बाद अब स्कूलों में एक दिन में दो-दो परीक्षाएं लेने की स्थिति निर्मित हो गई है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दिसंबर माह में ही प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथि जारी करते हुए दिशा-निर्देश स्कूलों को दे दिए गए थे।

स्कूलों से कहा गया था कि, वे 1 से 20 जनवरी तक प्रायोगिक परीक्षाएं संपन्न करवाकर अंक प्रेषित करें। इसी बीच लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्री बोर्ड परीक्षाओं के संदर्भ में आदेश जारी कर दिया गया है। सभी जिलों से कहा गया है कि वे 15 जनवरी तक प्री बोर्ड परीक्षाएं संपन्न कर रिपोर्ट पेश करें। माध्यमिक शिक्षा मण्डल एवं डीपीआई के तालमेल के अभाव शिक्षकों में तनाव है। आदेश के आधार पर एक दिन में दो परीक्षाएं आयोजित करने की स्थिति निर्मित हो गई है। माशिम प्रायोगिक परीक्षाओं के अंक अंतिम परिणाम में जोड़ता है। विद्यालयों को तय समय पर प्रायोगिक परीक्षाओं के अंक प्रेषित करना अनिवार्य है। प्री बोर्ड के आधार पर ही बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के लिए रणनीति बनाई जाती है। ऐसे में यह भी महत्वपूर्ण है।

बाह्य परीक्षक अनिवार्य

10वीं-12वीं की प्रायोगिक परीक्षाओं में बाह्य परीक्षक अनिवार्य होते हैं अर्थात दूसरे स्कूल के शिक्षक ही प्रायोगिक परीक्षा लेते हैं। यदि शिक्षक प्रायोगिक परीक्षा लेने दूसरे विद्यालय चले जाएंगे तो उनकी कक्षा की परीक्षाएं कौन लेगा तथा उत्तरपुस्तिकाओं की जांच किस तरह से होगी, इसे लेकर भी विद्यालय प्रबंधन तनाव में है। तिथियों में टकराव के कारण दोनों परीक्षा सम्पन्न कराने कार्य दिवस कम पड़ रहा है। इस दोहरे दबाव के कारण शिक्षकों पर मूल्यांकन, परीक्षा संचालन एवं प्रायोगिक अथवा प्रायोजना कार्यों का अतिरिक्त भार बढ़ रहा है। वहीं विद्यार्थियों में मानसिक तनाव एवं शैक्षणिक दबाव उत्पन्न हो रहा है। पालकों में भी बच्चों के स्वास्थ्य एवं पढ़ाई को लेकर चिंता बढ़ रही है।

माशिम व डीपीआई में तालमेल नहीं

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने परीक्षा तिथियों में बदलाव की मांग करते हुए कहा, माशिम और डीपीआई के बीच समुचित तालमेल के अभाव का खामियाजा सीधे तौर पर शिक्षक, पालक एवं विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है, डीपीआई द्वारा 10 वीं एवं 12 वीं कक्षा की प्री-बोर्ड परीक्षाएं 15 जनवरी तक आयोजित करने का आदेश जारी किया गया है, जो व्यवहारिक दृष्टि से उचित नहीं है। बाह्य परीक्षक से संपर्क के बाद अधिकतर स्कूलों में प्रायोगिक परीक्षाएं 5 जनवरी से परीक्षाएं प्रारंभ हुई है। प्रायोजना के लिए अलग समय चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित,
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com